नई दिल्ली
रविवार 6 सितंबर 2026
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष-दशमी
वर्ष : 30, अंक : 139
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 29
न्यून. 25

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

जब शिक्षक की भूमिका में रहे पीएम मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों से आह्वान किया है कि वे केवल पाठ्यक्रम और किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि बच्चों के जीवन का हिस्सा बनकर उनके व्यक्तित्व और भविष्य को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बच्चे के भीतर मौजूद बचपन को जीवंत बनाए रखना जरूरी है और इसके लिए शिक्षकों को अपने भीतर के बच्चे को भी जीवित रखना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों और शिक्षाविदों से संवाद के दौरान कही। संवाद की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों में वास्तविक बदलाव तभी लाया जा सकता है, जब शिक्षक केवल सिलेबस पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि बच्चों के जीवन से जुड़ें और उनकी रुचियों, क्षमताओं तथा चुनौतियों को समझें।

स्क्रीन टाइम और नशे को लेकर जताई चिंता: प्रधानमंत्री ने बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोबाइल और अन्य डिजिटल स्क्रीन की लत से बचाने के लिए खेलकूद, आउटडोर गतिविधियों और रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बच्चों को ऐसी गतिविधियों से जोड़ना उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है।

नशे के बढ़ते खतरे पर भी प्रधानमंत्री ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चों को नशीले पदार्थों के खतरों के प्रति लगातार जागरूक करने की जरूरत है, क्योंकि कई बार बच्चे अनजाने में भी नशे की गिरफ्त में आ सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों और समाज से मिलकर इस चुनौती से निपटने का आह्वान किया।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता का भी जिक्र: प्रधानमंत्री ने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति बढ़ती जागरूकता का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाएं अब स्वास्थ्य जांच के लिए स्वेच्छा से आगे आ रही हैं। उन्होंने इसे स्वास्थ्य के प्रति समाज में बढ़ती जागरूकता का सकारात्मक संकेत बताया।

कक्षा से बाहर भी सीखें बच्चे: प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल कक्षा में पढ़ाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। बच्चों को कक्षा से बाहर ले जाकर वास्तविक दुनिया, विभिन्न प्रकार के काम और व्यावहारिक कौशल से जोड़ना जरूरी है। इससे उनमें जीवन की वास्तविक ▶▶ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को 48 स्कूली शिक्षकों को प्रदान किया यह पुरस्कार

13 वर्षों में 1 हजार 724 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

2014 से 2026 तक का आंकड़ा, जिसमें दिल्ली के 47, छग के 40, हरियाणा के 27 और म.प्र. के 78 शिक्षकों को मिला ये प्रतिष्ठित पुरस्कार

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

विशेष खबर

बीते वक्त में नीट से लेकर राष्ट्रीय स्तर की कुछ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी की वजह से भले ही सरकार की नीतियों पर सवालिया निशान लगे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके द्वारा शिक्षा क्षेत्र और खासतौर पर शिक्षकों के सराहनीय योगदान की अनदेखी की गई है। शनिवार को शिक्षक दिवस-2026 के मौके पर इस तथ्य की पुष्टि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के वर्ष 2014 से 2026 तक के 13 वर्षों के उस भरोसेमंद आंकड़े से होती है। जिसका विश्लेषण करने पर यह पता चलता है कि सरकार ने इस दौरान देश के कुल 1 हजार 724 स्कूली शिक्षकों को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया है। सूची में वृहद जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश शीर्ष पर काबिज हुआ है। जिसके इस अवधि में कुल 151 शिक्षकों को इस पुरस्कार से नवाजा गया है। जबकि टॉप फाइव में 137 शिक्षकों के साथ दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र, तीसरे स्थान पर 116 शिक्षकों के साथ तमिलनाडु, चौथे स्थान पर 106 शिक्षकों के साथ पश्चिम-बंगाल और पांचवें स्थान पर 79 शिक्षकों के साथ कर्नाटक अपनी जगह बनाने में कामयाब हुआ है। इन सबसे इतर शनिवार को राजधानी में एक समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कुल 48 स्कूली शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है।

दिल्ली और हरियाणा की स्थिति: इन 13 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुल 192 शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके हैं। जिसमें 2014 से 2026 तक दिल्ली के कुल 47 शिक्षकों को यह सम्मान मिला। इसके अलावा हरियाणा के 27, छत्तीसगढ़ के 40 और मध्य प्रदेश के 78 शिक्षक इस बड़े और महत्वपूर्ण सम्मान को अपने नाम कर चुके हैं। वर्षवार स्थिति देखें तो दिल्ली के 2014 में 12, 2015 ▶▶ शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के शिक्षकों का प्रदर्शन

उक्त अवधि में छत्तीसगढ़ के 40 और मध्य प्रदेश के 78 शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित हुए हैं। 2014 में छत्तीसगढ़ के 7 शिक्षकों को यह पुरस्कार मिला था। जबकि इसके अगले साल 2015 में 8, 2016 में 6, 2017 में 9, 2018 में 2 और 2019 में सूबे के 2 शिक्षक इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजे गए। 2020 में 1, 2021 में 0, 2022 से 2025 तक प्रदेश के क्रमशः 1,1 शिक्षक को यह पुरस्कार मिला। मध्य-प्रदेश के जिन 78 शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किए गए हैं। उनमें 2014 में 16, 2015 में 17, 2016 में 14, 2017 में 16, 2018 में 1, 2019 में 1, 2020 में 2, 2021 में 1, 2022 में 2, 2023 में 2, 2024 में 2, 2025 में 2 और 2026 में 2 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

2014 में सम्मानित हुए सर्वाधिक 345 शिक्षक

आंकड़ों के हिसाब से देखें तो वर्ष 2014 में देश के सबसे ज्यादा 345 शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किए गए थे। इसके बाद 2015 में यह संख्या 329, 2016 में 335, 2017 में 295 रही। इसके ठीक अगले साल 2018 में 45 शिक्षकों को यह सम्मान दिया गया। जबकि 2019 में 46, 2020 में 47, 2021 में 44, 2022 में 45, 2023 में 50, 2024 में 50, 2025 में 45 और 2026 में 48 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से नवाजे गए।

मेट्रो से एसआरसीसी पहुंचे मोदी, छात्रों से किया संवाद, 13 साल बाद कॉलेज में फिर दिखे प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली मेट्रो से पहुंचे। शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित इस विशेष समारोह में प्रधानमंत्री ने कॉलेज के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मेट्रो यात्रा के दौरान उन्होंने छात्रों और अन्य यात्रियों से बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री के मेट्रो से एसआरसीसी पहुंचने की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद यह यात्रा चर्चा का विषय बन गई। प्रधानमंत्री के हाथ में मेट्रो कार्ड दिखाई दिया और

उन्होंने यात्रा के दौरान छात्रों से बातचीत की। कॉलेज जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करने का यह कदम खास तौर पर इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि एसआरसीसी दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में स्थित है और आसपास कई मेट्रो स्टेशन हैं।

13 साल बाद पहुंचे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एसआरसीसी यात्रा का एक खास पहलू यह भी रहा कि वह करीब 13 साल बाद इस प्रतिष्ठित संस्थान में पहुंचे। इससे पहले वह 2013 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में आए थे। उस समय उनका संबोधन राष्ट्रीय राजनीति में उनकी बढ़ती भूमिका के संदर्भ में काफी चर्चित हुआ था। अब 13 साल बाद वह प्रधानमंत्री के रूप में कॉलेज के शताब्दी समारोह में पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पहले ही घोषणा की थी कि मोदी 5 सितंबर को शाम सात बजे एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। इस ▶▶ शेष पेज 5 पर

समारोह की अध्यक्षता नौसेनाप्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने की

ओटीए चेन्नई से उत्तीर्ण होकर निकले 365 युवा कैडेट, सेना में होंगे कमीशन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चेन्नई स्थित अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में शनिवार को आयोजित किए गए 'एससीसी-122 और एसएससी (डब्ल्यू)-36' पाठ्यक्रमों की पासिंग आउट परेड (पीओपी) समारोह में कुल 365 युवा कैडेट उत्तीर्ण होकर निकले हैं। आगामी दिनों में सशस्त्र सेनाओं की शीर्ष कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा इन सभी को कमीशन पत्र प्रदान किया जाएगा। जिसके बाद यह थलसेना की विभिन्न रेजिमेंट में तैनात किए जाएंगे। 365 के इस आंकड़े में भारत के 342 कैडेट शामिल हैं। जिनमें 29 महिलाएं हैं। जबकि अकादमी से ही भारत के मित्र देशों के 17 कैडेटों (10 महिलाएं शामिल) ने भी अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। समारोह की अध्यक्षता नौसेनाप्रमुख एडमिरल कृष्णा

स्वामीनाथन ने की। सेना ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है।

ताजा हुई ऑपरेशन पवन की यादें: समारोह को संबोधित करते हुए नौसेनाप्रमुख एडमिरल स्वामीनाथन ने सभी कैडेटों को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर उनके लिए महज अपना सैन्य प्रशिक्षण पूरा करने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि इसके बाद अब उनकी एक बेहद महत्वपूर्ण नेतृत्व करने की यात्रा की शुरुआत हो रही है। यहां एक खास बात यह है कि इस बदलाव का जयघोष अकादमी के ▶▶ शेष पेज 5 पर

पेट्रोलियम आयात की लाइसेंस प्रक्रिया होगी तेज, 7 दिन में मंजूरी का प्रस्ताव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पेट्रोलियम पदार्थों के आयात और परिवहन से जुड़े नियमों में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। मंत्रालय ने गुरुवार को पेट्रोलियम नियम, 2002 में संशोधन का मसौदा जारी करते हुए आईएसओ टैंक कंटेनरों में पेट्रोलियम के आयात और परिवहन के लिए अधिकतम तीन वर्ष तक की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही पूर्ण आवेदन मिलने की स्थिति में सात कार्य दिवस के भीतर अनुमति नहीं मिलने पर उसे स्वीकृत माना जाने वाला 'डीम्ड अप्रूवल' तंत्र लागू करने का भी प्रस्ताव है। मंत्रालय ने प्रस्तावित संशोधनों को पेट्रोलियम (संशोधन) नियम, 2026 के मसौदे के रूप में जारी किया है। इसमें आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां एवं सुझाव मांगे गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक किए जाने की तारीख से 30 दिन की अवधि समाप्त होने के बाद ▶▶ शेष पेज 5 पर

बिना अनुमति आईएसओ टैंक कंटेनर में पेट्रोलियम आयात पर रोक

प्रस्तावित नियमों के तहत किसी भी व्यक्ति को पेट्रोलियम से भरे या पेट्रोलियम भरने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आईएसओ टैंक कंटेनर का आयात बिना अनुमति के करने की इजाजत नहीं होगी। इसके लिए मुख्य नियंत्रक या नियंत्रक से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

ऑनलाइन पोर्टल से करना होगा आवेदन

मंत्रालय ने प्रस्ताव दिया है कि अनुमति के लिए आवेदन पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन के ऑनलाइन लाइसेंसिंग पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन के साथ निर्धारित तकनीकी और सुरक्षा संबंधी दस्तावेज भी जमा करने होंगे। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम पदार्थों के आयात और परिवहन के दौरान सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना है।

कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी होंगे सुखदेव भगत, सचिन पायलट को पंजाब, भूपेश बघेल को असम का जिम्मा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रभारी आखिरकार बदल दिया गया। झारखंड के लोहरदगा से सांसद सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी को खादपानी देने की जिम्मेदारी बतौर नए प्रभारी दी गई है। सचिन पायलट को पंजाब भेज दिया गया है। कांग्रेस ने संगठन को लेकर बड़ा फेरबदल करते हुए तीन प्रभारी, और तीन महासचिवों को नए सिरे से राज्यों का प्रभार सौंपा। असम, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों के संगठनात्मक प्रभार में बदलाव किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से पार्टी के कई पदाधिकारियों को एआईसीसी महासचिव और राज्यों के प्रभारी के रूप में नियुक्त या पुनर्नियुक्त किया है। छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को असम का प्रभारी महासचिव बनाया गया है, जबकि रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिन पायलट को पंजाब का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया है। वहीं सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़, डॉ. सिरीवेल्ला प्रसाद को महाराष्ट्र और पी.वी. मोहन को आंध्र प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। इन नियुक्तियों के साथ पार्टी ने राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियों का नया बंटवारा किया है।

सुखदेव भगत

सुरजेवाला के पास गुजरात के साथ कर्नाटक की भी जिम्मेदारी

कांग्रेस ने रणदीप सिंह सुरजेवाला को एक अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी है। गुजरात के प्रभारी महासचिव के साथ-साथ वह कर्नाटक के प्रभारी महासचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। यानी सुरजेवाला अब दो महत्वपूर्ण राज्यों में पार्टी के संगठनात्मक कामकाज की निगरानी करेंगे। आलाकमान ने स्पष्ट किया है कि कर्नाटक की जिम्मेदारी उनके मौजूदा दायित्व के अतिरिक्त होगी।

बघेल को असम की कमान

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अब असम का प्रभारी महासचिव बनाया गया है। कांग्रेस ने उन्हें राज्य संगठन की जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी है, जब पार्टी ने कई राज्यों के लिए अपने प्रभारियों में बदलाव किया है।

पायलट को पंजाब की जिम्मेदारी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को पंजाब का प्रभारी महासचिव बनाया गया है। पार्टी के इस फैसले के बाद पंजाब में संगठन की जिम्मेदारी अब पायलट के पास होगी। पायलट लंबे समय से कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं और पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के संगठनात्मक कामकाज में सक्रिय भूमिका ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

चोरी हुए दो करोड़ से अधिक के मोबाइल फोन बरामद

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट जिले की एंटी स्नैचिंग सेल ने ऑपरेशन विश्वास के तहत दो करोड़ से अधिक कीमत के मोबाइल फोन बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस साल के पहले आठ महीनों में 1,920 खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इनमें से 702 मोबाइल फोन जुलाई और अगस्त के दौरान बरामद किए गए। इनमें से 534 फोन उनके असली मालिकों को पहले ही सौंपे जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें नागरिकों को लौटाने के माध्यम से जनता का पुलिस पर भरोसा मजबूत करना है। एक जुलाई से 31 अगस्त के बीच 702 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसी के साथ एक जनवरी से अब तक एंटी स्नैचिंग सेल द्वारा बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल संख्या 1,920 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत दो करोड़ रुपये से अधिक है।

नरेला में गोलीबारी : हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए चार टीम गठित

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के नरेला में एक जिम के निकट एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किये जाने और घटनास्थल से 15 कारतूस बरामद होने के 48 घंटे से अधिक समय बाद दो अज्ञात हमलावर अभी भी फरार हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नाहरी गांव के निवासी प्रमोद कुमार (42) को तीन सितंबर को सुबह लगभग 6:50 बजे बाकनेर में एक जिम के निकट दो लोगों ने कथित तौर पर कई गोलियां मारी थीं। पुलिस ने घटनास्थल से 15 कारतूस बरामद किये थे। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच के लिए स्थानीय पुलिस और विशेष बलों के जवानों वाली चार टीम तैनात की गई हैं। घटना के बाद कुमार के परिजनों और स्थानीय निवासियों ने सड़क अवरुद्ध कर दी और जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

नांगलोई इलाके की घटना, तीन नाबालिग पकड़े

15 वर्षीय लड़के की चाकू मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नांगलोई इलाके में शुक्रवार दोपहर एक 15 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुये कुछ ही घंटों में तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को दोपहर लगभग 1:51 बजे नांगलोई पुलिस को सोनिया हॉस्पिटल से सूचना मिली कि चाकू लगने से घायल एक 15 साल के लड़के को लाया गया था। लड़के की दाहिनी जांघ पर गहना जख्म था। इलाज के दौरान ज्यादा खून बह जाने के कारण उसकी मौत हो गई। जांच से पता चला कि मृतक 9वीं कक्षा का छात्र था। अपने दोस्तों और स्कूल की एक छात्रा के साथ स्कूल जा रहा था, तभी तीन लड़कों ने उन्हें रोका और लड़की से मृतक के साथ उसकी दोस्ती के बारे में सवाल किए। थोड़ी बहस के बाद मृतक और उसके दोस्त घर लौटने लगे। लगभग 15-20 मिनट बाद, उन्हीं तीन लड़कों ने उन्हें फिर से रोका और लड़की के साथ मृतक की दोस्ती को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। उनमें से एक ने चाकू से किशोर की जांघ पर वार किया। इसके बाद तीनों लड़के मौके से भाग गए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और घटना में शामिल तीनों नाबालिगों को कुछ ही घंटों के भीतर पकड़ लिया।

शादी से इंकार पर लड़की के भाई को किया अगवा, पुलिस ने किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने शादी से इनकार पर लड़की के 11 साल के भाई को अगवा करने का मामला सुलझा लिया है। बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया है। वहीं आरोपी ने पकड़े जाने से पहले जहरीला पदार्थ खा लिया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार 31 अगस्त को जहांगीर पुरी पुलिस स्टेशन में एक 11 साल के लड़के के लापता होने के संबंध में पीसीआर कॉल मिली। बच्चा स्कूल के लिए घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा था। इसी बीच बच्चे की मां को एक अनजान नंबर से कॉल आया जिसमें कॉलर ने बताया कि बच्चा उसके पास है। उसने अपनी पहचान धर्म पाल के तौर पर बताई, जो पहले से परिवार का परिचित था। शिकायत के बाद अपहरण का मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी धर्म पाल पीड़ित की बहन से शादी करना चाहता था। हालांकि वह उसके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती थी। इस वजह से आरोपी ने लड़की के छोटे भाई का अपहरण कर लिया और फोन पर परिवार को धमकाना शुरू कर दिया। उसने मांग की कि शिकायतकर्ता की बेटी को उसके पास भेजा जाए। अगर ऐसा ना किया तो बच्चे को जान से मार देगा। बच्चे का पता लगाने के लिए तकनीकी और फील्ड जांच शुरू की। शुक्रवार को लोनी, गाजियाबाद से काफी दूर तक पीछा करने के बाद बच्चे को आजादपुर फ्लाईओवर पर सुरक्षित बचा लिया गया। अपहरणकर्ता धर्म पाल (26) निवासी कासगंज, उत्तर प्रदेश को भी पकड़ लिया गया। लेकिन आरोपी ने पकड़े जाने से बचने के लिए जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे तुरंत इलाज के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया।

माता पिता की डांट के बाद किशोरी ने फांसी लगाई

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के कृष्णा नगर थाना इलाके में घर देरी से पहुंचने पर माता पिता का डांटना एक किशोरी को नागवार गुजरा। किशोरी ने चुन्नी के सहारे रोशनदान से लटककर जान दे दी। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार एक लड़की के कथित तौर पर फांसी लगाने की पीसीआर कॉल मिलने पर स्टाफ मौके पर पहुंचा। पता चला कि बिहार के मधुबनी जिले की रहने वाली 13 साल की एक नाबालिग लड़की फर्श पर बेहोश पड़ी थी। पूछताछ में पता चला कि वह देर से घर लौटी थी और घर वालों ने उसे डांटा था। बाद में उसकी बहन ने उसे रोशनदान से चुन्नी के सहारे लटका हुआ पाया। तुरंत नीचे उतार उसे डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे ब्रॉट डेड घोषित कर दिया गया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr.Pc./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मो. अनीश पुत्र मो. इकबाल** निवासीः झुग्गी सीएन 04, तकिया काले खां, मीर दर्द रोड, आईपी एस्टेट, दिल्ली, दूसरा पता : म.नं. सीएम 4, धोबी घाट तकिया काले खां, मीर दर्द रोड, गुरु नानक अस्पताल, नई दिल्ली ने **FIR No. 23152/2023 U/s 411 IPC, थाना : दरिया गंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मो. अनीश** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मो. अनीश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 23152/2023 U/s 411 IPC, थाना : दरिया गंज, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मो. अनीश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 05.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
निधि बाला
जेएमएफसी, एनआई एक्ट–05,
कमरा नं. 241, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/12553/CD/2026
(court notice)

स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने हिंदुत्व 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज को शनिवार को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। भारद्वाज को जुलाई में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शन के दौरान एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता पर हुए कथित हमले के सिलसिले में शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। इससे कुछ घंटे पहले ही कॉजपा ने कथित हमले को लेकर उनकी गिरफ्तारी की मांग करते हुए संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन किया था। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार 'ज के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आपराधिक धमकी से जुड़ी धाराएं जोड़ी थीं। भारद्वाज के खिलाफ यौन अपराधों से बाल संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। भारद्वाज के एक साक्षात्कार की वीडियो क्लिप प्रसारित हुई है, जिसमें दावा किया गया था कि 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने नाबालिग कार्यकर्ता के पिता का सिर फोड़ दिया था। वीडियो में भारद्वाज को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि क्या आपको पता है कि इस अपराध में कौन सी धारा लगती है? धारा 307 । उसे 60 टांके लगे थे। दिल्ली पुलिस ने इससे पहले कहा था कि पीड़ित को लगी चोटें सामान्य प्रकृति की थीं। हालांकि, बाद में एक पॉडकास्ट में भारद्वाज ने दावा किया कि उन्होंने आत्मरक्षा में यह कदम उठाया था।

भाजपा की विचारधारा के शिकार युवा, स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी से सबक लें: सौरभ

हरिभूमि, नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि भाजपा की विचारधारा के शिकार युवा स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी से सबक लें। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर युवाओं से अपील की है कि यह वीडियो स्वतंत्र भारद्वाज और उसके जैसे उन बहुत सारे युवाओं के लिए है, जिन्हें भाजपा द्वारा गांवों, मोहल्लों और कॉलोनियों में पाला जा रहा है। आज उसके वो बड़े भाई कपिल मिश्रा, चिराग पासवान और नरेंद्र मोदी कहां हैं, स्वतंत्र भारद्वाज नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों में भी देखा गया था और उसे बकायदा पास मिलता था। मगर आज जब उसके पीछे पुलिस लगी हुई है, तो उसके ये सारे बड़े भाई गायब हैं। आज 20-22 राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार है, फिर भी भाजपाइयों की इतनी औकात नहीं है कि ये उसके लिए खड़े हो जाएं, कोई वीडियो बना दें या संसद मार्ग थाने में आकर उसके लिए धरना दे दें। सौरभ ने कहा कि इन युवाओं को सोचना चाहिए कि उनकी क्या हैसियत है और जब भाजपा की सरकार नहीं रहेगी, तो उन जैसे लोगों के खिलाफ कानूनी तौर पर क्या-क्या कार्रवाई होगी। वह लोग दिन-रात जो भी बोल रहे हैं, वह सब रिकॉर्ड हो रहा है। अगर वे लोग उसे अपने सोशल मीडिया से हटा भी देंगे, तो भी लोगों ने उसके आर्काइव बनाकर रखे हुए हैं।

आपसी रंजिश में चली गोली, एक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कालिंदी कुंज थाना अंतर्गत मदनपुर खादर में आपसी रंजिश में शुक्रवार को फायरिंग की गई। इस घटना में एक शख्स घायल हुआ है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शख्स का नाम भूपेंद्र उर्फ गुड्डू है, जबकि बाकी आरोपियों को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को मदनपुर खादर की जेजे कॉलोनी में बबलू डेयरी पर आपसी रंजिश के कारण फायरिंग की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस मौके पर ढोलवाला ऑफिस पहुंची। दो राउंड फायरिंग होने की बात पता चली। इस घटना में रोहित नामक शख्स की उंगली में चोट लग गई। शुरुआती जांच के दौरान इलाके के बीसी तरुण उर्फ रंजन (25) और रोहित (23) मौके पर मिले और उनसे पूछताछ की गई। घटना में शामिल लोगों की पहचान भूपेंद्र उर्फ गुड्डू उर्फ ढोलवाला (33), मोनू, दीपक भगत और रवि उर्फ बाबा के तौर पर हुई। पास ही बिरयानी की दुकान चलाने वाले स्वतंत्र गवाह महबूब खान ने आरोपियों की मौजूदगी और झगड़े के बाद फायरिंग की आवाज सुनने की पुष्टि की। जांच से पता चला कि यह घटना गोविंदपुरी के रोहित धोबी और दीपक के बीच आपसी रंजिश के कारण रची गई साजिश का नतीजा थी। इस संबंध में बीएनएस की धारा 61(1) जोड़ी गई। साजिशकर्ता के तौर पर भूपेंद्र उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य की तलाश जारी है।

ट्रांसपोर्टरों ने मंत्री मिश्रा से लगाई गुहार

बीएस-4 डीजल वाहनों पर रोक और पैनिक बटन को लेकर चिंतित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने बीएस-4 डीजल वाहनों पर रोक लगाने और पैनिक बटन लगाने की बाध्यता को लेकर दिल्ली के परिवहन मंत्री कपिल मिश्रा से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। इस बारे में एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने बताया कि बीएस-4 डीजल टैक्सी-बसों पर रोक से लाखों परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। हमने मंत्री मिश्रा से मिलकर गुहार लगाई है। अगर सरकार इस समस्या पर ध्यान नहीं देगी तो मजबूरी में हमें शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन की राह चुननी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री मिश्रा से अपील की है और विस्तृत जानकारी वाला ज्ञापन सौंपा है। दिल्ली में डीजल बसों के पंजीकरण पर प्रतिबंध होने के कारण अनेक दिल्ली के टूरिस्ट ट्रांसपोर्टरों ने पहले ही अपनी बसें गुरुग्राम एवं एनसीआर के अन्य क्षेत्रों में पंजीकृत कराया है। इन वाहनों में बड़ी संख्या ऐसी है जिनका पंजीकरण वर्ष 2020 तक हुआ था। जबकि 2020 में कोरोना महामारी आई जिससे लगभग दो साल पर्यटन और परिवहन व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित रहा। उसके बाद भी कारोबार को सामान्य होने में समय लगा। उस दौरान हमारी बसें खड़ी रहीं, लेकिन बैंक की ईएमआई , बीमा, परमिट और अन्य खर्च अपनी जेब से भरने पड़े। अब जब व्यवसाय धीरे-धीरे पटरी पर आया है, तो बीएस 4 डीजल वाहनों को बंद करने का निर्णय हजारों परिवारों को फिर से आर्थिक संकट में धकेल देगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की चिंता जायज है लेकिन इसका दंड सिर्फ ट्रांसपोर्टर क्यों भुगते।

एमसीडी टोल प्लाजा परिसर में बड़े और गहरे गड्ढे बन रहे जानलेवा

‘एनएच-44 की सड़क रातोंरात दुरुस्त, एमसीडी कब जागेगी?’

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही विभिन्न विभागों के साथ होने वाली उच्चस्तीय बैठकों में सरकार और विभागों के बीच आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हैं लेकिन यह निर्देश सिर्फ कागजी साबित हो रहे हैं। ताजा मामला राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44), दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से सामने आया है। बता दें कि दिल्ली के सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश मार्गों में शामिल सिंघु बॉर्डर पर केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और एमसीडी के बीच समन्वय नहीं दिख रहा है। जिसके चलते यहां बारिश में जलभराव होता है और जलभराव की निकासी नहीं होने से राजमार्ग व सड़कें गहरे गड्ढों में तब्दील होकर खराब हो रही है। बता दें कि यहां एक ही इलाके में एनएच-44 के अधीन आने वाली सड़क पर बने गड्ढों को हाल ही में रातोंरात भरकर सड़क को दुरुस्त कर दिया गया, लेकिन इसके ठीक सामने एमसीडी के अधीन आने वाले मार्ग पर आज भी कई जगह गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए खतरा बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई सामान्य अंदरूनी सड़क नहीं, बल्कि दिल्ली का प्रवेश द्वार और व्यावसायिक वाहनों की भारी आवाजाही वाला मुख्य मार्ग है। सिंघु बॉर्डर स्थित टोल प्लाजा से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन दिल्ली में प्रवेश करते हैं। ऐसे में टोल देकर गुजरने वाले वाहन चालकों को सड़क की इस बदहाली से दो-चार होना पड़ रहा है। सड़क के गड्ढे लगातार बड़े होते गए तो भारी वाहनों के कारण स्थिति और खराब होने की आशंका है। ? सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब एनएच-44 के हिस्से में गड्ढों की मरम्मत तत्काल कराई जा सकती है तो एमसीडी के हिस्से में कार्रवाई के लिए इंतजार क्यों? सड़क के एक हिस्से की मरम्मत रात में हो जाती है, लेकिन ठीक सामने गहरे गड्ढे लंबे समय तक बने रहें तो यह संबंधित एजेंसी की प्राथमिकता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

बारिश होते ही एमसीडी के गड्ढों में भर जाता है पानी

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि 'बारिश होते ही इन गड्ढों में पानी भर जाता है।' पानी भरने के बाद गड्ढों की वास्तविक गहराई दिखाई नहीं देगी और अनजान तेज रफ्तार या भारी वाहन इनके शिकार होते हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ने के साथ ही वाहनों की गति धीमी होगी और सिंघु बॉर्डर से दिल्ली की ओर आने वाले मार्ग पर जाम की स्थिति भी पैदा होती है।

गड्ढों में सड़क की ‘खुरचन’ डालकर हुई खानापूर्ति?

वहीं, बता दें कि एनएचएआई के बदहाल राजमार्ग को दुरूस्त करने से पहले सड़क को समतल बनाने के लिए ‘खुरचन’ हटाई गई और फिर इस पास में एमसीडी की सड़क के गड्ढों में डाल दिया गया। जबकि एमसीडी को एनएचएआई के साथ समन्वय के साथ यहां मरम्मत कार्य करना चाहिए था। इससे तत्काल गड्ढे भरने का आधा अधूरा प्रयास तो नजर आता है। यहां गड्ढों में सड़क की ‘खुरचन’ डालकर सिर्फ खानापूर्ति ही हुई है, स्थायी समाधान नहीं है।

फ्रिक इंडिया लिमिटेड
FRICK
पंजी. कार्यालय : 21.5 किमी., मेन मथुरा रोड, फरीदाबाद-121003
CIN - L74899HR1962PLC002618, **E-mail**- cs@frickmail.com,
Ph. 0129-2275691-94, 2270546-47 : **Fax:** 0129-2275695 **Web:** www.frickweb.com

सूचना

63वीं वार्षिक सामान्य बैठक, सदस्यों के रजिस्टर के क्लोजर की सूचना तथा दूरस्थ ई–वोटिंग जानकारी

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि फ्रिक इंडिया लिमिटेड (''दि कम्पनी'') की 63वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) शुक्रवार, 25 सितम्बर 2026 को पूर्वा. 11.00 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग / अन्य ऑडियो विजुअल साधनों (''वीसी/ओएवीएम'') के माध्यम से कम्पनी अधिनियम, 2013 ('एक्ट') के सभी लागू प्रावधानों और उनके तहत बनाए गए नियमों तथा कम्पनी मामलों का मंत्रालय ('एमसीए') द्वारा जारी सामान्य सरकुलर दिनांक 08 अप्रैल 2020, 13 अप्रैल 2020, 05 मई 2020, 13 जनवरी 2021, 08 दिसम्बर 2021, 14 दिसम्बर 2021, 05 मई 2022, 28 दिसम्बर 2022 और 25 सितम्बर 2023 तथा सरकुलर नं. 09/2024 दिनांक 19 सितम्बर 2024 और 2025 की सं. 03 दिनांक 22 सितम्बर 2025 के साथ पठित सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकता) नियमनों, 2015, सामूहिक रूप से एमसीए सरकुलर्स और सम्बद्ध सेबी सरकुलर्स के रूप में संदर्भित सेबी सरकुलर नं. SEBI/HO/CFD-POD-2/P/CIR/2024/133 दिनांक 03 अक्तूबर 2024, SEBI/HO/CFD/POD-2/P/CIR/2023/167 दिनांक 07 अक्तूबर 2023, SEBI/HO/CFD/POD-2/P/CIR/2023/4 दिनांक 05 जनवरी 2023 के अनुपालन में 63वीं वार्षिक सामान्य बैठक बुलाने की सूचना में विनिर्दिष्ट बिजनेस का सम्पादन करने के लिये आयोजित की जाएगी।

63वीं वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना और 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु वित्तीय विवरणों समेत कम्पनी की 63वीं वार्षिक रिपोर्ट की इलैक्ट्रोनिक प्रतियां **https://frickweb.com/wp-content/uploads/2025/09/1 compressed.pdf.** पर उपलब्ध है, उन सभी सदस्यों को जिनके ई-मेल आईडीज कम्पनी / डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के पास पंजीकृत हैं, को भेज दी गई हैं। ये कम्पनी की वेबसाइट **www.frickweb.com** तथा एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के रूप में जानी जाती), रजिस्ट्रार तथा ट्रांसफर एजेंट की वेबसाइट **Annual_Report_2025.pdf** पर भी उपलब्ध हैं। 04 अगस्त 2026 को फाइनैशियल एक्सप्रैस में और हरिभूमि समाचार-पत्रों में कम्पनी द्वारा प्रकाशित समाचार-पत्र सूचना दिनांक 04 अगस्त 2026 में वर्णित अनुसार, चूंकि वार्षिक सामान्य बैठक वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित की जा रही है, इसके अतिरिक्त कम्पनी भारतीय प्रतिभूतियां एवं विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग ऑब्लीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों 2015 के नियमन 36(1)(बी) का भी अनुपालन कर चुकी है। यद्यपि, वार्षिक रिपोर्ट, वित्तीय विवरण (बोर्ड रिपोर्ट, ऑडिटर रिपोर्ट अथवा यहां इसके साथ संलग्न किए जाने वाले अन्य अपेक्षित दस्तावेजों समेत) और वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना की हार्ड प्रतियां उन सदस्यों को उपलब्ध करवाई जाएगी, जो इसके लिए आग्रह करेंगे।

कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियमों 2014, समय-समय पर संशोधित अनुसार के नियम 20 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 ('दि एक्ट') की धारा 108, इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सैक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा जारी सामान्य बैठकों पर सचिवालयी मानक (एसएस-2) और सेबी (लिस्टिंग ऑबलीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों 2015 के नियमन 44 के अनुपालन में, कम्पनी इसके सदस्यों को एजीएम में सम्पादित किए जाने वाले बिजनेस के सम्बन्ध में एजीएम से पूर्व / के दौरान दूरस्थ ई-वोटिंग/ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान कर रही है और इस प्रयोजन हेतु, कम्पनी इलैक्ट्रोनिक साधनों के माध्यम से मतदान को आसान बनाने के लिए एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के रूप में जानी जाती), रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट को नियुक्त कर चुकी है।

सदस्य जो या तो भौतिक रूप में अथवा डिमैटीरियलाइज्ड रूप में कट ऑफ तिथि अर्थात **18 सितम्बर 2026** के अनुसार शेयरधारण करते हैं, दूरस्थ ई-वोटिंग द्वारा अथवा ई-वोटिंग द्वारा एजीएम में मतदान करने के हकदार होंगे। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि :

ए. दूरस्थ ई-वोटिंग प्रारम्भ होने की तिथि व समय : **मंगलवार 22 सितम्बर 2026 को पूर्वा. 10.00 बजे से।**

बी. इलैक्ट्रोनिक मोड द्वारा दूरस्थ ई-वोटिंग की अनुमति **बृहस्पतिवार 24 सितम्बर 2026 को अप. 5.00 बजे** के पश्चात नहीं दी जाएगी।

सी. दूरस्थ ई-वोटिंग अथवा 63वीं एजीएम में ई-वोटिंग के माध्यम से इलैक्ट्रोनिक साधनों द्वारा मतदान करने की पात्रता निर्धारित करने के लिये कट ऑफ तिथि **शुक्रवार 25 सितम्बर 2026** है।

डी. सदस्य जो बुधवार, 02 सितम्बर 2026 के पश्चात (जोकि शेयरधारकों को 63वीं एजीएम सूचना के इलैक्ट्रोनिक प्रेषण की तिथि है) और उपरोक्त कट-ऑफ तिथि तक कम्पनी के शेयर अर्जन कर चुके हैं, दूरस्थ ई-वोटिंग हेतु **cs@frickmail.com** (कम्पनी सचिव) अथवा **enotices@in.mpms.mufg.com** जोकि शेयर ट्रांसफर एजेंट के पते पर और निम्न वर्णित अनुसार सम्पर्क विवरण पर आग्रह भेजकर अपने लॉगइन विवरण प्राप्त कर सकते हैं।

ई. सदस्य जो दूरस्थ ई-वोटिंग के माध्यम से अपना मतदान नहीं कर चुके हैं, कम्पनी की 63वीं वार्षिक सामान्य बैठक में ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग कर सकते हैं।

कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियमों 2014 के नियम 10 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 2013 (''दि एक्ट'') की धारा 91 और सेबी (लिस्टिंग ऑबलीगेशंस एवं घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों 2015 के नियमन 42 के अनुसरण में एतद द्वारा यह भी सूचना दी जाती है। लाभांश, यदि अनुमोदित होता है, उन सदस्यों को भुगतानयोग्य होगा जिनके नाम रिकॉर्ड तिथि अर्थात 18 सितम्बर 2026 के अनुसार सदस्यों के कम्पनी के रजिस्टर में पंजीकृत होंगे।

यदि आपके पास ई-वोटिंग से सम्बन्धित कोई पूछताछ अथवा मामले हैं तो आप बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्न (''एफएक्यूस'') और हैल्प सैक्शन के तहत **https://instavote.linkintime.co.in** पर उपलब्ध ई-वोटिंग मैनुअल देख सकते हैं अथवा **enotices@in.mpms.mufg.com** पर एक ई-मेल भेजें अथवा टेली. 022-49186000 पर सम्पर्क करें।

सदस्य कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट से : एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (पूर्व में लिंक इनटाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के रूप में जानी जाती), नोबल हाइट्स, प्रथम तल, प्लॉट एनएच-2, सी-1 ब्लॉक एलएससी निकट सावित्री मार्केट, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058, टेली. +91 11 49411000, +91-11-41410592 / 93 / 94, टेली फैक्स : 011-41410591, ई-मेल : **delhi@in.mpms.mufg.com** से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

कृते व निदेशक मंडल की ओर से
फ्रिक इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
अमित सिंह तोमर
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
सदस्यता सं. ए46813

स्थान : फरीदाबाद
दिनांक : 04 सितम्बर, 2026

एसबीईसी शुगर लिमिटेड
सीआईएनः L15421UP1991PLC019160
पंजीकृत ऑफः गांवः लोयन मलकपुर, तहः बड़ौत, बागपत, उत्तर प्रदेश–250611
फोनः 011–42504878 **ईमेल आईडीः** investors@sbecsugar.com
वेबसाइटः www.sbecsugar.com

32वीं वार्षिक आम बैठक, रिमोट ई–वोटिंग और बुक क्लोजर की सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि एसबीईसी शुगर लिमिटेड ('कंपनी') के सदस्यों की 32वीं वार्षिक आम बैठक ('एजीएम') **मंगलवार, 29 सितंबर, 2026 को दोपहर 03:30 बजे (आईएसटी)** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ('वीसी') सुविधा/अन्य ऑडियो विजुअल साधनों ('ओएवीएम') के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं), विनियम, 2015 के लागू प्रावधानों के अनुपालन में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा जारी लागू परिपत्रों (सामूहिक रूप से ''प्रासंगिक परिपत्र'' के रूप में संदर्भित) के साथ एजीएम को बुलाने की सूचना में निर्धारित अनुसार व्यवसाय करने के लिए आयोजित की जाएगी।

संबंधित परिपत्रों के अनुपालन में, एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक रिपोर्ट 05 सितंबर, 2026 को इलेक्ट्रॉनिक मोड द्वारा कंपनी के उन सदस्यों को भेज दी गई है, जिनके ईमेल पते 28 अगस्त, 2026 तक कंपनी/कंपनी के आरटीए/डिपॉजिटरी प्रतिभागी(ओं) के पास पंजीकृत हैं। सूचना और वार्षिक रिपोर्ट और अन्य प्रासंगिक विवरण कंपनी की वेबसाइट **www.sbecsugar.com** और स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट **www.bseindia.com** और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (''सीडीएसएल'') की वेबसाइट **www.evotingindia.com** पर भी उपलब्ध हैं।

एजीएम के दौरान रिमोट ई–वोटिंग और ई–वोटिंग के लिए निर्देशः

कंपनी अपने सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (''ई–वोटिंग'') द्वारा एजीएम में पारित किए जाने वाले प्रस्तावों पर अपना वोट देने की सुविधा प्रदान कर रही है। सदस्य नीचे उल्लिखित तिथियों पर सीडीएसएल की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली का उपयोग करके दूरस्थ रूप से अपना वोट डाल सकते हैं (''रिमोट ई–वोटिंग'')। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के माध्यम से मतदान करने की सुविधा भी एजीएम में उपलब्ध कराई जाएगी और एजीएम में भाग लेने वाले सदस्य जिन्होंने रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, वे एजीएम के दौरान मतदान कर सकेंगे।

ई–वोटिंग से संबंधित उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के विवरण सहित सूचना और निर्देश नोटिस में दिए गए हैं। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने के लिए समान लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग किया जाना चाहिए।

डीमैटरियलाइज्ड मोड, फिजिकल मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों और जिन सदस्यों ने अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं किया है, उनके लिए एजीएन के दौरान रिमोट ई–वोटिंग और मतदान का तरीका नोटिस में प्रदान किया गया है जो कंपनी की वेबसाइट **www.sbecsugar.com** और स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट **www.bseindia.com** और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (''सीडीएसएल'') की वेबसाइट **www.evotingindia.com** पर भी उपलब्ध है।

दूरस्थ ई–वोटिंग का विवरण इस प्रकार हैः

रिमोट ई–वोटिंग के लिए कट–ऑफ तिथि	मंगलवार, 22 सितंबर, 2026
रिमोट ई–वोटिंग	**प्रारंभः** शनिवार, 26 सितंबर, 2026 प्रातः 9:00 बजे **समाप्तः** सोमवार, 28 सितंबर, 2026 सायं 5:00 बजे

उक्त तिथि और समय के बाद रिमोट ई–वोटिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी और उक्त अवधि की समाप्ति पर सीडीएसएल द्वारा रिमोट ई–वोटिंग मॉड्यूल को तत्काल निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

केवल वही व्यक्ति जिसका नाम कट–ऑफ तिथि यानी मंगलवार, 22 सितंबर, 2026 को सदस्य के रजिस्टर या डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए लाभार्थी मालिकों के रजिस्टर में दर्ज है, वह रिमोट ई–वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने या एजीएम में भाग लेने और एजीएम के दौरान मतदान करने का हकदार होगा।

ई–मेल पते पंजीकृत/अपडेट करने का तरीकाः

सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास डीमैटरियलाइज्ड फॉर्म में रखे गए शेयरों के संबंध में तथा भौतिक रूप में रखे गए शेयरों के संबंध में फॉर्म ISR-1, फॉर्म ISR-2 तथा फॉर्म संख्या SH-13 (कंपनी की वेबसाइट **www.sbecsugar.com** पर या आरटीए के **www.beetalfinancial.com** पर उपलब्ध) को विधिवत भरकर तथा हस्ताक्षरित करके आवश्यक सहायक दस्तावेजों के साथ मेसर्स बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बीटल हाउस, तीसरी मंजिल, 99, मदनगीर, लोकल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पीछे, दादा हरसुखदास मंदिर के पास, नई दिल्ली – 110062 पर जमा करके अपना ई–मेल पता पंजीकृत/अपडेट करें या **beetalrta@gmail.com** पर ई–मेल करें।

कोई भी व्यक्ति जो नोटिस भेजे जाने के बाद कंपनी का सदस्य बन जाता है और कट–ऑफ तिथि तक शेयर रखता है, वह नोटिस में दिए गए तरीके से यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है, जो कंपनी की वेबसाइट, स्टॉक एक्सचेंज और सीडीएसएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसे सदस्य नोटिस में निर्दिष्ट तरीके से ई–वोटिंग निर्देशों का उपयोग करके अपना वोट डाल सकते हैं।

कंपनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर ट्रांसफर बुक शनिवार, 19 सितंबर, 2026 से मंगलवार, 29 सितंबर, 2026 (दोनों दिन सम्मिलित) तक बंद रहेंगे।

जिन सदस्यों ने रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला है, वे भी एजीएम में भाग ले सकते हैं, लेकिन वे एजीएम में फिर से अपना वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।

यदि आपके पास ई–वोटिंग के बारे में कोई प्रश्न या समस्या है, तो आप अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (''एफएक्यू'') और ई–वोटिंग मैनुअल को **www.evotingindia.com** पर सहायता अनुभाग के अंतर्गत देख सकते हैं या **helpdesk.evoting@cdslindia.com** पर ईमेल लिख सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान की सुविधा से जुड़ी सभी शिकायतें श्री राकेश दलवी, सीनियर मैनेजर, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल), ए विंग, 25वीं मंजिल, मैराथन फ्यूचरएक्स, मफतलाल मिल कंपाउंड्स, एन एम जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई – 400013 को संबोधित की जा सकती हैं या **helpdesk-evoting@cdslindia.com** पर ईमेल भेज सकते हैं या टोल फ्री नंबर 1800 21 09911 पर संपर्क कर सकते हैं।

बोर्ड के आदेश से
एसबीईसी शुगर लिमिटेड के लिए
हस्ता/–
अनिल कुमार गोयल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 05.09.2026

मुख्यमंत्री ने 118 शिक्षकों को किया सम्मानित

शिक्षकों के सहयोग से पूरा होगा 'विकसित दिल्ली' का संकल्प: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शिक्षकों के सहयोग और दिल्ली सरकार के निरंतर प्रयासों से 'विकसित भारत' के साथ 'विकसित दिल्ली' के संकल्प को भी नई दिशा मिलेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर 'शिक्षक महाकुंभ- स्टेट टीचर्स अवॉर्ड 2026' कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में देश की युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है और इस युवा शक्ति को सक्षम, कुशल एवं जिम्मेदार बनाने की शुरुआत विद्यालयों और शिक्षकों से ही होती है। इस कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 118 शिक्षकों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका पहला कदम यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने शिक्षकों, संस्थाओं और नागरिकों से आह्वान किया कि यदि कोई बच्चा विद्यालय से बाहर दिखाई दे तो उसे शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। महान शिक्षाविद् व भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में त्यागराज स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान दिया गया। वहीं, शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में हजारों शिक्षकों के अथक परिश्रम और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य केवल बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाना नहीं, बल्कि उन्हें विद्यालय से बेहतर सीख, समझ और क्षमताओं के साथ तैयार करना है। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में एनईपी 2020 को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

'शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में किया सम्मानित'

कार्यक्रम में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक अभय वर्मा, नीरज बसोया, चंदन कुमार चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग की निदेशक अंकिता आनंद, कई वरिष्ठ अधिकारी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, विद्यार्थी व अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में 118 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें 20 एचओएस, डीओई व एमसीडी विद्यालयों के 69 शिक्षक तथा 3 सीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल थे। इसके अतिरिक्त पुस्तकालयाध्यक्ष, स्पेशल एजुकेटर, खेल शिक्षकों सहित शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में अतिथियों का किया स्वागत

इस कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिसके बाद संगीत शिक्षकों के समूह ने स्वागत गान प्रस्तुत किया और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान केवल शिक्षकों की उपलब्धियों का सम्मान नहीं, बल्कि उस समर्पण, धैर्य और विश्वास का सम्मान है, जिसके माध्यम से शिक्षक हर दिन हमारे बच्चों के भविष्य को आकार देते हैं।

शिक्षा बजट और तकनीकी ढांचे को दिया जा रहा विस्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की मजबूत नींव हैं। वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें संस्कार, कौशल, आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और जीवन की सही दिशा का भी संचार करते हैं। शिक्षक का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह पूरी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि दिल्ली के हर बच्चे को ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, जो उसे ज्ञान के साथ कौशल, संस्कार और आत्मविश्वास भी प्रदान करे। इसी प्रतिबद्धता के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 में शिक्षा के लिए 19,148 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। साथ ही तकनीक, स्मार्ट शिक्षण संसाधनों के माध्यम से दिल्ली के विद्यालयों को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

शिक्षक सम्मानित, 87 को मिला सम्मान

- नई दिशा, नई उड़ान कार्यक्रम की उद्घोषणा, खुलेंगे 24 निगम श्री विद्यालय, होगा मिनी लीग आरम्भ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शिक्षक दिवस के अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार एवं अध्यक्ष भाजपा दिल्ली प्रदेश हर्ष मल्होत्रा ने महापौर प्रवेश वाही संग शिक्षक दिवस के अवसर पर निगम शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने वालों में कुल 87 शिक्षाविद है, जिनमें 4 प्रधानाचार्य एवं 83 अध्यापक शामिल हैं। इस अवसर पर नई दिशा, नई उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत निगम श्री विद्यालयों व निगम मिनी लीग और प्रतिभागिता कार्यक्रम की भी उद्घोषणा की गई।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की उन्नयन वार्षिक पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में मल्होत्रा व वाही के अलावा उप महापौर डॉ मोनिका पंत, नेता सदन जय भगवान यादव, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, उपाध्यक्ष अमित खरखड़ी, कई पार्षद, निगमायुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्त संजीव कुमार मित्तल, निदेशक शिक्षा निखिल तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। सभी ने पूर्व राष्ट्रपति एवं शिक्षाविद् डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया उनके जन्मदिवस के उपलक्ष में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री मल्होत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक, समाज एवं राष्ट्र को दिशा देने एवं देश के भविष्य के निर्माण करता है। आज का दिन हमारी संस्कृति की पहचान गुरु शिष्य परंपरा का सम्मान करने का दिन है। उन्होंने अपने छात्र जीवन के संस्मरण साझा करते हुए शिक्षकों को छात्रों के भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित किया। मल्होत्रा ने कहा कि शिक्षक के कंधों पर देश के भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी होती है।

एनडीएमसी के सुविधा शिविर में प्राप्त हुईं 56 जन-शिकायतें

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा शनिवार जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में अपने मासिक 'सुविधा शिविर' का आयोजन किया। इस सुविधा शिविर के दौरान कुल 56 जन-शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन्हें संबंधित विभागों द्वारा तत्काल संज्ञान में लेकर उनके समाधान की प्रक्रिया प्रारम्भ की। प्राप्त शिकायतों में अधिकांश मामले कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर एवं संपदा विभागों से संबंधित थे। शिकायतों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में नागरिकों ने एनडीएमसी द्वारा संचालित विभिन्न नागरिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की। सुविधा शिविर की प्रमुख विशेषता नागरिकों एवं विभागीय अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद रही, जिससे नागरिकों की समस्याओं को तुरंत समझने और उनके समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाने में सहायता मिली। जिन मामलों में नीतिगत स्तर पर विचार की आवश्यकता थी, उनका भी परीक्षण किया गया तथा संबंधित नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया एवं शिकायतों के समाधान की संभावित समय-सीमा से अवगत कराया गया।

एनडीएमसी ने 13 उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को 13 उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रतिष्ठित 'एनडीएमसी शिक्षक पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया। यह पुरस्कार एनडीएमसी के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने अपने हाथों से शिक्षकों को प्रदान किए। एनडीएमसी स्कूलों में छात्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित शिक्षकों में अटल आदर्श विद्यालयों के 08 और नवयुग स्कूलों के 5 पुरस्कार विजेता शिक्षक शामिल हैं। नवयुग स्कूल, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली में आयोजित एनडीएमसी शिक्षक पुरस्कार 2026 समारोह शिक्षकों को सम्मानित करने के बाद मनोज कुमार द्विवेदी ने सभी 13 पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई दी और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के शैक्षिक तंत्र में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करना केवल शिक्षा में उनके समर्पण और योगदान की पहचान नहीं है, बल्कि यह उन छात्रों के आत्मविश्वास और मनोबल को भी बढ़ाता है जिनका वे शैक्षणिक पोषण करते हैं। माता-पिता के बाद हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण स्थान शिक्षकों का ही होता है। उनकी छवि और उनकी शिक्षाएं हमारे जीवन पर अमिट प्रभाव छोड़ती हैं और हमेशा हमारी स्मृतियों में बनी रहती हैं।

द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा केवल अंकों, परीक्षाओं या पदकों तक सीमित नहीं है, बल्कि अच्छे संस्कारों, करुणामय व्यवहार, दूसरों के प्रति सहानुभूति, सामाजिक कौशल, अनुशासन, दक्षता और कार्य व जीवन के प्रति सही दृष्टिकोण विकसित करने में भी निहित है। ये गुण एक व्यक्ति को एक सम्पूर्ण मानव बनने और एक सार्थक व पूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं।

इसलिए औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ अनौपचारिक और मूल्य-आधारित शिक्षा पर भी समान जोर दिया जाना चाहिए। एनडीएमसी अध्यक्ष ने कहा कि इस शिक्षक दिवस पर, मैं प्रत्येक शिक्षक से एक सरल संकल्प लेने का आग्रह करता हूं कि प्रतिदिन कम से कम एक नई चीज सीखें और उसे एक डायरी में दर्ज करें।

'आज स्कूलों में हम जो बच्चे तैयार कर रहे हैं, वही कल के भारत का निर्माण करेंगे'

शिक्षक हमारे जीवन और राष्ट्र निर्माण के मार्गदर्शक : एबीवीपी

नई दिल्ली। शिक्षक हमारे जीवन और राष्ट्र निर्माण के मार्गदर्शक हैं। शिक्षक दिवस पर एबीवीपी के संभावित प्रत्याशियों ने शिक्षकों का आशीर्वाद लिया और वहीं दूसरी ओर छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को जाना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने शनिवार को शिक्षक दिवस पर यह जानकादी दी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी की आवाज़ आगामी घोषणा-पत्र में स्थान पाए और छात्रहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाए। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय सहित विभिन्न महाविद्यालयों एवं परिसरों में शिक्षकों को गुलाब भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। एबीवीपी ने शिक्षकों की समाज-राष्ट्र निर्माण में भूमिका को लेकर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। छात्रों ने बुनियादी ढांचे में सुधार, सबके लिए सुविधाजनक परिसर, पारदर्शी व्यवस्था पर अपने सुझाव दिए हैं। एबीवीपी के संभावित प्रत्याशियों ने विभिन्न पीजी हॉस्टलों में छात्रों से घोषणा पत्र पर संवाद भी किया। इस दौरान छात्रों की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को जाना तथा इस छात्रसंघ चुनाव के घोषणा-पत्र के लिए उनके विचारों को संकलित किया गया।

सांसद ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने शनिवार को भाजपा दिल्ली प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर आए थें।

जनसुनवाई में दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने क्षेत्रीय मुद्दों को सांसद के समक्ष रखा। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने सड़क, स्वच्छता, जलापूर्ति, सीवर, विद्युत व्यवस्था, यातायात, अतिक्रमण, व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े विषयों सहित विभिन्न प्रशासनिक एवं जनहित के मामलों को उठाया। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से समन्वय स्थापित कर समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की राजनीति का मूल आधार जनसेवा और जनसंपर्क है। जनसुनवाई जैसे कार्यक्रम जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद का सशक्त माध्यम हैं, जिनके माध्यम से लोगों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि जनता द्वारा दिए गए सुझाव और शिकायतें शासन एवं प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी और जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भर्ती नियमों में बदलाव से दिल्ली सरकार के कर्मियों में बढ़ा रोष

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सेवा विभाग द्वारा भर्ती नियमों में बदलाव से सहायक अनुभाग अधिकारी (एएसओ) से लेकर अनुभाग अधिकारी (एसओ) के पद पर पदोन्नति के लिए निर्धारित पात्रता सेवा को 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष किए जाने से डीएसएस/एएसओ संवर्ग के सैकड़ों संबंधित कर्मियों की पदोन्नति एवं कैरियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस निर्णय को लेकर संबंधित कर्मियों में व्यापक असंतोष है। दिल्ली सरकार कर्मचारी कल्याण संघ के उपाध्यक्ष जोगिंद्र सिंह डबास ने कहा कि भर्ती नियमों में किए गए इस बदलाव का प्रतिकूल प्रभाव उन कर्मियों पर पड़ा है, जो संशोधित भर्ती नियम लागू होने के समय संबंधित फीडर ग्रेड में नियमित रूप से कार्यरत थे। उन्होंने दिल्ली सरकार से निवेदन किया है कि इस संबंध में विशेष ध्यान दिया जाए और उनके हितों की रक्षा की जाए। संघ के उपाध्यक्ष डबास ने कहा कि जब डीओपीटी के निर्देश ऐसे कर्मियों के सेवा हितों की रक्षा का स्पष्ट प्रावधान करते हैं, तो यह गंभीर प्रश्न है कि डीएसएस/एएसओ संवर्ग के मामले में इस संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए भर्ती नियमों में आवश्यक टिप्पणी क्यों नहीं जोड़ी गई? संघ के उपाध्यक्ष डबास ने कहा कि 2027 और 2028 में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों पर विशेष प्रभाव पड़ेगा क्योंकि डीएसएस/एएसओ संवर्ग के बड़ी संख्या में अधिकारियों के वर्ष 2027 एवं 2028 के दौरान सेवानिवृत्त होने की संभावना है।

'कूड़े का ढेर बना 'धुआंघर', रात होते ही खुले प्लॉट में सुलगता है कचरा'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास खुला प्लॉट बन रहा डंपिंग साइट

दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा क्षेत्र के अलीपुर इलाके में कूड़े के अवैध ढेर ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। नेहरू एन्क्लेव में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास स्थित एक खुले प्लॉट में लगातार कूड़ा डाला जा रहा है। आरोप है कि रात के समय मौका मिलते ही कुछ असामाजिक तत्व इस कूड़े में आग लगा देते हैं। कूड़ा जलने के बाद उठने वाला जहरीला धुआं आसपास के रिहायशी क्षेत्र में फैल जाता है, जिससे स्थानीय निवासियों को सांस लेने में परेशानी के साथ आंखों में जलन और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले प्लॉट में कूड़ा डाले जाने और उसमें आग लगाए जाने की समस्या कोई नई नहीं है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि क्षेत्र के दिल्ली नगर निगम के सफाई निरीक्षक को भी इस समस्या की जानकारी होने की बात सामने आ रही है, लेकिन इसके बाद भी कूड़ा डालने वालों और उसे आग के हवाले करने वालों पर रोक नहीं लग पा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार दिन के समय खुले प्लॉट में आसपास से कूड़ा लाकर डाल दिया जाता है। देखते ही देखते यहां कूड़े का ढेर बढ़ता जाता है। रात में जब आसपास की गतिविधियां कम हो जाती हैं तो कूड़े में आग लगा दी जाती है। इसके बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार फैल जाता है। हवा का रुख जिस दिशा में होता है, उस तरफ स्थित घरों तक धुआं पहुंचने से लोगों को खिड़की-दरवाजे बंद करने पड़ते हैं। लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर कूड़ा जलाया जा रहा है, वह रिहायशी इलाके के नजदीक है। ऐसे में लगातार कूड़ा जलने से पर्यावरण के साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने सद्भावना पार्क का किया औचक निरीक्षण

जलभराव से निपटने के लिए लगाए जाए पंप : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश के बीच जलभराव की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सद्भावना पार्क और आसपास के इलाकों का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर पहुंचकर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से बारिश के दौरान जलनिकासी में आ रही दिक्कतों की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मौके पर तैनात कर्मचारियों से जलनिकासी की व्यवस्था, पंपों की उपलब्धता और बारिश के कारण सामने आ रही चुनौतियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पानी जमा हो रहा है, वहां तत्काल पंप और अन्य जरूरी संसाधन लगाए जाएं, ताकि जलभराव को जल्द से जल्द दूर किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के कारण दिल्लीवासियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी तत्परता से काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जाए और किसी भी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बता दें कि बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भरने से वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और स्थानीय निवासियों को सबसे अधिक परेशानी होती है। जलभराव के कारण यातायात की रफ्तार धीमी होने के साथ ही कई जगह जाम की स्थिति बन जाती है। वहीं, सड़क किनारे जमा पानी से पैदल चलने वालों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मुख्यमंत्री का मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, जनहित में जरूरी है कि औचक निरीक्षण के बाद संबंधित विभाग जलभराव वाले स्थानों पर स्थायी जलनिकासी व्यवस्था की भी समीक्षा करें, ताकि हर बारिश में एक ही जगह पानी जमा होने की समस्या दोबारा सामने न आए।

'बारिश के दौरान सतर्क रहने पर दिया जोर'

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलनिकासी की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पंप, कर्मचारी और आवश्यक उपकरण उपलब्ध रहें। उन्होंने विभागों से बारिश के दौरान सतर्क रहने और स्थानीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव लंबे समय से बड़ी नागरिक समस्या रहा है। ऐसे में लोगों की उम्मीद है कि निरीक्षण और तत्काल राहत के साथ-साथ जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर वहां स्थायी समाधान की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएंगे।

जलजमाव के कारण लगा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लगातार तीसरे दिन शनिवार को राजधानी में हुई झमाझम बारिश व पेड़ गिरने के चलते कई क्षेत्रों में जलभराव की वजह से लगे लंबे जाम ने दिल्ली वालों को परेशान किया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली (आईएमडी) ने बारिश को लेकर पहले येला अलर्ट जारी किया, लेकिन बाद में भारी बारिश के अनुमान के तहत ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया। पलाम एयरपोर्ट टनल, संगम विहार, बुराड़ी, आजादपुर, करनाल बाईपास, पीरागढ़ी चौक बदरपुर, एमजी रोड सहित कई जगह जाम से लोग परेशान रहे। सुबह के समय हुई झमाझम बारिश के बाद लगभग देर शाम तक रह रहकर या लगातार हल्की बूंदाबादी होती रही। इस दौरान कई जगह मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज हुई। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सबसे अधिक पालम में 35.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि सफदरजंग वैधशाला ने इसी दौरान 29.8 मिमी बारिश दर्ज की। इसके अलावा लोधी रोड में 30.8 मिमी, रिज एरिया में 24 मिमी, आया नगर में 18.4 मिमी, राजघाट में 15.6 मिमी, पूसा में 16 मिमी, मयूर विहार में 9.5 मिमी बारिश देखने को मिली।

खबर संक्षेप

ठगी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। महिला का फोन हैक कर उसके खाता से 1,13,000 रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने ईश्वर दास, दिनेश निवासी नागौर राजस्थान व दिनेश निवासी जौधपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। जिनको टीम ने नागौर व जोधपुर राजस्थान से 3 सितंबर को काबू किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड लिया।

देसी कट्टा व 1 रौंद के साथ आरोपी को दबोचा

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियारों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। 04 सितंबर को क्राइम ब्रांच बॉर्डर की टीम ने एक व्यक्ति को अवैध देसी कट्टा व 1 रौंद के साथ गिरफ्तार किया है। पहचान आदित्य निवासी तिलपत पल्ला फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि पल्ला फरीदाबाद के रहने वाले आदित्य के पास अवैध हथियार है।

ठगी के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। सेक्टर-56 वासी एक युवती से 99,948 रुपए की ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी की टीम ने अजय व अमरजीत निवासी अलवर राजस्थान को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिनको साइबर थाना की टीम में 4 सितंबर को फिरोजपुर झिरका व अलवर से काबू किया है। पुलिस के अनुसार अपनी शिकायत में बताया कि उसका फोन घर पर रहता है।

दीक्षांत समारोह में 133 विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पदक प्रदान किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

निटरा के 21वें दीक्षांत समारोह का आयोजन

नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (नितरा) का 21वाँ दीक्षांत समारोह शनिवार, को निट्रा, गाजियाबाद में आयोजित किया गया। समारोह में प्रतिष्ठित उद्योगपति संदीप होरा एरोनव इंडस्ट्रियल सेफ्टी अप्लाइंसेज, नितिन नोलखा नितिन स्पिनर्स लिमिटेड, राजीव अग्रवाल जियोसिस इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं विदित जैन पशुपति स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स लिमिटेड के साथ निटरा के महानिदेशक डॉ. एम. एस. परमार तथा अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह के दौरान लगभग 133 विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पदक प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह के अतिरिक्त, "वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी योगेश तिवारी, नितेश ,सत्यनारायण और संजय कुमार तथा "वर्ष के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक" गीता, रमेश चंद यादव और प्रिया त्यागी को पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने संबोधन में निटरा के महानिदेशक डॉ. एम. एस. परमार ने बताया कि निटरा नियमित एवं दूरस्थ शिक्षा माध्यमों के जरिए उद्योगोन्मुखी अनेक कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इन कार्यक्रमों में परिधान निर्माण, डिजाइनिंग, मर्चेंडाइजिंग एवं गुणवत्ता आश्वासन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। अब तक निटरा द्वारा पूर्णकालिक कार्यक्रमों के 90 बैच तथा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के 71 बैच सफलतापूर्वक संचालित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 4,000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर विभिन्न प्रतिष्ठित परिधान एवं वस्त्र निर्यात कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। निटरा के चेयरमैन ने कहा कि वस्त्र उद्योग में स्वरोजगार के अवसर व्यापक एवं विविध हैं, जो वस्त्र क्षेत्र के पेशेवरों के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के नए द्वार खोलते हैं।

2047 के लक्ष्य को साकार करने में वस्त्र उद्योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में 'विकसित भारत विजन 2047' के लक्ष्य को साकार करने में वस्त्र उद्योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। निटरा के डिप्टी चेयरमैन ने इस तथ्य की सराहना की कि देश की अनेक प्रमुख वस्त्र एवं परिधान निर्यात कंपनियां, परीक्षण प्रयोगशालाएं तथा बाइंग एजेंसियां निटरा के पूर्व विद्यार्थियों के प्रदर्शन से अत्यंत संतुष्ट हैं। उन्होंने बताया कि ये संस्थान प्रत्येक वर्ष निटरा से उत्तीर्ण कुशल एवं प्रशिक्षित विद्यार्थियों की नियमित रूप से भर्ती करते हैं। समारोह का समापन के उपनिदेशक द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

सेवा संकल्प अभियान के तहत फरीदाबाद में होंगे जनभागीदारी से जुड़े विविध कार्यक्रम: डीसी आयुष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान प्रदेशभर के साथ-साथ जिला फरीदाबाद में भी जनभागीदारी पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के उद्देश्यों को आमजन तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के तहत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त आयुष सिन्हा ने जिला स्तरीय बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित विस्तृत एक्शन प्लान तैयार करें और निर्धारित गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सुनिश्चित करें। अभियान के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक गतिविधि में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान, मार्गदर्शन और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त करना

डीपीजी कॉलेज में 'गुरुउत्सव' के साथ मनाया शिक्षक दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

शिक्षक दिवस के अवसर पर डीपीजी डिग्री कॉलेज में 'गुरुउत्सव' का आयोजन उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान, मार्गदर्शन और समर्पण के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना था। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, गीत-संगीत और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।

पूरे परिसर में उत्सव और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कॉलेज के चेयरमैन राजेंद्र गहलोत ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने का कार्य नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास और उन्हें जीवन की सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक की सबसे बड़ी उपलब्धि उसके विद्यार्थियों की सफलता और समाज में उनकी पहचान होती है। वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास की सतत प्रक्रिया है। विद्यार्थियों की सफलता के पीछे शिक्षकों की मेहनत, समर्पण और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान वहीं, प्राचार्य डॉ. एस.एस. बोकन ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता विश्वास, प्रेरणा और अनुशासन पर आधारित होता है। डीपीजी कॉलेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विशेष प्रस्तुतियां दीं और अपने अनुभव साझा किए।

समारोह में कॉलेज के सभी शिक्षक, स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। अंत में शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

भगवान श्री कृष्ण के जन्म होने तक जारी रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर एक में हर वर्ष की भांति इस बार भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान जहां मंदिर को भव्य स्वरुप में सजाया गया वहीं लाइटिंग और अन्य सजावटों ने मंदिर की शोभा को चार चांद लगा दिए। मंदिर में विभिन्न प्रकार की सुंदर और मनमोहन झांकियां तैयार की गई, जिन्हें देखते ही साक्षात भगवान से दर्शन होने जैसा प्रतीत हो रहा था।

श्रीकृष्ण जन्माष्मी उत्सव पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने मुख्यातिथि के रुप में शिरकत की और झांकियों का अवलोकन किया और प्रधान डॉ. राजेश भाटिया सहित मंदिर कमेटी के सदस्यों की जमकर प्रशंसा की। इस दौरान मंदिर के प्रधान डॉ. राजेश भाटिया व अन्य मंदिर कमेटी के सदस्यों ने उनका फूलों का बुक्के भेंट कर स्वागत किया। डॉ राजेश भाटिया ने कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व आज फरीदाबाद सहित देशभर में धूमधाम से मनाया गया सभी मंदिरों में सुंदरता की छठा बिखर रही है। प्रधान डॉ. राजेश भाटिया ने कहा कि भगवान श्रीविष्णु हरि, कृष्ण अवतार के रूप में इस धरा पर पूर्ण अवतार रूप में अवतरित हुए। भगवान श्रीकृष्ण का अवतार केवल कंस जैसे असुरों के संहार के लिए ही नहीं हुआ, असुरों का संहार तो भगवान के संकल्प मात्र से ही हो सकता है। लेकिन भगवान के अवतार का मुख्य प्रयोजन परित्राणाय साधूनां, अर्थात् अपने अनन्य भक्तों की रक्षा करना, उन्हें अपनी दिव्य लीलाओं का रस प्रदान करना और संसार के सम्मुख शरणागति का सबसे सुगम मार्ग प्रस्तुत करना रहा। उन्होंने बताया कि मंदिर में इस बार भगवान श्रीगणेश जी, लडडू गोपाल जी, खाटू श्याम जी, बांके बिहारी जी, निधिवन, कारगर में भगवान विष्णु, वासुदेव श्रीकृष्ण को लाते हुए कालका जी दिल्ली वाली, अमरनाथ बाबा की झांकियां विशेष कलाकारों द्वारा तैयार की गई।

ड्रोन, यूएवी, पैराग्लाइड उड़ाने पर लगी रोक

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 के मद्देनजर गाजियाबाद में लगी निषेधाज्ञा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन के मद्देनजर गाजियाबाद में निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है। एडीसीपी लॉ एंड आर्डर राजकरन नय्यर ने बताया कि 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाना प्रस्तावित है। इस सम्मेलन में सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधिमण्डल द्वारा भाग लिया जाएगा। अवसर पर असामाजिक तत्वों एवं खतरों, ड्रोन/ यूएवी/ पैराग्लाइडर, हॉट वैलून/ अन्य उड़ने वाली वस्तुओं से आशंकित खतरों के दृष्टिगत्त ऐसे तत्वों तथा ड्रोन/ यूएवी/पैराग्लाइडर/ हॉट बैलून/अन्य उड़ने वाली वस्तुओं पर प्रभावी अंकुश लगाना आवश्यक एवं अपरिहार्य है। चूंकि समय कम है और इस आदेश को तामील करके व्यक्तिगत सुनवाई किया जाना सम्भव नहीं है, ऐसी स्थिति में प्रकरण की गम्भीरता एवं तात्कालिकता को दृष्टिगत रखते हुए एक पक्षीय निषेधात्मक आदेश पारित करना अपरिहार्य हो गया है। कानून व्यवस्था एवं यातायात, कमिश्नरेट गाजियाबाद धारा-163 बीएनएसएस-2023 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक व्यवस्था कायम रखने तथा प्रशान्ति के अनुरक्षण हेतु शांति व्यवस्था की दृष्टि से निम्न निषेधात्मक आदेश पारित किया गया है।

यह रहेगी व्यवस्था

1. 18वें ब्रिक्स शिखार सम्मेलन-2026 के दृष्टिगत सम्पूर्ण कमिश्नरेट गाजियाबाद को नो-ड्रोन जोन/अस्थायी रेड जोन घोषित किया जाता है। जिसमें किसी भी प्रकार के ड्रोन/यूएवी पैराग्लाइडर/हॉट वैलून/अन्य उड़ने वाली वस्तुओं को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है।
2. कार्यक्रम आयोजित करने वाले आयोजक मीडियाकर्मी या अन्य कोई व्यक्ति/संगठन द्वारा इस प्रतियंधित क्षेत्र (सम्पूर्ण गाजियाबाद) में ड्रोन/यूएवी/ पैराग्लाईडर हॉट बैलून/ अन्य उड़ने वाली वस्तुएँ उड़ाना चाहते हैं अथवा उससे फोटोग्राफी/ वीडियोग्राफी करना चाहते है तो इसके लिये तत्काल संबंधित स्थानीय थाने को ड्रोन एवं ड्रोन ऑपरेटर की पूर्ण जानकारी देगें एवं इस संबंध में संबंधित पुलिस उपायुक्त से अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ड्रोन/यूएवी का अनुमति के अनुसार प्रयोग करेंगे।

आरटीओ ने दी स्पष्ट चेतावनी

परिसर के बाहर अनधिकृत दुकानों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध की जाएगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अशोक कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार पुलिस बल के सहयोग से संभागीय परिवहन कार्यालय, गाजियाबाद के परिसर के बाहर अनधिकृत रूप से दुकानें लगाने एवं अनधिकृत गतिविधियां करने का प्रयास कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान कार्यालय परिसर के बाहर अनधिकृत रूप से दुकान लगाने का प्रयास कर रहे व्यक्तियों को मौके से हटाया गया तथा उन्हें स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में कार्यालय परिसर के बाहर किसी भी प्रकार की अनधिकृत दुकान, ठेला अथवा अन्य गतिविधि करते हुए पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, कार्यालय परिसर में सुरक्षा एवं व्यवस्था की दृष्टि से निरीक्षण/गश्त किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति पाया गया, जिसे आवश्यक चेतावनी देते हुए तत्काल परिसर से बाहर कर दिया गया। कार्यालय में आने वाले जनमानस से संवाद करते हुए उन्हें अवगत कराया गया कि परिवहन विभाग से संबंधित किसी भी कार्य के दौरान यदि किसी पटल/काउंटर पर कोई समस्या, अनावश्यक विलंब अथवा अन्य कठिनाई उत्पन्न होती है, तो वे तत्काल अवगत कराएं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **जावेद उर्फ़ माजिद उर्फ़ मुंशी, पुत्रः ज़ाहिद, पताः गली नंबर 4, श्मशान घाट की पुलिया, विजय पार्क, जाफ़राबाद, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली** ने **FIR 0598/2018 U/s 25 A Act थानाः गोकलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जावेद उर्फ़ माजिद उर्फ़ मुंशी,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **जावेद उर्फ़ माजिद उर्फ़ मुंशी,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR 0598/2018 U/s 25 A Act थानाः गोकलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जावेद उर्फ़ माजिद उर्फ़ मुंशी,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री इसरा जैदी
जेएमएफसी–04, कमरा नंबर 64
कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

DP/12574/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **बिग जोस जोसेफ, पुत्रः योहा, निवासीः मकान नंबरः 95, यू/एस/एफ, खसरा नंबर 25/23/2, चंदर विहार, निलोथी एक्सटेंशन, निहाल विहार बाहरी जिला, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.63/2023 Dt.22.08.2023** के तहत एक मामला **थाना साइबर, बाहरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **बिग जोस जोसेफ** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **बिग जोस जोसेफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.63/2023 Dt.22.08.2023, थाना साइबर, बाहरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **बिग जोस जोसेफ** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **22.10.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री वसुंधरा आजाद
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (पश्चिमी जिला),
कमरा संख्या 146, प्रथम मंजिल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/12564/OD/2026
(अदालती मामला)

एसबीईसी सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड

सीआईएनः L74210DL1987PLC029979
पंजीकृत कार्यालयः 1400, हेमकुंट टॉवर, 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019
फोनः 011–42504954/4878, फैक्सः 28293822
ईमेल आईडीः sbecsystems@rediffmail.com वेबसाइटः www.sbecsystems.in

37वीं वार्षिक आम बैठक, रिमोट ई–वोटिंग और बुक क्लोजर की सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि **एसबीईसी सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड** ('कंपनी') के सदस्यों की 37वीं वार्षिक आम बैठक ('एजीएम') **मंगलवार, 29 सितंबर, 2026 को सुबह 11:30 बजे (आईएसटी)** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ('वीसी') सुविधा/अन्य ऑडियो विजुअल साधनों ('ओएवीएम') के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं), विनियम, 2015 के लागू प्रावधानों के अनुपालन में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा जारी लागू परिपत्रों (सामूहिक रूप से "प्रासंगिक परिपत्र" के रूप में संदर्भित) के साथ एजीएम को बुलाने की सूचना में निर्धारित अनुसार व्यवसाय करने के लिए आयोजित की जाएगी।

संबंधित परिपत्रों के अनुपालन में, एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक रिपोर्ट 05 सितंबर, 2026 को इलेक्ट्रॉनिक मोड द्वारा कंपनी के उन सदस्यों को भेज दी गई है, जिनके ईमेल पते 28 अगस्त, 2026 तक कंपनी/कंपनी के आरटीए/डिपॉजिटरी प्रतिभागी(ओं) के पास पंजीकृत हैं। सूचना और वार्षिक रिपोर्ट और अन्य प्रासंगिक विवरण कंपनी की वेबसाइट www.sbecsystems.in और स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ("सीडीएसएल") की वेबसाइट www.evotingindia.com पर भी उपलब्ध हैं।

एजीएम के दौरान रिमोट ई–वोटिंग और ई–वोटिंग के लिए निर्देशः

कंपनी अपने सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ("ई–वोटिंग") द्वारा एजीएम में पारित किए जाने वाले प्रस्तावों पर अपना वोट देने की सुविधा प्रदान कर रही है। सदस्य नीचे उल्लिखित तिथियों पर सीडीएसएल की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली का उपयोग करके दूरस्थ रूप से अपना वोट डाल सकते हैं ("रिमोट ई–वोटिंग")। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के माध्यम से मतदान करने की सुविधा भी एजीएम में उपलब्ध कराई जाएगी और एजीएम में भाग लेने वाले सदस्य जिन्होंने रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, वे एजीएम के दौरान मतदान कर सकेंगे।

ई–वोटिंग से संबंधित उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के विवरण सहित सूचना और निर्देश नोटिस में दिए गए हैं। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने के लिए समान लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग किया जाना चाहिए।

डीमैटरियलाइज्ड मोड, फिजिकल मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों और जिन सदस्यों ने अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं किया है, उनके लिए एजीएम के दौरान रिमोट ई–वोटिंग और मतदान का तरीका नोटिस में प्रदान किया गया है जो कंपनी की वेबसाइट www.sbecsystems.in और स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ("सीडीएसएल") की वेबसाइट www.evotingindia.com पर भी उपलब्ध है।

दूरस्थ ई–वोटिंग का विवरण इस प्रकार हैः

रिमोट ई–वोटिंग के लिए कट–ऑफ तिथि	मंगलवार, 22 सितंबर, 2026
रिमोट ई–वोटिंग अवधि	**प्रारंभः** शनिवार, 26 सितंबर, 2026 प्रातः 9:00 बजे **समाप्तः** सोमवार, 28 सितंबर, 2026 सायं 5:00 बजे

उक्त तिथि और समय के बाद रिमोट ई–वोटिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी और उक्त अवधि की समाप्ति पर सीडीएसएल द्वारा रिमोट ई–वोटिंग मॉड्यूल को तत्काल निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

केवल वही व्यक्ति जिसका नाम कट–ऑफ तिथि यानी मंगलवार, 22 सितंबर, 2026 को सदस्य के रजिस्टर या डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए लाभार्थी मालिकों के रजिस्टर में दर्ज है, वह रिमोट ई–वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने या एजीएम में भाग लेने और एजीएम के दौरान मतदान करने का हकदार होगा।

ई–मेल पते पंजीकृत/अपडेट करने का तरीकाः

सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास डीमैटरियलाइज्ड फॉर्म में रखे गए शेयरों के संबंध में तथा भौतिक रूप में रखे गए शेयरें के संबंध में फॉर्म ISR-1, फॉर्म ISR-2 तथा फॉर्म संख्या SH-13 (कंपनी की वेबसाइट www.sbecsystems.in पर या आरटीए के www.beetalfinancial.com पर उपलब्ध) को विधिवत भरकर तथा हस्ताक्षरित करके आवश्यक सहायक दस्तावेजों के साथ मेसर्स बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बीटल हाउस, तीसरी मंजिल, 99, मदनगीर, लोकल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पीछे, दादा हरसुखदास मंदिर के पास, नई दिल्ली – 110062 पर जमा करके अपना ई–मेल पता पंजीकृत/अपडेट करें या beetalrta@gmail.com पर ई–मेल करें।

कोई भी व्यक्ति जो नोटिस भेजे जाने के बाद कंपनी का सदस्य बन जाता है और कट–ऑफ तिथि तक शेयर रखता है, वह नोटिस में दिए गए तरीके से यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है, जो कंपनी की वेबसाइट, स्टॉक एक्सचेंज और सीडीएसएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसे सदस्य नोटिस में निर्दिष्ट तरीके से ई–वोटिंग निर्देशों का उपयोग करके अपना वोट डाल सकते हैं।

कंपनी के सदस्यों का रजिस्टर और शेयर ट्रांसफर बुक शनिवार, 19 सितंबर, 2026 से मंगलवार, 29 सितंबर, 2026 (दोनों दिन सम्मिलित) तक बंद रहेंगे।

जिन सदस्यों ने रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला है, वे भी एजीएम में भाग ले सकते हैं, लेकिन वे एजीएम में फिर से अपना वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।

यदि आपके पास ई–वोटिंग के बारे में कोई प्रश्न या समस्या है, तो आप अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न ("एफएक्यू") और ई–वोटिंग मैनुअल को www.evotingindia.com पर सहायता अनुभाग के अंतर्गत देख सकते हैं या helpdesk.evoting@cdslindia.com पर ईमेल लिख सकते हैं।

एसबीईसी सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड के लिए
हस्ता/–
हिमानी मित्तल
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 05.09.2026

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जरूरतमंदों तक पहुंचाएं

सेवा से मजबूत होगा संगठन और जनता का विश्वास, 17 से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भाजपा गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय गुरुकमल में सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता भाजपा हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ रहे।

जिला प्रभारी संदीप जोशी, प्रदेश सचिव हरविंद कोहली, पूर्व प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख और कार्यकर्ता मौजूद रहे। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि सेवा भाजपा संगठन की पहचान और कार्यकर्ता का मूल धर्म है। अभियान को केवल आयोजन तक सीमित न रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का लाभ पहुंचाना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय जरूरतों के अनुसार सेवा गतिविधियां आयोजित करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जरूरतमंदों तक पहुंचाने का आह्वान किया। धनखड़ ने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से कार्यकर्ता समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें। संगठन की शक्ति को जनसेवा से जोड़ने पर जनता का विश्वास और आत्मीय संबंध मजबूत होंगे। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से अभियान की शुरुआत होगी।

सचिन ने मोदी-योगी सरकार पर साधा निशाना

भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करती उत्तराखंड में कांग्रेस अध्यक्ष के साथ घटनाः पायलट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के कद्दावर नेता सचिन पायलट शनिवार को यहां केंद्र की मोदी व उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारी पूरी तरह से विफल हैं।

इन सरकारों को जनता की कोई परवाह नही है। केवल अमीरों हित को ही साधा जा रहा है। पायलट ने उत्तराखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हुए जातिगत भेदभाव एवं शुद्धिकरण की घटना की कड़ी निंदा की। यह घटना भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करती है। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी के संयोजन में आयोजित इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पायलट ने उत्तराखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ हुए जातिगत भेदभाव एवं शुद्धिकरण की घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह घटना भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सदैव नेहरू व राजीव गांधी को कोसा है। जब भी भाजपा से उनके चुनाव में किए गए वादों के बारे में कांग्रेस सवाल करती है तो बीजेपी पाकिस्तान, हिन्दू मुस्लिम, मंदिर मस्जिद की बात करके देश की जनता को गुमराह करती है। जातिगत जनगणना पर मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय के नाम पर देश की जनता के साथ धोखा किया है।

निचले इलाकों में घरों तक पहुंचा पानी, 50 से अधिक परिवार राहत शिविरों में

बाढ़ के बाद की चुनौतियों से निपटने की तैयारी

प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर, संगम क्षेत्र के पक्के घाट डूबे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ प्रयागराज

प्रयागराज में गंगा-यमुना के बढ़ते जलस्तर का असर संगम क्षेत्र से लेकर निचले रिहायशी इलाकों तक दिखाई देने लगा है। बाढ़ के कारण संगम क्षेत्र के कई पक्के घाट पानी में डूब गए हैं।

बलुआ घाट की बारादरी समेत कई स्थानों पर पानी पहुंचने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। नागवासुकी मंदिर की सीढ़ियों तक पानी पहुंचने के बाद एहतियातन मुख्य द्वार बंद कर दिया गया है। वहीं, संगम स्थित

लेटे हनुमान मंदिर के कपाट लगातार छठे दिन भी बंद हैं, जबकि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए नाव संचालन रोक दिया गया है। गंदगी से फैलने वाली बीमारियों के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

घरों तक बाढ़ का पानी पहुंचा

राजापुर और बेली कछार के कई घरों तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है, जिसके चलते 50 से अधिक परिवारों को राहत शिविरों में जाना पड़ा है। बख्शी बांध के पास सड़क किनारे बने घरों में करीब 5 से 6 फीट तक पानी भर गया है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो गया है। हालांकि पिछले 24 घंटे में गंगा और यमुना का जलस्तर स्थिर बताया जा रहा है और फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से करीब दो मीटर नीचे बह रही हैं।

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 81 शिक्षकों को राज्य और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया...

शिक्षा के 'समर्पण' को मिला सम्मान

शिक्षक दिवस पर बेसिक शिक्षा के 61 और माध्यमिक शिक्षा के 20 शिक्षक हुए पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोरखपुर

शिक्षा व्यवस्था के उत्थान और शिक्षकों के सम्मान के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कितने संवेदनशील हैं, इसकी बानगी शनिवार को शिक्षक दिवस पर योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मान समारोह में देखने को मिली। राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित सभी 81 शिक्षकों को सीएम ने अपने हाथों पुरस्कार दिया, जबकि तय कार्यक्रम के अनुसार उन्हें सिर्फ 10 शिक्षकों को ही सम्मानित करना था। मुख्यमंत्री की इस पहल से प्रदेश भर से आए शिक्षक मुदित हो गए। सीएम योगी को मंच पर राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित बेसिक शिक्षा विभाग के 5 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 5 यानी कुल 10 शिक्षकों को

ही अपने हाथ से पुरस्कृत करना था। जब शिक्षकों को पुरस्कृत करने की बारी आई तो मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी चयनित 81 शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा और वह सभी को खुद पुरस्कृत करेंगे। इसके बाद पहले से तय 10 शिक्षकों के बाद सीएम योगी ने अन्य सभी 71 शिक्षकों को भी मंच पर बुलवाकर खुद पुरस्कृत किया।

मुख्यमंत्री ने पुरस्कृत हुए शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार राशि के रूप में 25 हजार रुपए का प्रतीकात्मक चेक सौंपा। महिला शिक्षकों को माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने और पुरुष शिक्षकों को बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने अंगवस्त्र पहनाया। बाद में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को मां सरस्वती की प्रतिमा भी भेंट की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त इन शिक्षकों को आजीवन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में प्रतिवर्ष 4000 किलोमीटर की निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही इनकी सेवानिवृत्ति की सीमा भी दो वर्ष बढ़ जाएगी।

सरकारी जमीन, कोर्ट का फैसला और 6.41 करोड़ की भरपाई

शुक्रवार रातभर अफवाहों का शोर, तड़के सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद पर चल गया बुलडोजर

एजेंसी ▶▶ सहारनपुर

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में सुबह 4 बजे बुलडोजर पहुंचा और 6 बजे वहां बनी मस्जिद पर एक्शन शुरू हो गया। यह मामला उस जमीन का है, जिसे प्रशासन सरकारी बताता है, जबकि मस्जिद कमेटी इसे वक्फ की जमीन कहती है। कोर्ट ने मस्जिद को अवैध मानते हुए 6.41 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति भी तय की थी। इसके बाद इकरा हसन, ओवैसी और इमरान मसूद ने कार्रवाई पर सवाल उठाए...

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को लेकर कई महीनों से चल रहा विवाद शनिवार सुबह अचानक बड़े एक्शन में बदल गया। शुक्रवार रात से ही शहर में मस्जिद गिराए जाने की चर्चाएं और सोशल मीडिया पर अफवाहें तेजी से फैल रही थीं।

देर रात कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास अचानक बढ़ी पुलिस फोर्स ने इन चर्चाओं को और हवा दे दी। सुबह करीब चार बजे प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की और बुलडोजर से मस्जिद के एक हिस्से को गिरा दिया गया। पूरी इमारत हटाने के लिए मौके पर छह बुलडोजर लगाए गए थे। कलेक्ट्रेट परिसर जैसे संवेदनशील स्थान पर रात में पुलिस की भारी तैनाती और पांचों गेट बंद किए जाने से स्थिति को लेकर राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई। मुस्लिम पक्ष के लोगों और स्थानीय नेताओं ने प्रशासन से संपर्क करने की कोशिश की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए रैपिड एक्शन फोर्स को भी तैनात किया गया।

4 बजे पहुंचा बुलडोजर, 6 मशीनों से शुरू हुआ ध्वस्तीकरण

शनिवार सुबह करीब चार बजे कलेक्ट्रेट परिसर के गेट बंद कर दिए गए और बाहरी लोगों की आवाजाही रोक दी गई। परिसर के भीतर अधिकारी और पुलिसकर्मी तैनात रहे, जबकि बाहर भी भारी पुलिस बल मौजूद रहा। इसके बाद बुलडोजर मस्जिद तक पहुंचाए गए और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। शुरुआती कार्रवाई में मस्जिद का एक हिस्सा जमींदोज कर दिया गया। पूरी इमारत को हटाने के लिए छह बुलडोजर लगाए जाने की बात सामने आई है।

नेताओं की बढ़ी सक्रियता

देर रात अचानक यह खबर फैलने लगी कि प्रशासन कलेक्ट्रेट परिसर की मस्जिद को गिराने की तैयारी कर रहा है। देखते ही देखते यह चर्चा शहर और सोशल मीडिया तक पहुंच गई। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने देर रात लाइव आकर मस्जिद प्रकरण पर अपनी बात रखते हुए आपने समाज से शांति की अपील की। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। वहीं, उनके दामाद शायान मसूद ने भी लाइव के जरिए घटनाक्रम की जानकारी साझा की। इधर, सपा विधायक आशु मलिक, एमएलसी शाहनवाज खान समेत कई नेताओं के कलेक्ट्रेट पहुंचने की कोशिश की खबर सामने आई, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के चलते उन्हें परिसर के गेट पर ही रोक दिया गया।

150 साल पुराने मस्जिद होने का किया गया दावा

मस्जिद पक्ष ने इसे वक्फ संपत्ति बताते हुए करीब 150 साल पुरानी मस्जिद होने का दावा किया था। हालांकि, अदालत के समक्ष इस दावे के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत न किए जाने की बात आदेश में सामने आई।

2025 में शिकायत से शुरू हुआ था विवाद

कलेक्ट्रेट परिसर की मस्जिद को लेकर विवाद की शुरुआत बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी की शिकायत से हुई थी। 24 मार्च 2025 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में उत्तर प्रदेश लोक परिसर (अनधिकृत अध्याशियों की बेदखली) अधिनियम के तहत मामला दाखिल किया गया था। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 16 जुलाई 2026 को सिटी मजिस्ट्रेट ने बेदखली और ध्वस्तीकरण का आदेश दिया।

दो दिन पहले अदालत ने बरकरार रखा था आदेश

मस्जिद पर हुई कार्रवाई के पीछे करीब डेढ़ साल पुराना कानूनी विवाद है। जिला जज सतेंद्र कुमार की अदालत ने 2 सितंबर 2026 को मस्जिद पक्ष की अपील खारिज करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह के 16 जुलाई 2026 के आदेश को बरकरार रखा था। सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने विवादित भूमि को सरकारी जमीन मानते हुए मस्जिद को अनधिकृत निर्माण माना था। आदेश में परिसर खाली करने के साथ 6 करोड़ 41 लाख 65 हजार 565 रुपये की क्षतिपूर्ति भी निर्धारित की गई थी।

सम्राट चौधरी ने लोगों को दिया भरोसा

मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण व दौरा

2008 में तत्कालीन सीएम नीतीश कुमार यहां आए थे

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। सीएम दोपहर में भागलपुर पहुंचे। भागलपुर हवाई अड्डा पर उतरकर वे सड़क मार्ग से राघोपुर गए। यहां बाढ़ और कटाव से हुए नुकसान और राहत कार्य का जायजा लिया। सम्राट ने बाढ़ और कटाव से निपटने के लिए सरकार का प्लान भी सार्वजनिक किया।

स्थानीय लोगों के अनुसार कटाव का जायजा लेने 18 साल बाद कोई मुख्यमंत्री राघोपुर आया है। इससे पहले साल 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यहां आए थे। सीएम सम्राट चौधरी शनिवार को भागलपुर से विक्रमशिला सेतु के रास्ते राघोपुर तटबंध के रेलवे गाइड लाइन बांध पर पहुंचे। उन्होंने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और कटाव से प्रभावित राघोपुर बांध का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा कार्यों का जायजा लिया।

सीएम ने बाढ़ से निपटने का बताया प्लान

सम्राट चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में बाढ़ से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गंगा नदी में ड्रेजिंग कराई जाएगी और गाद को निकाला जाएगा। नदी के पानी के फैलाव को रोका जाएगा। गंगा के साथ कोसी और गंडक नदी के तटबंधों को भी दुरुस्त किया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों को 24 घंटे बाढ़ से उपजे हालात पर नजर बनाए रखने को कहा है।

गंगा की धारा बदलने से बिगड़े हालात

सम्राट चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि राघोपुर काजीकोरिया बांध के क्षतिग्रस्त हिस्सों पर चल रहे निर्माण और बचाव कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गंगा मैया की धारा में बदलाव आने के कारण ही इस तरह के हालात बने हैं और पानी का दबाव भी काफी ज्यादा बढ़ा है।

पेज एक का शेष

13 वर्षों में 1 हजार...

में 8, 2016 में 12, 2017 में 4, 2018 में 3, 2019 में 2, 2020 से 2023 तक क्रमशः 1,1 शिक्षक को यह पुरस्कार मिला। 2024 में राजधानी के किसी शिक्षक को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार नहीं मिला। इसके अगले साल 2025 में फिर से 1 और अब मौजूदा साल 2026 में भी यह आंकड़ा 1 शिक्षक का ही बना हुआ है। वहीं, दूसरी ओर 2014 में हरियाणा के 6, 2015 में 4, 2016 में 6, 2017 में 2, 2018 से 2025 तक क्रमशः 1, 1 शिक्षक को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया गया है। 2026 में पुनः प्रदेश के 1 शिक्षक को यह पुरस्कार मिला है।

बाकी देश भी करते गुरुजनों का सम्मानः यहां ध्यान देने वाली एक बात यह है कि दुनियाभर में केवल भारत ही एकमात्र ऐसा देश नहीं है। जो अपने शिक्षकों को साल में एक बार राष्ट्रीय स्तर के किसी प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित करता है। हमारे यहां इस परंपरा की शुरुआत वर्ष 1958 में हुई थी। तब से हर साल 5 सितंबर को शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। दूसरी ओर अमेरिका में हमारी तरह ही देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक को नेशनल टीचर ऑफ द ईयर पुरस्कार, राष्ट्रपति द्वारा व्हाइट हाउस में प्रदान किया जाता है। ब्रिटेन में पियर्सन नेशनल टीचिंग अवार्ड्स के जरिए बेहतरीन शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय मान्यता दी जाती है। जबकि फ्रांस में शिक्षा क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए शिक्षकों को पाल्मे एकेडमिक्स जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से नवाजा जाता है।

13 साल बाद ...

कार्यक्रम का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि शताब्दी समारोह शिक्षक दिवस के साथ आयोजित हुआ।

शिक्षक दिवस और शताब्दी का संयोगः एसआरसीसी का शताब्दी समारोह शिक्षक दिवस के दिन होने के कारण भी विशेष रहा। शिक्षक दिवस शिक्षकों और शिक्षाविदों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है, जबकि एसआरसीसी की शताब्दी एक ऐसे संस्थान की 100 वर्ष की यात्रा को रेखांकित करती है जिसने शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एसआरसीसी की शताब्दी ऐसे समय में मनाई जा रही है जब संस्थान पारंपरिक वाणिज्य शिक्षा के साथ तकनीक, शोध, उद्यमिता और बहुविषयक शिक्षा पर भी जोर दे रहा है। कॉलेज के शताब्दी कार्यक्रमों का उद्देश्य उसके 100 वर्षों के शैक्षणिक योगदान को याद करने के साथ भविष्य की दिशा तय करना भी है।

जब शिक्षक की ...

परिस्थितियों को समझने और उनसे निपटने की क्षमता विकसित होगी।

इस वर्ष 82 शिक्षकों और शिक्षाविदों का चयनः इस वर्ष तीन विभागों से कुल 82 शिक्षकों और शिक्षाविदों का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। इनमें स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के 48 शिक्षक, उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से जुड़े 21 शिक्षक एवं संकाय सदस्य तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 13 स्किल ट्रेनर शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ संवाद के दौरान अपने शिक्षण अनुभवों और नवाचारों को साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह रचनात्मक और नए तरीकों को अपनाकर उन्होंने कक्षा में पढ़ाई को विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक, प्रभावी और उपयोगी बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक दिवस समाज में शिक्षकों के योगदान और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दिन भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर भी है।

ओटीए चेन्नई से...

परमेश्वरन ड्रिल स्क्वायर नामक उस विशेष स्थान से हो रहा है। जिसका संबंध 1987 में भारत द्वारा श्रीलंका में भेजी गई भारतीय सेना से जुड़े ऑपरेशन पवन अभियान के सैन्य नायक और परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन से है। वह इसी ओटीए (चेन्नई) के पूर्व छात्र रहे हैं। ऑपरेशन पवन में मेजर परमेश्वरन ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद न केवल अपनी अंतिम सांस तक अपने जवानों का नेतृत्व किया। बल्कि उन्हें जंग लड़ने के लिए प्रेरित भी किया। नौसेनाप्रमुख के मुताबिक, 1987 में ही मैं भी देश की समुद्री सेना में कमीशन हुआ था। उस वक्त जिस युद्धक्षेत्र पर मैंने कदम रखा था। वह आज के आपके माहौल से काफी अलग है।

एक गहन मानवीय प्रयास है युद्धः उन्होंने कहा कि आज भले ही तेजी के साथ युद्ध की प्रकृति कई मायनों में बदल गई है। लेकिन हकीकत में यानी मूलरूप से युद्ध आज भी एक गहन मानवीय प्रयास है। नए क्षेत्रों में नए हथियारों के इस्तेमाल के बाद भी युद्ध अभियानों के परिणाम अंत में उन्हीं पुरुषों और महिलाओं द्वारा तय किए जाएंगे। जो जंग के मैदान में लड़ते हैं, नेतृत्व करते हैं, प्रेरित करते हैं, डटे रहते हैं और लगातार प्रयास करते हैं। बीत चार दशक की नौसेना की सेवा के दौरान इस संबंध में मेरा यही विश्वास मजबूत हुआ है।

इन तीन वास्तविकताओं से होगा सामना : एडमिरल स्वामीनाथन के मुताबिक, सेना में शामिल होने के बाद तीन वास्तविकताओं से कैडेटों का सामना होगा। जिसमें अनिश्चितता, समय का संकुचन और परिणामों की जिम्मेदारी मुख्य हैं। अनिश्चितता और अस्थिरता के बीच कैडेटों को काम करने की क्षमता विकसित करनी पड़ेगी। समय की कमी के दौरान आपको तेजी से सूचना ग्रहण करनी पड़ेगी, तत्परता के साथ खुद को ढालना पड़ेगा, जरूरी-गैर जरूरी चीजों में अंतर करना होगा और निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। अंत में एक अत्यधिक परस्पर जुड़े हुए विश्व में सामरिक स्तर की कार्रवाई के परिचालन, रणनीतिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिणाम हो सकते हैं। जिसके लिए संतुलन, परिपक्वता और संयम की भावना के साथ ही अपने कार्यों के प्रभाव की स्पष्ट समझा की अपेक्षा की जाती है। वर्तमान, भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी तैयारी को बनाए रखना पड़ेगा। जिसमें दिमाग पर ध्यान केंद्रित करें, जीवन भर विद्यार्थी बने रहें, साहस, सेवा परमो धर्म और विश्वास को अपनी पूंजी बनाएं।

पेट्रोलियम आयात की ...

प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।

पूर्ण आवेदन पर सात दिन में फैसलाः मसौदे में लाइसेंसिंग प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने का भी प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। यदि आवेदक की ओर से सभी आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों के साथ पूरा आवेदन जमा किया जाता है और निर्धारित अवधि में सक्षम प्राधिकारी की ओर से निर्णय नहीं लिया जाता, तो सात कार्यदिवस के बाद आवेदन को स्वीकृत माना जा सकेगा। हालांकि, यह व्यवस्था प्रस्तावित नियमों में निर्धारित शर्तों और प्रक्रियाओं के अधीन होगी। मंत्रालय का मानना है कि प्रस्तावित बदलावों से पेट्रोलियम के आयात और परिवहन से जुड़ी अनुमति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और ऑनलाइन बनाया जा सकेगा। अंतिम नियम सरकार द्वारा प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विचार के बाद अधिसूचित किए जाएंगे।

पायलट को पंजाब ...

निभाते रहे हैं। फिलहाल छग की जिम्मेदारी थी।

महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में भी बदले प्रभारीः कांग्रेस ने महाराष्ट्र की जिम्मेदारी डॉ. सिरीवेल्ला प्रसाद को सौंपी है। वहीं पी.वी. मोहन को आंध्र प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में सुखदेव भगत को प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस तरह पार्टी ने असम, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों के संगठनात्मक प्रभार में बदलाव किया है।

तीन वरिष्ठ नेताओं की सेवाओं को सराहाः कांग्रेस ने बदलाव के साथ निवर्तमान महासचिवों और प्रभारियों के योगदान की भी सराहना की है। पार्टी ने जितेंद्र सिंह, रमेश चेन्निथला और माणिकम टैगोर के योगदान की प्रशंसा की है।

मुकुल वासनिक महासचिव पद पर बने रहेंगे : कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट किया है कि मुकुल वासनिक एआईसीसी महासचिव के पद पर बने रहेंगे। यानी संगठन में व्यापक फेरबदल के बावजूद उनकी जिम्मेदारी में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

तत्काल प्रभाव से लागू होंगी नियुक्तियां : सभी नियुक्तियों और पुनर्नियुक्तियों का प्रभाव तत्काल होगा। पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष के फैसले की जानकारी दी गई है।

धार्मिक, देशभक्ति प्रस्तुतियों ने मोहा यात्रियों का मन

भगवान श्रीकृष्ण-अर्जुन के रथ की एडीआरएम नीतू ने की पूजा

टी एन मिश्र ▶▶ लखनऊ

लखनऊ जंक्शन पर पूर्वोत्तर रेलवे का शताब्दी वर्ष समारोह आयोजित

पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से लखनऊ जंक्शन पर शताब्दी वर्ष समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टेशन परिसर में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक नीतू ने भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के रथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर आयोजन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीआरएम गौरव अग्रवाल ने की।

100 साल की विरासत पर चर्चा

शताब्दी वर्ष समारोह पर डीआरएम गौरव अग्रवाल ने कहा 100 साल की विरासत पर चर्चा की। उन्होंने कहा की विरासत को संजोने के साथ आधुनिकता का भी समायोजन किया गया है।दौरान स्काउट एवं गाइड के बच्चों और रेलवे कलाकारों ने धार्मिक, देशभक्ति एवं सामाजिक विषयों पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और आम लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और देशभक्ति की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सीनियर डीसीएम अरिजीत सिंह , सीनियर डीएमई नीलेश सिंह और सीनियर डीओएम शिल्पी कनौजिया सहित रेलवे के विभिन्न विभागों के शाखाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

विनोद राय की माताजी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आजमगढ़

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय की माताजी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने विनोद राय और उनके परिजनों से मुलाकात कर इस दुखद घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया तथा दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करने की कामना की।

मुख्यमंत्री के विनोद राय के घर पहुंचने की सूचना पर क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल रहा। इस दौरान भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और विनोद राय के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

जेएसएससी के दफ्तर में एसआईटी का छापा, कई दस्तावेज जब्त

एजेंसी ▶▶ रांची

सीआईडी की एसआईटी ने शुक्रवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के दफ्तर में दिनभर छापेमारी की। इस दौरान सीजीएल समेत अन्य परीक्षा से जुड़े दस्तावेज खंगाले। कई दस्तावेजों को जब्त कर साथ ले गए। इन दस्तावेजों का सत्यापन भी आयोग के सचिव सुधीर कुमार गुप्ता से कराया।

सीआईडी की टीम दिन के 10 बजे डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में जेएसएससी दफ्तर पहुंची थी। टीम ने परीक्षार्थियों की ओएमआर शीट, परीक्षा एजेंसी से जुड़े पत्र और काम के आवंटन के विषय में दस्तावेजों को खंगाला। वहीं जब्त कागजातों का सत्यापन आयोग के सचिव सुधीर गुप्ता से कराया। हालांकि सीआईडी ने सचिव से पूछताछ की बात से इनकार किया है। देर शाम तक जांच के बाद टीम मौके से निकली।

रांची और हजारीबाग में लिखवाई गईं कॉपियां

जेपीएससी के सहायक वन संरक्षक और फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर (एफआरओ) परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। सीआईडी जांच में यह सामने आया है कि इन दोनों परीक्षाओं में करीब 100 अभ्यर्थियों से पैसे लेकर पीटी और मुख्य परीक्षा में पास कराने की सेटिंग की गई थी। हजारीबाग व रांची में सॉल्वर गैंग से उत्तर पुस्तिकाएं लिखवाई गई थीं।

मिर्जापुर में बड़ा हादसा

क्रशर प्लांट में ब्लास्टिंग के दौरान डग धंसा, चार मजदूरों की मौत

एजेंसी ▶▶ मिर्जापुर

मिर्जापुर के अहरौरा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर क्रशर प्लांट में ब्लास्टिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भगवती देई पहाड़ी स्थित क्रशर प्लांट में पत्थर तोड़ने के लिए की गई ब्लास्टिंग के कंपन से एक कमजोर स्ट्रक्चर अचानक धराशायी हो गया।

उसके पास मौजूद चार मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों और प्लांट में मौजूद

लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर चारों मजदूरों को बाहर निकाला गया। सभी को गंभीर हालत में उपचार के लिए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर भेजा। जहां इलाज के दौरान चारों की मौत हो गई।

दोपहर करीब डेढ़ बजे का हादसा

एएसपी ऑपरेशन राजकुमार मीणा ने बताया कि भगवती देई पहाड़ी पर क्रशर प्लांट है, जहां पत्थर तोड़ने के लिए प्रतिदिन ब्लास्टिंग की जाती है। शनिवार को भी दोपहर करीब एक से डेढ़ बजे के बीच ब्लास्टिंग की गई थी। इसी दौरान पास में बना एक स्ट्रक्चर ब्लास्टिंग के कंपन से ढह गया।

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम
फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्क्रॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंट्रेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रोशनी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्क्रॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपकी बात बिना किसी जजमेंट के सुनते हैं।

सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरॉन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिग्डाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सर्वे बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेडिटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंग्जाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वालेस जे. निकोलस ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंग्जाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्क्रॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आवारा कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ह्यूमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का स्राव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को चुटकियों में गायब कर देती है। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो निश्छलता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड हीलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हल्का करता है।

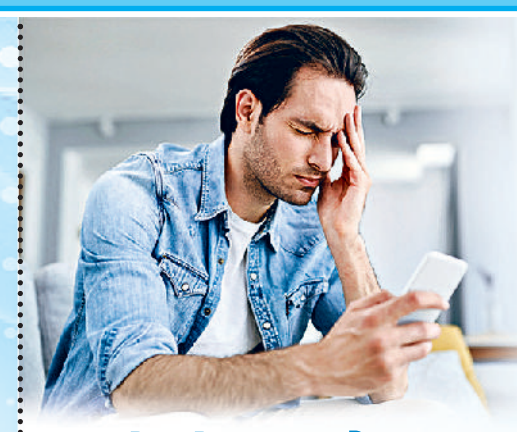

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ / अंजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एम्नेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग को धार देना, इसे एक्टिव रखना बंद कर देंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से पूरी तरह इन मशीनों की गुलाम बन जाएंगी।

क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एम्नेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहां है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी याद्दाश्त के लिए एक 'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं।

मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव: मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरॉन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैंपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो याद्दाश्त और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ.संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी याद्दाश्त को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे 'बदलने' के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच
कितने विचारों के बीच
कितने थपेड़ों के बीच
कितने जालों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी घृणा के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच
कितनी कुसंगत के बीच
कितनी लालसा के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने बड़बोलेपन के बीच
कितनी आत्मप्रशंसा के बीच
कितने कपट के बीच
कितने झपट के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी असहजता के बीच
कितने समझौतों के बीच
कितने अपमानों के बीच
कितने सम्मानों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने शत्रुओं के बीच
कितने मित्रों के बीच
कितने भ्रमों के बीच
कितने सपनों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

कहने को तो वह नवोदित भ्रष्टाचारी था लेकिन अपनी लाइन का वह एक पुराना खिलाड़ी था। कई महीनों पहले से ही वह बदनामियों के काले आकाश में उमड़ता-घुमड़ता हुआ देखा जा रहा था। सर्वत्र उसी की चर्चा थी। वह मीडिया में 'काली घटा छाई, भ्रष्टाचार की ऋतु आई' बनकर छाया हुआ था। नवोदित भ्रष्टाचारी के चेहरे पर कैमरों की फ्लैश लाइटें चमकतीं, तो जान पड़ता था कि आकाश में बिजली कौंध रही है। अपने कंधों पर कारगुजारियों का इंद्रधनुष लादे हुए वह मंडराता फिर रहा था। ईडी और सीबीआई की हवाएं छापामारी करती थीं और उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाती थीं। उससे पूछताछ होती और वह सारा दोष मौसम के मत्थे पर मढ़ दिया करता था। वह कहता था कि यह भ्रष्टाचार तो समूचे वायुमंडल में फैला हुआ है, फिर भला वह ही कैसे इसके प्रभाव से अछूता रह सकता है? वह मौका लगते ही डूब-डूब कर बेईमानी का पानी पीने का अभ्यस्त था। यूं तो वह कहने मात्र को ही एक नवोदित भ्रष्टाचारी था। चूंकि पहले उसका नाम किसी बड़े घोटाले में उजागर नहीं हो पाया था, इसके चलते ही उसको नवोदित कहा जा रहा था। इस बात का वह बुरा भी नहीं मानता था। लोग उसे बच्चा समझते थे, वह अपने आपको सबका चच्चा समझता था।

इन दिनों वह चर्चाओं के आकाश में उड़ रहा था, परंतु सभी को यह बात पता थी कि घोटालों के विशाल समंदर का पानी वह अपने पेट में भरे हुए था। वह बहुत गहरा था। अपनी सफलता के नशे में बहकते हुए उसके पांव धरती पर उतरने में अपनी तौहीन समझ रहे थे। लेकिन वक्त-वक्त की बात होती है। जो गहरा होता है, उसको नपना भी पड़ता है। तो उस नवोदित भ्रष्टाचारी को भी एक रोज जमीनी हकीकत देखनी ही पड़ गई। यद्यपि वह सबको सफाई देता रहता था कि उसका दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वस्त्र होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश पूरी कर ली थी।

एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूं? तुम्हें राजा बेटा न कहूं, तो क्या अपना बाप कहूं? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूंजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिद्दी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज्ज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझ एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। *

पुस्तक चर्चा / अनुराग मनींद्र

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्धृत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील, साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम हैं। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिसिप्लिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।'

डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अचूक प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलें समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।'

डॉ. भावना शेखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतराते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।'

संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गढ़ती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), **संपादक:** विज्ञान भूषण, **मूल्य:** 449 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा

एआई इमेज

एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।

प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।'

अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

मप्र में ग्रीन एनर्जी की असीम संभावनाएं, हम इन्हीं संभावनाओं को कर रहे एक्सप्लोर

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश बना रहा नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारा मप्र ग्रीन स्टेट तो है ही, अब ग्रीन और क्लीन एनर्जी सेक्टर (नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र) में भी एक नई उम्मीद और नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। मप्र में ग्रीन एनर्जी की असीम संभावनाएं हैं। हम इन्हीं संभावनाओं को चरणबद्ध तरीके से एक्सप्लोर कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में ट्रांजेक्शन एडवाईजरी सर्विसेस एग्रीमेंट (टीएएसए) के तहत नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के तहत तीन महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के लिए रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के बीच एमओयू के बाद ये बात कही। मुख्यमंत्री ने एशियन डेवलपमेंट बैंक एवं रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड को इन महत्वपूर्ण समझौते के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह समझौता मप्र में स्वच्छ, विश्वसनीय एवं किफायती ऊर्जा के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मप्र ने पिछले वर्षों में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार, बड़ी परियोजनाओं तथा प्रतिस्पर्धी एवं पारदर्शी निविदा प्रक्रियाओं के माध्यम से देश में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आरयूएमएसएल और एडीबी के मध्य हुआ एमओयू

यह समझौता स्वच्छ, विश्वसनीय, एवं किफायती ऊर्जा के विकास की दिशा में कदम

ऐसी ऊर्जा व्यवस्था विकसित करना है, जो विश्वसनीय और किफायती होः सीएम

एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधियो से चर्चा करते सीएम।

सीएम ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता ही बढ़ाना नहीं है, बल्कि ऐसी ऊर्जा व्यवस्था विकसित करना है जो विश्वसनीय, किफायती, सतत और 24×7 उपलब्ध हो तथा प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सके। इसी दिशा में आरयूएमएसएल और एडीबी के मध्य ट्रांजेक्शन एडवायजरी सर्विसेस एग्रीमेंट संबंधी एमओयू एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि एडीबी की ओर से आरयूएमएसएल को तीन नवकरणीय ऊर्जा प्राजेक्टस के लिए निःशुल्क ट्रांजेक्शन एडवाईजरी सर्विसेस उपलब्ध कराई जा रही है।

यह परियोजनाएं हमारी भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था का बनेंगी महत्वपूर्ण आधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य बैंकेबल और सस्टेनेबल बिजनेस ट्रांसजेक्शन स्ट्रक्चर्स तैयार करना है, जिससे मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दीर्घकालीन निवेश को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजनाएं हमारी भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बनेंगी। इससे ग्रिड स्टेबिलिटी, नवकरणीय ऊर्जा इंटीग्रेशन तथा पीक डिमांड मैनेजमेंट को भी मजबूती मिलेगी।

क्रांतिकारी पहल की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र में स्थापित होने वाले तीनों प्रोजेक्ट्स में तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता देने के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक का आभार व्यक्त करते हुए रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की इस क्रांतिकारी पहल के लिए सराहना की।

भारत के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स में से एक के साथ एमओयू

टीएएसए के तहत मप्र में तीन प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी तैयारी की जा रही है। इसमें पीएम सूर्य सरोवर योजना के तहत फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट के साथ रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड को 278 मेगावाट के ओंकारेश्वर फ्रेज के लिए समझौता ज्ञापन हुआ। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड को फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट को विकसित करने का लंबा अनुभव है। यह भारत के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स में से एक है। ओंकारेश्वर में ही 300 मेगावाट के लिए अतिरिक्त जलाशय क्षेत्र और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। इस 600 मेगावाट प्रोजेक्ट के लिए पहले ही सर्वे, प्री-फ्रिजिबिलिटी और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अध्ययन किया जा चुका हैं। पीएम सूर्य सरोवर योजना में 2 घंटे के को-लोकेटेड एनर्जी स्टोरेज सिस्टम वाले फ्लोटिंग सोलर पीवी के लिए 1 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट की सेंट्रल फाइनेंशियल असिस्टेंस देने का प्रावधान है। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, एमडी मप्र ऊर्जा विकास निगम अमित तोमर सहित अन्य विभागीय अधिकारी, एशियन डेवलपमेंट बैंक तथा आरयूएमएसएल के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सेवा-सुशासन को जन-जन तक पहुंचाएंगे : नायब

हर जिले में बनेगी लाभार्थियों की सूची बूथों पर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक मंत्री, विधायक और आमजन मिलकर बनाएंगे जन-अभियान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हरियाणा में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों और सफल क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों और उनके समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल, डॉ. अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण बेदी और आरती सिंह राव तथा राज्यमंत्री गौरव गौतम मौजूद रहे। राज्यमंत्री राजेश नागर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी 23 जिलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित परियोजनाओं और हरियाणा की प्रमुख विकास परियोजनाओं को चिन्हित कर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। 17 सितंबर की शाम प्रत्येक बूथ पर लाभार्थियों और आमजन के घर जाकर 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा। प्रधानमंत्री की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को अभियान से जोड़कर उनके घरों पर दीया जलाया जाएगा और उनके अनुभवों को सामने लाया जाएगा। जिला प्रशासन इन कार्यक्रमों की वीडियो रिकॉर्डिंग कराएगा और फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र लाभार्थी छूटना नहीं चाहिए। मंत्री, विधायक, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आमजन को भी इस जनजागरण अभियान से जोड़ा जाए। ग्राम सचिवालय, व्यायामशालाओं, किसानों के लिए किए गए कार्यों, सड़कों, एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख विकास परियोजनाओं को भी चिन्हित किया जाए, ताकि विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता के सामने प्रस्तुत किया जा सके। चित्रकला, भाषण और अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। सरकारी और निजी दोनों स्कूलों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगी। इसके तहत कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर जनता और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घर पहुंचकर प्रधानमंत्री के प्रति विश्वास, आभार और देश के उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के प्रतीक के रूप में दीया जलाएंगे।

विश्वविद्यालयों में होंगे सेमिनार, सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई जाएगी विकास यात्रा की डॉक्यूमेंट्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों तथा लोगों के जीवन में आए बदलाव को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालयों में सेमिनार आयोजित किए जाएं। सार्वजनिक स्थानों पर विकास यात्रा से संबंधित डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाए। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के जीवन में आए बदलाव को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

'सेवा सेतु' शिविरों में योजनाओं का मिलेगा लाभ

अभियान के दौरान ब्लॉक स्तर पर विशेष 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे। इनमें प्रशासन सीधे जनता के बीच पहुंचकर पात्र लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाने का प्रयास करेगा। इन शिविरों में 'लाडो लक्ष्मी योजना' को भी प्रमुखता से जोड़ा जाएगा, ताकि पात्र महिलाओं को योजना के बारे में जानकारी और सहायता मिल सके। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की वार्षिक आय की पात्रता सीमा बढ़ाकर 1 लाख 80 हजार रुपये करने का प्रस्ताव है। इसके बाद प्रदेश में लगभग 17 लाख नए लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। 1 नवंबर से पात्र लाभार्थियों को योजना की राशि का भुगतान शुरू किया जाएगा। 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में 180 स्थानों पर समाजसेवा की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक विधायक के साथ समाज के सक्रिय लोगों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, भारी मात्रा में शराब जब्त

बीजापुर। जिले में अवैध शराब के विक्रय और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत आवापल्ली पुलिस ने 4 सितंबर को अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दुकान में दबिश दी। पुलिस टीम ने मौके से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की। मामले में दुकान संचालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार थाना आवापल्ली क्षेत्र में अवैध रूप से शराब रखे जाने और बिक्री किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शराब दुकान आवापल्ली के पास स्थित एक दुकान में दबिश दी।

ग्रामीणों की सतर्कता से प्रेशर आईईडी बरामद

बीजापुर। बीजापुर जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र में ग्रामीणों की सतर्कता और सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जंगल में पुटू (मशरूम) एकत्र करने गए ग्रामीणों को जमीन पर बिछा एक संदिग्ध वायर दिखाई दिया। आशंका होने पर उन्होंने बिना उसे छुए तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर पुराने प्रेशर आईईडी को सुरक्षित तरीके से निष्प्रभावी कर दिया। पुलिस के मुताबिक ग्राम बंदेपारा और पेगड़ापल्ली के कुछ ग्रामीण स्थानीय जंगल में पुटू एकत्र करने गए थे। इसी दौरान उनकी नजर जमीन पर पड़े एक संदिग्ध वायर पर पड़ी। ग्रामीणों ने समझदारी दिखाते हुए न तो वायर को छुआ और न ही उसके आसपास जाने का प्रयास किया।

अंतिम बहस के बाद दो बार बदली तारीखें

झीरम घाटी नक्सली हमले के आरोपी दोषी सिद्ध, एनआईए की विशेष अदालत का फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने 13 साल बाद फैसला सुना दिया है। अदालत ने मामले में सुनवाई पूरी करते हुए एनआईए द्वारा गिरफ्तार सभी 10 आरोपियों को दोषी ठहराया है। अदालत ने सभी दोषियों के लिए सजा का एलान भी कर दिया है। लंबे समय से इस निर्णय का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों के लिए इसे एक बेहद महत्वपूर्ण न्याय माना जा रहा है।

एक आरोपी की पूर्व में हो चुकी मृत्युयः अंतिम बहस में शामिल होने के लिए सेंट्रल जेल जगदलपुर से 10 बंदियों को अदालत में लाया गया था। मामले में कुल 11 आरोपी थे, जिनमें से एक आरोपी की मृत्यु हो चुकी है। कोर्ट ने बचे हुए सभी 10 आरोपियों को कसूरवार पाया है। इससे पहले, अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसले की तारीख दो बार बदली गई थी। पहले निर्णय के लिए 31 अगस्त की तिथि तय की गई थी, जिसके बाद इसे बढ़ाकर 5 सितंबर का दिन तय किया गया।

परिवर्तन यात्रा पर हुआ था हमलाः यह दर्दनाक घटना 25 मई, 2013 को घटी थी, जब प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा सुकमा से वापस लौट रही थी। दरभा क्षेत्र की झीरम घाटी में माओवादियों ने सुनियोजित तरीके से इस पूरे काफिले को निशाना बनाया था। माओवादियों के इस भीषण हमले में कुल 32 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। माओवादियों की इस हिंसक कार्रवाई ने पूरे देश को झकझोर दिया था।

झीरम घाटी में हुए इस घातक हमले में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की जान चली गई थी। हमले में जान गंवाने वालों में प्रदेश कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल और पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा समेत कई प्रमुख चेहरे शामिल थे।

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य व बिंदु

- एनआईए ने पेश की थी 1000 पन्नों की चार्जशीट
- एनआईए ने वर्ष 2015 में कोर्ट में करीब एक हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी।
- चार्जशीट में 11 आरोपियों का उल्लेख किया गया था।
- इनमें से 10 आरोपी जगदलपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।
- अभियोजन पक्ष ने मामले में कुल 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए।
- बचाव पक्ष की ओर से एक भी गवाह पेश नहीं किया जा सका।

निवेशकों का जीता दिल, नामी कंपनियों में बढ़ी मप्र में उद्योग स्थापित करने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नई पावर ट्रांसफ़ॉर्मर विनिर्माण इकाई का सीएम ने किया अवलोकन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार छोटे-बड़े सभी निवेशकों को पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। जहां निवेश है वहां रोजगार है। मप्र ने निवेशकों का दिल और विश्वास जीता है। उन्होंने कहा कि मप्र में औद्योगिक विकास और निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब डाई से लेकर ट्रांसफॉर्मर तक का निर्माण सीहोर में होने लगा है, जो जिले में बढ़ते औद्योगिक विकास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले के बड़ियाखेड़ी में क्रॉम्पटन ग्रीव्स की नई पावर ट्रांसफॉर्मर मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट के शुभारंभ और पहले ट्रांसफॉर्मर के रोल-आउट के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह देश में इस प्रकार की सबसे बड़ी इकाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन्माष्टमी के पावन अवसर पर लगभग 900 करोड़ की लागत से तैयार हुई सीजी पावर एंड इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस की नई पावर ट्रांसफॉर्मर फैक्ट्री का लोकार्पण इस सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सीएम रेखा गुप्ता द्वारका में डीजेजेएस जन्माष्टमी में पहुंची

संगीतमय नाटिकाओं, एआई और सनातन ज्ञान ने श्रीकृष्ण के संदेश को किया जीवंत

नई दिल्ली। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा द्वारका, सेक्टर-10 स्थित डीडीए ग्राउंड में आयोजित 36वें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 2026 का दूसरा दिन आध्यात्मिकता, कला, तकनीक और निस्वार्थ सेवा का एक अद्भुत संगम बना। पहले दिन की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, दूसरे दिन भी भव्य नृत्य-नाटिकाओं, संगीतमय प्रस्तुतियों, एआई-आधारित दृश्यों और सामाजिक-आध्यात्मिक प्रवचनों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन व उनके उपदेशों के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया गया। संध्या का शुभारंभ दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी को समर्पित गुरु वंदना कत्थक और भरतनाट्यम का फ्यूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात श्याम अचानक आई गयी री संत सूरदास जी की काव्य रचना पर आधारित और ऊधो, मोहे ब्रज बिसरत नाही जैसी भावपूर्ण नृत्य-नाटिकाओं की प्रस्तुतियों ने लोगों का दिल जीत लिया। दूसरे दिन की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में ग्वालों की

टोली माखनचोरी लीला और ईश्वर मारते नहीं, तारते हैं जय-विजय का उद्धार जैसी नाट्य-प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहीं। संस्थान के प्रचारकों ने आध्यात्मिक विचारों के माध्यम से श्री कृष्ण के उपदेशों को आधुनिक जीवन, संबंधों और आंतरिक रूपांतरण से जोड़कर प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति ने गरबा और संकीर्तन जैसी विविध पारंपरिक लय का उपयोग करते हुए, ब्रज के बांके बिहारी से लेकर असम के गोविंद तक— श्रीकृष्ण के विभिन्न क्षेत्रीय स्वरूपों को एक धागे में पिरोया।

सलवा जुडूम से नाराजगी, कांग्रेसियों पर निशाना

छग में 2013 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी कांग्रेस जीत के लिए जोर लगा रही थी। भाजपा के रमन सिंह मुख्यमंत्री थे। 25 मई को सुकमा में कांग्रेस की परिवर्तन रैली हुई। इसके बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। 25 गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे। सबसे आगे प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल,उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे। महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू इनसे पीछे वाली गाड़ी में थे। फिर बस्तर के प्रभारी उदय मुदलियार थे। दोपहर साढ़े तीन बजे काफिला झीरम घाटी पहुंचा। नक्सलियों ने पेड़ गिराए हुए थे, रास्ता बंद था। गाड़ियां रुकीं, तो 200 से ज्यादा नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। नंदकुमार पटेल और दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरे, सभी गाड़ियों की जांच की गई। सलवा जुडूम आंदोलन के प्रवर्तक महेंद्र कर्मा मिल गए। नक्सली आंदोलन के कारण महेंद्र कर्मा को दुश्मन मानते थे। महेंद्र कर्मा को 100 से ज्यादा गोलियां मारीं। बाकी नेताओं की भी पहचान की और कत्ल करते गए। 27 मई, 2013 को केंद्र सरकार ने जांच एनआईए को सौंप दी।

सीएम ने मुरैना में आयोजित कृषि महोत्सव को किया वर्चुअली संबोधित

कैलारस शुगर फैक्ट्री को जल्द कराया जाएगा प्रारंभ नगर पंचायत में गीता भवन का किया जाएगा निर्माण

क्षेत्र के किसानों को मिलेगा अपनी उपज का बेहतर लाभ, आर्थिक स्थिति होगी सुदृढ़

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि कैलारस शुगर फैक्ट्री को पुनः प्रारंभ कराया जाएगा। इससे क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज का बेहतर लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। मुरैना में दुग्ध समितियों के माध्यम से दुग्ध संग्रहण को बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किए जाएंगे। मुरैना सहित जिले की प्रत्येक नगर पंचायत में गीता भवन का निर्माण कराया जाएगा। इन भवनों में नागरिकों को अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। जिले के एक विकासखंड में वृंदावन भवन भी बनाया जाएगा। डॉ यादव शुक्रवार को कृषि उपज मंडी परिसर मुरैना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को सीहोर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बलराम कृषि महोत्सव और कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों के प्रति प्रेरित करने की बात कही।

मेधावी विद्यार्थियों, किसानों का सम्मान

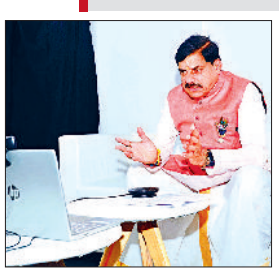

कृषि मंत्री कंसाना ने इस अवसर पर प्रगतिशील किसानों राममोहन मीणा, गिर्राज आदिवासी, उदय राठौर, अरविंद सिंह गुर्जर, बालबिहारी शर्मा, राकेश शर्मा, संजय शर्मा, रामबाबू सिंह, कौशलकिशोर एवं बृजेन्द्र को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मेधावी विद्यार्थियों हर्ष कुशवाह, रिचा तोमर, शिवेन्द्र यादव, अमन शर्मा, रागिनी देवी, हर्षित वशिष्ठ, कृतिका सिकरवार, धर्मेन्द्र धाकड़, रियान खान एवं कु सोनम को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली देने के प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मुरैना जिला गेहूं, धान, तिलहन और दलहन के उत्पादन में अग्रणी रहा है। किसान गेहूं की खेती को बढ़ावा दें। खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी के क्षेत्र में प्रदेश को देश में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। भविष्य में 30 लाख लोगों को सोलर पंप उपलब्ध कराने की योजना है। इससे किसानों को सिंचाई के साथ विद्युत व्यय में भी लाभ मिलेगा।

अग्रणी कृषि उत्पादक राज्यों में मप्र की पहचानः कंसाना

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के अग्रणी कृषि उत्पादक राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। गेहूं, सोयाबीन, चना, दलहन-तिलहन तथा उद्यानिकी के क्षेत्र में प्रदेश के किसान निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। यह उपलब्धि किसानों की मेहनत, कृषि वैज्ञानिकों के ज्ञान और सरकार की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अधिक उत्पादन, अधिक उत्पादकता, बेहतर गुणवत्ता, कम लागत, बेहतर मूल्य और किसान की अधिक आय सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े बिजली उत्पादक एनटीपीसी कोरबा संयंत्र में बड़ा ब्रेकडाउन

कोरबा। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े बिजली उत्पादक एनटीपीसी कोरबा संयंत्र में बड़ा ब्रेकडाउन हो गया। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा बे-ब्रेकर की टेस्टिंग के दौरान आई इलेक्ट्रिकल खराबी के कारण एनटीपीसी कोरबा की सभी सातों इकाइयां एक साथ ट्रिप हो गईं। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात हुई इस घटना के बाद शनिवार दोपहर तक तीन यूनिट बहाल कर दी गई हैं, जबकि चार यूनिट चालू करने का काम जारी है।ब्रेकडाउन के कारण एनटीपीसी कोरबा का 2600 मेगावाट बिजली उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया था। एनटीपीसी कोरबा की स्थापित क्षमता 2600 मेगावाट है, जिसमें 200 मेगावाट की तीन इकाइयां और 500 मेगावाट की चार इकाइयां शामिल हैं। सभी सातों इकाइयों के एक साथ बंद होने से संयंत्र में ब्लैकआउट जैसी स्थिति बन गई थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राम निवास पुत्रः** श्री गोविन्द, **निवासः** गाँवः नंगला खेड़ा, पोस्टः उदेसर, जिलाः फिरोज़ाबाद, यू.पी. एवं दूसरा पताः म.नं. 885, सैक्टर-05, पुष्प विहार, मालवीय नगर, दिल्ली ने **CR No. 13223/2018 U/s 138 NI Act., थानाः दक्षिण रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राम निवास** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राम निवास** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CR No. 13223/2018 U/s 138 NI Act., थानाः दक्षिण रोहिणी, दिल्ली** की उक्त अभियुक्त **राम निवास** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आकांक्षा
जेएमएफसी-03, कमरा नं. 127
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/12595/RD/2026
(Court Notice)

भारत सरकार ने अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि बताई है। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पहले का ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि यह आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के अनुसार अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। यह जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

आधार वर्ष बदला, तराजू नया तो तुलना पुरानी कैसे?

विश्लेषण

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता।

भारत सरकार ने कहा कि अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह सुनकर कई लोग खुश हुए। कुछ लोगों ने कहा कि आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग बोले कि अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। आम आदमी का सवाल साफ है कि सच क्या है? जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता। पुराने तरीके से अप्रैल-जून 2025 की जीडीपी लगभग 86 लाख करोड़ रुपये बताई गई थी। नए तरीके से वही तिमाही लगभग 80 लाख करोड़ रह गई। इस साल अप्रैल-जून 2026 की जीडीपी नए तरीके से लगभग 88 लाख करोड़ बताई गई। अगर कोई 88 की तुलना पुराने 86 से करे तो बढ़ोतरी बहुत छोटी-करीब 2.6 प्रतिशत दिखती है।

सरकार कहती है कि तुलना नए तरीके के पिछले साल यानी करीब 80 से करो। तब नाममात्र बढ़ोतरी 10.3 प्रतिशत और महंगाई निकालकर 7.8 प्रतिशत बनती है। फाइनेशियल एक्सप्रेस के पूर्व संपादक राकेश सूद कहते हैं कि दस-बारह साल में देश बहुत बदल जाता है। पहले जो चीजें ज्यादा बनती थीं, अब उनकी जगह मोबाइल ऐप, डिजिटल पेमेंट और नई सेवाएं आ गईं। पुराने साल को आधार रखने से तस्वीर पुरानी रह जाती है।

दो अलग तरीकों को मिलाना गलत

जीडीपी से निकली महंगाई बाजार की महंगाई से काफी कम दिखती है। कई लोग पूछते हैं-अगर अर्थव्यवस्था इतनी तेज दौड़ रही है तो नौकरियां और आम आदमी की जेब क्यों उतनी नहीं सुधरतीं? रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्री यही पूछते हैं। कांग्रेस कहती है कि कई सालों के आंकड़े बड़ी मात्रा में घटाए गए, पूरा ब्योरा साफ नहीं है। ये सवाल जायज हैं। अच्छा आंकड़ा सिर्फ ऊंचा प्रतिशत नहीं होता। समझ में आने वाला हिसाब और रोजमर्रा की जिंदगी से मेल भी चाहिए। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पुराना ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। पुराने मीटर से मिलाकर निकला 2.6 प्रतिशत तुलना की गलती है। विश्वास तभी बढ़ेगा, जब हर क्षेत्र का साफ हिसाब और पुराने सालों की पूरी तुलना सबके सामने हो।

सिंगल डिफ्लेशन था पुराना तरीका

दुनिया के ज्यादातर देश हर पांच-सात साल में आधार साल बदलते हैं। भारत में यह काम देर से हुआ, क्योंकि बीच में जीएसटी आया और कोविड पड़ा। 2022-23 इसलिए चुना गया कि वह साल ज्यादा असामान्य नहीं माना गया। सिर्फ साल नहीं बदला। अब जीएसटी के आंकड़े, गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, सरकारी खर्च के डिजिटल रिकॉर्ड और नए कीमत सूचकांक भी इस्तेमाल होते हैं। असली जीडीपी निकालने के लिए महंगाई काटनी पड़ती है। इसे डिफ्लेशन कहते हैं। यानी दाम की हवा निकालना, ताकि पता चले कि असल में कितना ज्यादा सामान बना, सिर्फ महंगा तो नहीं हो गया। पुराना तरीका अक्सर सिंगल डिफ्लेशन था। कारखाने की तैयार चीज की कीमत से महंगाई एक बार काट दी जाती थी। दिक्कत यह है कि कारखाने का मुनाफा या मूल्य सिर्फ तैयार माल से नहीं बनता। आटा महंगा हो और रोटी सस्ती बिके, तो बेकर की कमाई घट जाती है।

असली मूल्य-वृद्धि साफ दिखती है

सिर्फ रोटी के दाम से हिसाब लगाने पर असली हाल छिप सकता है। डबल डिफ्लेशन में दो बार काटा जाता है। एक बार तैयार माल की महंगाई काटी जाती है। कितनी रोटियां बनीं। दूसरी बार कच्चे माल की महंगाई काटी जाती है-आटा, तेल, बिजली कितने महंगे हुए। दोनों का अंतर निकालकर पता चलता है कारखाने ने असल में कितना मूल्य जोड़ा। उदाहरण से समझिए। मान लीजिए एक कारखाना पंखे बनाता है। पंखे के दाम 8 प्रतिशत बढ़े, लेकिन लोहा और मोटर 12 प्रतिशत महंगे हो गए। सिंगल तरीके में सिर्फ पंखे की महंगाई काटने से उत्पादन अच्छा दिख सकता है। डबल तरीके में महंगे कच्चे माल को भी हिसाब में लिया जाता है, इसलिए असली मूल्य-वृद्धि कम या ज्यादा साफ दिखती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, खासकर आईएमएफ, विनिर्माण के लिए इसी तरीके को बेहतर मानती हैं। भारत ने नई श्रृंखला में कारखानों के लिए इसे बढ़ाया है।

आधार साल बदलना आम चलन

पहले कई जगह पुराने थोक महंगाई सूचकांक पर ज्यादा निर्भरता थी। कुछ जानकार कहते हैं सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मापदंड तोड़े। कहानी उलटी है। आईएमएफ ने पहले भारत के जीडीपी आंकड़ों को "सी" ग्रेड दिया था। कारण थे बहुत पुराना आधार साल और कमजोर नापने का तरीका। नई श्रृंखला इन्हीं कमियों को ठीक करने की कोशिश है। आधार साल बदलना नियम तोड़ना नहीं, आम चलन है। एक तिमाही में अचानक बड़ी गिरावट दिखना आम आदमी को शक दिलाता है। पूर्व मुख्य सांख्यिकी विद प्रणब सेन ने कहा कि आंकड़े फर्जी नहीं लगते, लेकिन दिखने का तरीका खराब है। पुरानी गणना में अर्थव्यवस्था कुछ ज्यादा बड़ी बताई जा रही थी, नई गणना ने उसे काटा। एक ही नए तरीके के अंदर हिसाब लगाएं तो 7.8 प्रतिशत सही गणना है। 2.6 प्रतिशत तब निकलता है जब पुराना तराजू और नया तराजू मिला दिए जाएं। सांख्यिकी में यह मिलावट गलत मानी जाती है।

उथल-पुथल के बावजूद नहीं थमी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

आर्थिकी

योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

आज भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। इतनी बड़ी आबादी वाले देश को आर्थिक और सामाजिक स्तर पर संभालना अपने आप में बड़ी चुनौती है। भारत की आबादी कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है और कई देशों की आबादी जितनी है, उतनी हमारे एक राज्य की आबादी है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, सप्लाई चेन में व्यवधान और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत मजबूत रफ्तार बनाए रखी है।

अप्रैल-जून 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो बाजार और आरबीआई के अनुमान से भी अधिक थी। यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। पहली तिमाही में निजी खपत करीब 7.1 प्रतिशत बढ़ी। इसका अर्थ है कि वैश्विक मांग कमजोर होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह निर्यात पर निर्भर नहीं है। देश के भीतर बढ़ती खपत आर्थिक गतिविधियों को लगातार सहारा दे रही है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, मेट्रो, बिजली और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सरकारी निवेश लगातार बढ़ा है। इससे निर्माण क्षेत्र के साथ-साथ उससे जुड़े उद्योगों में भी मांग पैदा हुई है। अप्रैल-जुलाई 2026 में केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च करीब 30 प्रतिशत बढ़ा।यह निवेश केवल तत्काल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि भविष्य की उत्पादन क्षमता और रोजगार के लिए भी आधार तैयार करता है। अब केवल सरकार ही निवेश का इंजन नहीं है। अप्रैल-जून तिमाही में निजी निवेश में करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन यानी जीएफसीएफ जीडीपी के 34.3 प्रतिशत तक पहुंच गया। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी अर्थव्यवस्था के विस्तार को अधिक टिकाऊ बनाने का कार्य हुआ है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में करीब 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और आईटी से जुड़े क्षेत्रों में लगभग 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत की मजबूत सर्विस अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक झटकों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच बनकर उभरी है।डिजिटल भुगतान, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग प्रणाली के विस्तार ने अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को औपचारिक बनाने में मदद की है। इससे टैक्स संग्रह, क्रेडिट की उपलब्धता और कारोबार की निगरानी में सुधार हुआ है। जीसीआरए ने भी जीएसटी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भारत की आर्थिक मजबूती के महत्वपूर्ण आधारों में शामिल किया है। जीडीपी की 7-8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से अच्छी खबर है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इस आर्थिक वृद्धि का पर्याप्त लाभ रोजगार और आम लोगों की आय में भी दिखाई दे रहा है? यही भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। तेज आर्थिक वृद्धि को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार में बदलना होगा। मजदूरी में वृद्धि और लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। केवल जीडीपी का बढ़ना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसका लाभ समाज के व्यापक हिस्से तक नहीं पहुंचता। भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है। कृषि क्षेत्र भी अभी मौसम और सिंचाई पर काफी निर्भर है। कमजोर मानसून का असर सीधे ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। इसलिए सिंचाई, कृषि तकनीक और भंडारण व्यवस्था में निवेश बढ़ाना जरूरी है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में भू-राजनीतिक संकट के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर महंगाई और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है।जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत रही, जबकि खाद्य महंगाई 5.52 प्रतिशत तक पहुंच गई। ऐसे में ऊर्जा और खाद्य कीमतों पर नियंत्रण आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आईटी से आगे बढ़ना अनिवार्य है। भारत की आईटीऔर डिजिटल सेवाएं वैश्विक स्तर पर मजबूत हैं, लेकिन निर्यात को और व्यापक बनाने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, मशीनरी, टेक्सटाइल और अन्य विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में बड़े स्तर पर विस्तार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में और मजबूत स्थान दिला सकता है। आगे की राह भी अनिवार्य है।भारत की आर्थिक मजबूती का मौजूदा मॉडल तीन प्रमुख स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है—घरेलू खपत, सरकारी पूंजीगत निवेश और तेजी से बढ़ता निजी निवेश। वैश्विक संकट के बीच यही संयोजन भारतीय अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत मजबूती प्रदान कर रहा है। लेकिन अगले चरण की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। भारत को तेज जीडीपी वृद्धि को तेज रोजगार, बढ़ती मजदूरी और व्यापक समृद्धि में बदलना होगा। यानी भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी।

भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है।

वैचारिक मतभेद बनाम निजी खुन्नस

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिमी एशिया और रूस-यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रहीं हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आया कि देश की जीडीपी की विकासदर 7.8 प्रतिशत रही है, अव्वल तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है।

इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों की कोई पूर्व रसूखदार अधिकारी खिल्ली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ता तो हैरत ही होती, लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ी वैचारिक खाई निजी खुन्नस और दुश्मनी तक पहुंच गई है। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक-दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है। ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखालफत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अगुआई नहीं करता। भारत ने जब-जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके साथ रहा। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान नहीं लगाए थे। आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष सबूत मांगेगा। इसी तरह जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है। चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार-बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीयता बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की जुबान नहीं रुकी। इसी तरह बीते लोकसभा चुनाव के बाद अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में राहुल ने कहा था, 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा हुआ है, अब यह लड़ रहा है। 'इसी तरह सितंबर 2023 में राहुल ने यूरोपीय यूनियन को संबोधित करते हुए ब्रसेल्स में कहा था कि भारत में भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है। इस तरह के बयानों से राहुल जहां भारत के आंतरिक मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते रहे हैं, वहीं इसके जरिए वे भारतीय संस्थाओं को खुद ही बदनाम करते हैं। ऐसे बयानों से अक्सर वे भारत को ही सवालों के घेरे में रखते हैं और इस तरह देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह-जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है। विपक्ष को भूलना नहीं चाहिए कि ऐसे सवाल उठाकर वह भारतीय सरकार को नहीं, भारत की छवि को खराब कर रहा है। उसे देखना होगा कि भारत के आंकड़ों को विश्व बैंक ने भी मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल विपक्षी सोच पर भी उठता है। उसे भी सोचना होगा कि राष्ट्रीय विकास और हित में उसकी भी अपनी सकारात्मक भूमिका है और उसे निभाना होगा।

विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है।

बेतुके तर्कों के गढ़ते नेगेटिव नैरेटिव

विवाद

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय लेखा प्रणाली में डेटा और सांख्यिकीय पद्धतियों का बहुत महत्व है। जब देश के वित्त सचिव पद पर रह चुका वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर की गणना पर सवाल उठाता है तो बहस का विषय बनना स्वाभाविक है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग द्वारा जीडीपी आंकड़ों पर दिए तर्क के बाद देश के आर्थिक और राजनीतिक हलकों में एक तीखी बहस छिड़ गई। गर्ग का दावा था कि देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% न होकर मात्र 2.6% के आसपास है।

उनके दावे के बाद आर्थिक सांख्यिकी विशेषज्ञों, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और आर्थिक सलाहकारों ने उनके विश्लेषण की बुनियादी खामियों को उजागर किया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आधार वर्ष 2022-23 की नई जीडीपी सीरीज के तहत वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के अनुसार पहली तिमाही की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% और सांकेतिक जीडीपी 88.27 लाख करोड़ है। सुभाष चंद्र गर्ग का तर्क था कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही की नॉमिनल जीडीपी का आंकड़ा पुरानी सीरीज (2011-12 आधार वर्ष) के तहत 86.05 लाख करोड़ बताया गया था। जब सरकार ने नई सीरीज (2022-23 आधार वर्ष) जारी की तो उन्होंने पहली तिमाही के नॉमिनल जीडीपी के आंकड़े को संशोधित कर 80.00 लाख करोड़ कर दिया। गर्ग का आरोप है कि सरकार ने पिछले साल के जीडीपी आंकड़े में लगभग 6 लाख करोड़ का बेस घटाकर चालू वर्ष की वृद्धि दर को कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दिखाया है। वास्तविक आधार पर देश की आर्थिक वृद्धि शून्य के करीब है।

अर्थशास्त्र और राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों के तहत सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों। गर्ग ने अंश (न्यूमिनेटर) में नई सीरीज (बेस ईयर 2022-23) का आंकड़ा (88.27 लाख करोड़) और हर (डिनोमिनेटर) में पुरानी सीरीज (बेस ईयर 2011-12) का आंकड़ा (86.05 लाख करोड़) रख दिया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और आर्थिक सलाहकारों ने इसे 'सेब की तुलना संतरों से करना' करार दिया। जब भी सांख्यिकी मंत्रालय आधार वर्ष बदलता है तो वह पुरानी ऐतिहासिक श्रृंखला को नई कार्यप्रणाली और व्यापक डेटा कवरेज के आधार पर पुनः कैलकुलेट करता है। नई 2022-23 सीरीज में केवल कीमतें ही नहीं बदलीं, बल्कि जीएसटी डेटा का व्यापक समावेश, नए कॉर्पोरेट फाइलिंग और डबल डिफ्लेशन जैसे सुधार लागू किए गए। जब पहली तिमाही को नई सीरीज के तहत पुनः मापा गया तो सही नॉमिनल बेस 80.00 लाख करोड़ निकला। नई सीरीज के समान मानकों पर वृद्धि दर की सही सांख्यिकीय तुलना की गई। जब नॉमिनल ग्रोथ 10.3% रही और जीडीपी डिफ्लेटर का प्रभाव हटाया गया तो वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% ही निकलती है। गर्ग ने 2.6% की जिस दर की बात की वह नॉमिनल वृद्धि दर की गलत तुलना थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे इस तरह पेश किया जैसे यह देश की वास्तविक विकास दर हो। एक पूर्व वित्त सचिव द्वारा महंगाई-समायोजित रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी के बुनियादी अंतर की उपेक्षा करना बेहद चौंकाने वाला माना गया। एक शीर्ष आईएएस अधिकारी और पूर्व वित्त सचिव के दावे का व्यापक विरोध और उपहास होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य था। यही वजह रही कि आर्थिक जगत, सांख्यिकी मंत्रालय और नीति-निर्माताओं ने एक स्वर में उनके दावे को खारिज कर दिया।

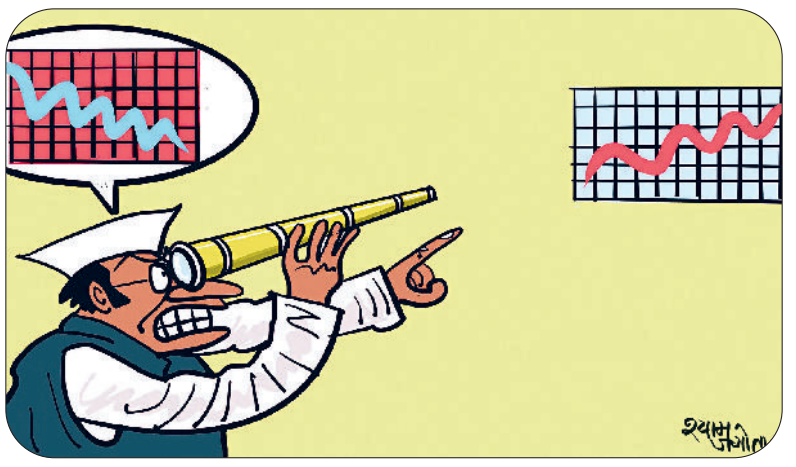

सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों।

मोदी का एसआरसीसी कार्यक्रम 'दिखावटी पीआर एक्सरसाइज': कन्हैया कुमार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में आयोजित कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को तीखा हमला बोला। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता कन्हैया कुमार ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरह युवाओं और छात्रों के बीच पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मोदी के कार्यक्रम को 'दिखावटी पीआर एक्सरसाइज' करार देते हुए कहा कि इसका मकसद छात्रों के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय आगामी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीपी) को राजनीतिक लाभ पहुंचाना है।

कन्हैया कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे 'छात्रों की गूंज' अभियान को मिल रहे व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री परेशान और असहज नजर आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से प्रधानमंत्री ने एसआरसीसी में रात के समय कार्यक्रम किया, क्योंकि उन्हें आशंका थी कि दिन में कॉलेज आने पर छात्रों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में सभी छात्रों और पूर्व छात्रों को शामिल होने का अवसर नहीं दिया गया और दर्शकों का चयन पहले से किया गया था। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों के प्रधानमंत्री से सवाल पूछने की संभावना थी, उनमें से कई को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया और कई को घरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई।

कन्हैया कुमार ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री वास्तव में छात्रों से संवाद करना चाहते हैं तो उन्हें शिक्षा, रोजगार, बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए थी। उन्होंने जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने यह बताने की कोशिश नहीं की कि देश में स्कूल क्यों बंद हो रहे हैं, युवाओं में बेरोजगारी की स्थिति क्या है और नीट पेपर लीक के बाद छात्रों की आत्महत्या के मामलों पर सरकार का क्या रुख है। कांग्रेस नेता ने राम मंदिर में कथित चंदा चोरी, पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी प्रधानमंत्री को घेरा।

महंगाई के मुद्दे पर कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री के महंगाई नियंत्रण संबंधी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि चीनी की कीमत 70 रुपये प्रति किलो से ऊपर पहुंच गई है। उन्होंने पेट्रोल की कीमतों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि इथेनॉल रहित पेट्रोल की कीमत 168 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है, जबकि यूपीए सरकार के दौरान यह 71 रुपये प्रति लीटर थी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान को मिल रहा समर्थन देश में बदलाव का संकेत है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर गुजरते दिन के साथ जनता के सामने 'एक्सपोज' हो रहे हैं।

एसआरसीसी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कन्हैया कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री वहां न तो अपनी डिग्री दिखाने आए थे और न ही दिल्ली विश्वविद्यालय से कोई डिग्री लेने। उनके मुताबिक, कार्यक्रम का वास्तविक उद्देश्य आगामी छात्रसंघ चुनाव में एबीपी की मदद करना था। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव 18 सितंबर को प्रस्तावित हैं।

कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री को 2013 में उनके एसआरसीसी दौरे की याद दिलाते हुए कहा कि उस समय छात्रों को प्रधानमंत्री से सवाल पूछने की आजादी थी और लोकतांत्रिक माहौल था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब छात्रों को सवाल पूछने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि 2013 में एबीपी ने छात्रों को मेट्रो पास उपलब्ध कराने का वादा किया था। कन्हैया कुमार ने सवाल किया कि अब केंद्र और दिल्ली दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद छात्रों को मुफ्त मेट्रो पास देने में क्या परेशानी है। उन्होंने प्रधानमंत्री को चुनौती दी कि वह अगले दिन तक दिल्ली के छात्रों के लिए मुफ्त मेट्रो पास की घोषणा करें।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि यदि वह वास्तव में छात्रों की समस्याओं को समझना चाहते हैं तो उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी हॉस्टल में एक रात बितानी चाहिए। इससे उन्हें छात्रों को होने वाली वास्तविक परेशानियों और उनके सामने मौजूद चुनौतियों का जमीनी अनुभव मिल सकेगा।

पेपर लीक पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला

झारखंड में पेपर लूट की गई कांग्रेस ने चुप्पी साधी क्यों?

भाजपा सांसद सुधांशु का झारखंड की सहायक वन संरक्षक, वन क्षेत्र पदाधिकारी परीक्षाओं पर गंभीर आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली में झारखंड की सहायक वन संरक्षक और वन क्षेत्र पदाधिकारी परीक्षाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र रखे गए स्ट्रॉन्ग रूम में सेंध लगाई गई। प्रश्नपत्र बाहर निकाले गए और उनमें बदलाव किए गए। त्रिवेदी ने इसे 'पेपर लूट' करार दिया। त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली में परीक्षाओं के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने वाले राजनीतिक दल झारखंड की घटना पर चुप हैं। विपक्षी दल इस मामले में 'गांधी के तीन बंदरों' की तरह व्यवहार कर रहे हैं। इससे अभ्यर्थियों और देशभर के युवाओं में इस मुद्दे पर विपक्ष की चुप्पी को लेकर नाराजगी है। त्रिवेदी ने इसे 'बहुत नाइंसाफी' बताया और कहा कि राहुल गांधी तथा खरगे इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने खरगे पर कहा कि वे राहुल के पिता से भी उम्र में बड़े हैं और उन्हें राहुल का मार्गदर्शन करना चाहिए।

राहुल 'मुल्लाओं और मौलवियों' के संरक्षक

उन्होंने कहा कि राहुल के आने पर उनका परिचय 'मुल्लाओं और मौलवियों के संरक्षक, सनातन धर्म के विनाशक और घुसपैठियों के रक्षक' के रूप में कराया जाना चाहिए। राहुल 'पितृसत्ता खत्म करो' का नारा देते हैं, जबकि कांग्रेस में महिला मंत्रियों को हटाया जा रहा है। कांग्रेस में महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिए जाने पर कहा कि कांग्रेस 4 राज्यों में सत्ता में है, लेकिन उसके पास केवल 3 महिला मंत्री हैं।

मोदी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को पंगु बनाया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को पंगु बना दिया है और इसे व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है। भारत के युवाओं की एक पूरी पीढ़ी के भविष्य को लापरवाही से नष्ट और कुर्बान कर दिया गया है। भाजपा की सरकार में रोजाना 25 सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं। कुल स्कूलों में सरकारी स्कूलों की भागीदारी 71 से गिरकर 49 प्रतिशत हो गई है।

देश की शिक्षा व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवाल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि

वर्तमान समय में देश की शिक्षा व्यवस्था कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है और अब ऐसी व्यवस्था बनाने की जरूरत है, जहां हर छात्र को समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और एक उज्ज्वल भविष्य मिले। गांधी ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था हमारे सामने कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। राहुल ने जोर दिया, हमें मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी है, जहां हर छात्र को समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और एक उज्ज्वल भविष्य मिले।।

'सपा के पीडीए का मतलब पराया, धन, अपना'

लखनऊ। भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े ने शनिवार को सपा के पीडीए फॉर्मूले का जिक्र कर कहा कि 'सपा के पीडीए का मतलब है पराया, धन, अपना। भाजपा का उत्तर प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार यहां पहुंचे तावड़े ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही। तावड़े ने चुनाव में भाजपा की तीसरी बार सरकार का दावा किया।

कंगना ने अफसरों को फटकारा, एक्टिंग मत करो

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना रणौत ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। कंगना ने कहा कि बैठक कर समय की बर्बादी की जा रही है। बीते मार्च-अप्रैल तक दो वर्षों में जारी 11 करोड़ में से एक करोड़ भी खर्च नहीं हुआ था। कई कुंडली मारकर बैठे हैं।

जाति जनगणना के बहाने...

'कुटिल राजनीतिक खेल' खेल रही मोदी सरकार: जयराम रमेश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने देश में होने वाली आगामी जनगणना 2027 को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने

सरकार की तैयारियों को बेहद खराब प्लानिंग का हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि इसके पीछे भाजपा के 'कुटिल राजनीतिक हिसाब-किताब' छिपे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि आगामी जनगणना में जाति से जुड़ा 'सवाल नंबर 10' जानबूझकर इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे जाति जनगणना की पूरी कवायद ही निरर्थक और बेअसर हो जाएगी।

चुनावी राज्यों में पहले गणना पर खड़े किए सवाल

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि जो जनगणना वास्तव में 2021 में होनी थी, वह अब 2027 में होने जा रही है। इसके तहत फरवरी 2027 में होने वाली जनसंख्या गणना की प्रक्रिया को उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में पहले ही शुरू कर दिया गया है। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा, "यह पहले से मालूम था कि इन राज्यों में अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। फिर भी टाइमिंग में यह बदलाव किया गया, जो बेहद खराब प्लानिंग को दिखाता है। अचानक आई यह समझदारी किसी राजनीतिक साजिश की ओर इशारा करती है।

'सवाल नंबर 10' से पूरी एक्सरसाइज होगी बेअसर

विपक्ष का सबसे बड़ा आरोप जनगणना के प्रश्नावली फॉर्म में शामिल सवाल नंबर 10 को लेकर है, जो नागरिकों की जाति से संबंधित है। कांग्रेस के अनुसार, इस सवाल का ढांचा जान-बूझकर उलझाऊ और दोषपूर्ण रखा गया है। इसके जरिए जातियों के सटीक आंकड़े जुटाना असंभव हो जाएगा।

विपक्ष के सुझावों को किया गया नजरअंदाज

जयराम रमेश ने बताया कि इस विसंगति को दूर करने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 20 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा था। पत्र के जरिए कांग्रेस ने सरकार से मांग की थी कि जनगणना में बिहार और तेलंगाना के प्रश्नावली मॉडल को अपनाया जाए, जहां तकनीकी सुधारों और सटीक कोड के जरिए जाति सर्वेक्षण कराया गया था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार ने विपक्ष के इन सभी रचनात्मक सुझावों और सुधार की अपीलों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।

बिहार में बाढ़ का कहर, कई क्षेत्रों में मचा हाहाकार

पटना समेत कई जिलों में तबाही, 6.65 लाख लोग प्रभावित

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में गंगा, पुनपुन, दरधा, गंडक समेत प्रमुख नदियों के बढ़ते जलस्तर ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर और भागलपुर में गंगा कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं 18 जिलों में बाढ़ का पानी फैलने से 6.65 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

दियारा इलाकों से बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। कई जगह सड़कें और गांव जलमग्न हो गए हैं।

प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति, तटबंधों की सुरक्षा और राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा के निर्देश दिए हैं।

विभाग ने सतर्कता के दिए निर्देश

जल संसाधन विभाग के अभियंता प्रमुख ने सभी जिला पदाधिकारी और एसपी को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। शनिवार को गांधीघाट गेज स्थल पर गंगा का जलस्तर 50.51 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 1.91 मीटर ऊपर है। इससे खासकर दियारा और नदी के प्रवाह क्षेत्र में दबाव बढ़ सकता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी मंजीत सिंह उर्फ हैप्पी पुत्रः** सुरेंद्र सिंह **पताः** अशोक विहार कॉलोनी रणहौला, दिल्ली **एवं:** मकान नंबर ए18, तिलानपुर कोटला, दिल्ली **FIR No. 026324/2017, U/S: 411/482 IPC, थानाः हरी नगर, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मंजीत सिंह उर्फ हैप्पी**, मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मंजीत सिंह उर्फ हैप्पी**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **मंजीत सिंह उर्फ हैप्पी, FIR No. 026324/2017, U/S: 411/482 IPC, थानाः हरी नगर, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–II
वेस्ट कोर्ट नंबर 31
तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/12454/WD/2026
(Court Matter)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग)

Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्र./2718/ न.पा.नि./ लो.नि.शाखा / 2026 — बीरगांव, दिनांक 02/09/2026

:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::

E-Procurement Tender Notice 2nd Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत बंजारी मंदिर चौक से बस स्टैण्ड होते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रावांभाठा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य (निविदा राशि रू. 530.23) लाख के लिए System Tender No 198782 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.O.R. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (**System Tender** 198782, **Bid Start Date**- 03.09.2026, **Bid Due date**- 21.09.2026, **Physical Submission Last Date**- 24.09.2026, **Open Date**- 25.09.2026) तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला – रायपुर (छ.ग.)

"Say No To Plastic Bags, Save Earth" "Use e-mail Save Tree"

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2026

आगामी त्यौहारों के अवसर पर रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाडियाँ नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित करने का निर्णय लिया गया है:–

04209/04210 वाराणसी – दिल्ली जं – वाराणसी आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 50 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04209		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04210	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22:15	वाराणसी	09:50	--
13:45	--	दिल्ली ज.	--	18:50

चलने के दिन: **04209 वाराणसी** से प्रत्येक (शुक्रवार, सोमवार एवं बुधवार) को दिनांक 02.10.2026 से 27.11.2026 तक एवं **04210 दिल्ली जं** से प्रत्येक (शनिवार, मंगलवार एवं गुरूवार) को दिनांक 03.10.2026 से 28.11.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: माँ बेल्हा देवी धाम, रायबरेली, लखनऊ, हरदोई, रामपुर, मुरादाबाद, गजरौला जंक्शन, हापुड, गाजियाबाद और नई दिल्ली स्टेशन।

04213/04214 अयोध्या कैंट – आनन्द विहार टर्मिनल – अयोध्या कैंट आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 36 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04213		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04214	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	18:20	अयोध्या कैंट	22:00	--
06:10	--	आनन्द विहार टर्मिनल	--	09:00

चलने के दिन: **04213 अयोध्या कैंट** से प्रत्येक (गुरूवार एवं रविवार) को दिनांक 01.10.2026 से 29.11.2026 तक एवं **04214 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रत्येक (शुक्रवार एवं सोमवार) को दिनांक 02.10.2026 से 30.11.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: बाराबंकी, लखनऊ, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा, हापुड़ और गाजियाबाद स्टेशन।

04512/04511 चण्डीगढ़ – पटना जं – चण्डीगढ़ आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04512		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04511	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:35	चण्डीगढ़	21:40	--
21:15	--	पटना जं	--	23:15

चलने के दिन: **04512 चण्डीगढ़** से प्रत्येक गुरूवार को दिनांक 01.10.26 से 26.11.26 तक एवं **04511 पटना जं** से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 02.10.26 से 27.11.26 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: अम्बाला कैंट, सहारनपुर, रूड़की, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., सुल्तानपुर, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन।

04616/04615 फिरोज़पुर कैंट जं – पटना जं – फिरोज़पुर कैंट जं आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 16 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04616		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04615	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	12:00	फिरोज़पुर कैंट जं	23:55	--
18:35	--	पटना जं	--	20:20

चलने के दिन: **04616 फिरोज़पुर कैंट जं.** से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 06.10.26 से 24.11.26 तक एवं **04615 पटना जं** से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 07.10.26 से 25.11.26 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: मोगा, लुधियाना, अंबाला कैंट जं., यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, रूड़की, नजीबाबाद जं., मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर जं., हरदोई, बालामऊ जं., आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. जंघई जंक्शन, वाराणसी, पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, रघुनाथपुर, आरा और दानापुर स्टेशन।

02456/02455 नई दिल्ली – कानपुर सेंट्रल – नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 98 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02456		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02455	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	07:45	नई दिल्ली	20:20	--
13:15	--	कानपुर सेंट्रल	--	15:00

चलने के दिन: **02456 नई दिल्ली** से एवं **02455 कानपुर सेंट्रल** से प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार व शनिवार को दिनांक 07.09.2026 से 30.11.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता. एवं शयनयान।
ठहराव: अलीगढ़ जं और इटावा स्टेशन।

04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनल – लौकहा बाजार – आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 150 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04014		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04013	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:40	आनन्द विहार टर्मिनल	03:15	--
20:15	--	लौकहा बाजार	--	21:30

चलने के दिन: **04014 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रतिदिन दिनांक 16.09.26 से 29.11.26 तक एवं **04013 लौकहा बाजार** से प्रतिदिन दिनांक 17.09.26 से 30.11.26 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, शिशो, सकरी जं., झंझारपुर जं. और वाचस्पति नगर स्टेशन।

04002/04001 हज़रत निज़ामुद्दीन जं – दादर – हज़रत निज़ामुद्दीन जं आरक्षित त्यौहार विशेष सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04002		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04001	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:45	हज़रत निज़ामुद्दीन जं	21:35	--
22:40	--	दादर	--	00:15

चलने के दिन: **04002 हज़रत निज़ामुद्दीन जं** से प्रत्येक मंगलवार दिनांक 13.10.2026 से 24.11.2026 तक एवं **04001 दादर** से प्रत्येक गुरूवार, दिनांक 15.10.2026 से 26.11.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता. 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.।
ठहराव: कोसी कलां, मथुरा, गंगापुर सिटी, कोटा, रतलाम, वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशन।

04227/04228 वाराणसी जं. – चण्डीगढ़ – वाराणसी जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 36 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04227		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04228	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	11:05	वाराणसी जं.	00:55	--
04:20	--	चण्डीगढ	--	06:00

चलने के दिन: **04227 वाराणसी जं.** से प्रत्येक (गुरूवार एवं रविवार) को दिनांक 01.10.2026 से 29.11.2026 तक एवं **04228 चण्डीगढ़** से प्रत्येक (शुक्रवार एवं सोमवार) को दिनांक 02.10.2026 से 30.11.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: माँ बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ जं., रायबरेली जं., लखनऊ, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद, रूड़की, सहारनपुर और अम्बाला कैंट जं. स्टेशन।

04008/04007 आनन्द विहार टर्मिनल – जोगबनी – आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04008		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04007	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:30	आनन्द विहार टर्मिनल	03:00	--
15:00	--	जोगबनी	--	18:30

चलने के दिन: **04008 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 10.10.26 से 07.11.26 तक एवं **04007 जोगबनी** से प्रत्येक रविवार को दिनांक 11.10.26 से 08.11.26 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गाजियाबाद, हापुड, गढ़मुक्तेश्वर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट और फारबिसगंज जं. स्टेशन।

04028/04027 आनन्द विहार टर्मिनल – मुज़फ्फरपुर जं – आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04028		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04027	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	09:15	आनन्द विहार टर्मिनल	05:30	--
04:30	--	मुज़फ्फरपुर जं	--	06:15

चलने के दिन: **04028 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रत्येक (मंगलवार एवं शुक्रवार) को दिनांक 13.10.2026 से 24.11.2026 तक एवं **04027 मुज़फ्फरपुर जं** से प्रत्येक (बुधवार एवं शनिवार) को दिनांक 14.10.2026 से 25.11.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं. स्टेशन।

04010/04009 दिल्ली जं. – सीतामढ़ी – दिल्ली जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 12 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04010		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04009	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:05	दिल्ली जं.	20:30	--
23:30	--	सीतामढ़ी	--	00:45

चलने के दिन: **04010 दिल्ली जं.** से प्रत्येक गुरूवार को दिनांक 15.10.2026 से 19.11.2026 तक एवं **04009 सीतामढ़ी** से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 17.10.2026 से 21.11.2026 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा जं., गोरखपुर, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया स्टेशन।

02458/02457 आनन्द विहार टर्मिनल – कानपुर सेंट्रल – आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्यौहार विशेष सुपरफास्ट एक्सप्रेस — 72 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02458		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02457	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	08:20	आनन्द विहार टर्मिनल	20:10	--
13:15	--	कानपुर सेंट्रल	--	15:00

चलने के दिन: **02458 आनन्द विहार टर्मिनल** से एवं **02457 कानपुर सेंट्रल** से प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार व रविवार को दिनांक 08.09.2026 से 29.11.2026 तक।
स्थान: 3 टियर वाता. एवं शयनयान।
ठहराव: अलीगढ़ जं और इटावा स्टेशन।

04314/04313 योग नगरी ऋषिकेश – मुज़फ्फरपुर जं – योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04314		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04313	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15:20	योग नगरी ऋषिकेश	11:15	--
11:45	--	मुज़फ्फरपुर जं.	--	13:15

चलने के दिन: **04314 योग नगरी ऋषिकेश** से प्रत्येक रविवार, दिनांक 04.10.2026 से 29.11.2026 तक एवं **04313 मुज़फ्फरपुर जं** से प्रत्येक सोमवार, दिनांक 05.10.2026 से 30.11.2026 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: हरिद्वार जंक्शन, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, सीवान, छपरा, सोनपुर और हाजीपुर स्टेशन।

04096/04095 आनन्द विहार टर्मिनल – पाटलिपुत्र – आनन्द विहार टर्मिनल आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 120 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04096		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04095	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	00:05	आनन्द विहार टर्मिनल	21:30	--
23:00	--	पाटलिपुत्र	--	00:45

चलने के दिन: **04096 आनन्द विहार टर्मिनल** से प्रतिदिन दिनांक 01.10.26 से 29.11.26 तक एवं **04095 पाटलिपुत्र** से प्रतिदिन दिनांक 02.10.26 से 30.11.26 तक।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना, बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा जं. एवं दिघवारा स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लार्जकैप की गिरावट क्या निवेश का मौका

मिड-स्मॉलकैप की तेजी के बाद पोर्टफोलियो रीबैलेंस करने पर विचार ■ 2026 में अब तक लार्जकैप फंड औसतन 2.36 फीसदी नीचे ■ मिडकैप ने 8.47 फीसदी और स्मॉलकैप ने 15.32फीसदी रिटर्न दिया ■ विशेषज्ञों की सलाह-तेजी वाली श्रेणियों में कुछ मुनाफावसूली कर जोखिम के मुताबिक संतुलन बनाएं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में 2026 के दौरान अलग-अलग आकार की कंपनियों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला है। इस साल अब तक लार्जकैप म्यूचुअल फंडों का औसत रिटर्न 2.36 प्रतिशत नकारात्मक रहा है। इसके उलट मिडकैप फंडों ने औसतन 8.47 प्रतिशत और स्मॉलकैप फंडों ने 15.32 प्रतिशत रिटर्न दिया है। आंकड़ों का यह अंतर उन निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके पोर्टफोलियो में तीनों श्रेणियों के फंड शामिल हैं। मिडकैप और स्मॉलकैप में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब सवाल यह है कि क्या निवेशकों को इन श्रेणियों में तेजी का फायदा उठाकर कुछ मुनाफा सुरक्षित करना चाहिए और लार्जकैप में पैसा बढ़ाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका जवाब किसी एक श्रेणी को चुनने के बजाय पोर्टफोलियो के मौजूदा संतुलन, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि में छिपा है।

तेजी के बाद मुनाफावसूली पर विचार करना जरूरी

मनी हनी फाइनेंशियल सर्विसेज के संस्थापक अनूप भैया के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग पर विचार करना चाहिए। मिडकैप और स्मॉलकैप में अच्छी तेजी के बाद निवेशक इन फंडों में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा सुरक्षित कर सकते हैं। इस रकम के एक हिस्से को लार्जकैप फंडों में लगाया जा सकता है। इस रणनीति का मकसद किसी एक श्रेणी से पूरी तरह बाहर निकलना नहीं है। बल्कि लंबे समय के लिए तय किए गए परिसंपत्ति-वितरण को बनाए रखना है। मसलन, अगर किसी निवेशक ने शुरुआत में अपने इक्विटी पोर्टफोलियो का एक निश्चित हिस्सा मिडकैप और स्मॉलकैप में रखने का फैसला किया था और तेजी के कारण इनकी हिस्सेदारी काफी बढ़ गई है, तो कुछ मुनाफावसूली करके मूल अनुपात के करीब लौटना जोखिम को नियंत्रित करने का तरीका हो सकता है।

लार्जकैप में गिरावट को अवसर की तरह देखें

लार्जकैप फंडों के नकारात्मक रिटर्न को देखकर निवेशकों में चिंता होना स्वाभाविक है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में कमजोर प्रदर्शन करने वाली श्रेणी को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बड़े और स्थापित कारोबार वाली कंपनियों के शेयरों में आई नरमी कुछ निवेशकों के लिए लंबी अवधि में अवसर भी बन सकती है। मौजूदा स्तरों पर लार्जकैप कंपनियों के मूल्यांकन पहले की तुलना में अधिक संतुलित हो रहे हैं। ऐसे में लंबी निवेश अवधि वाले निवेशक एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

मिडकैप-स्मॉलकैप से पूरी तरह निकलना जरूरी नहीं

मिडकैप और स्मॉलकैप ने इस साल बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि निवेशकों को इनसे पूरी तरह पैसा निकाल लेना चाहिए। अरिहंत कैपिटल मार्केट्स की मुख्य रणनीति अधिकारी श्रुति जैन के मुताबिक, तेजी के बाद कुछ मुनाफा बुक करना अच्छी आदत है, लेकिन इसे इन श्रेणियों से पूरी तरह बाहर निकलने का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में लंबे समय में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी लार्जकैप की तुलना में अधिक हो सकता है।

लंबे समय के निवेशक क्या करें

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए लार्जकैप और मिडकैप को पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा रखना बेहतर रणनीति हो सकती है, जबकि स्मॉलकैप में सीमित हिस्सेदारी रखी जा सकती है। इसका कारण यह है कि लार्जकैप अपेक्षाकृत स्थापित कंपनियों में निवेश का मौका देते हैं, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में वृद्धि की संभावनाओं के साथ जोखिम भी अधिक रहता है। निवेशक समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा कर सकते हैं। यदि किसी एक श्रेणी की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो कुछ मुनाफा सुरक्षित करके दूसरी श्रेणी में निवेश बढ़ाया जा सकता है। इस तरह निवेशक बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय पहले से तय रणनीति के आधार पर पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकता है। एसआईपी निवेशकों के लिए तस्वीर थोड़ी अलग हो सकती है। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और पोर्टफोलियो पहले से संतुलित है तो केवल कुछ महीनों के रिटर्न के आधार पर एसआईपी बंद करना उचित नहीं माना जाता। नियमित निवेश बाजार के अलग-अलग स्तरों पर खरीदारी का अवसर देता है। हालांकि, यदि मिडकैप या स्मॉलकैप में तेजी के कारण पोर्टफोलियो का वजन निवेशक की तय सीमा से काफी ऊपर चला गया है, तो नई किस्तों का कुछ हिस्सा लार्जकैप या अन्य उपयुक्त श्रेणियों में मोड़कर संतुलन बनाया जा सकता है।

रिटर्न के पीछे भागने से बचें

निवेशकों की सबसे आम गलतियों में से एक है हाल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले फंडों में लगातार पैसा बढ़ाते जाना। किसी श्रेणी ने पिछले कुछ महीनों में बेहतर रिटर्न दिया है, इसका मतलब यह नहीं कि वह आगे भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करेगी। इसी तरह, किसी श्रेणी में गिरावट आने का अर्थ यह भी नहीं है कि उसमें तुरंत बड़ी रकम लगा देनी चाहिए।

निवेशकों के लिए पांच जरूरी बातें

- हालिया रिटर्न देखकर फैसला न लें: पिछले प्रदर्शन की नकल करने के बजाय भविष्य के लक्ष्य और जोखिम को देखें।
- समय-समय पर रीबैलेंस करें: किसी एक श्रेणी में हिस्सेदारी बहुत बढ़ने पर पोर्टफोलियो को मूल लक्ष्य के करीब लाएं।
- तेजी में पूरा पैसा न लगाएं: मिडकैप और स्मॉलकैप के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी निवेश चरणबद्ध तरीके से करें।
- गिरावट में घबराएं नहीं: लार्जकैप में कमजोरी लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर बन सकती है, लेकिन निवेश कंपनी और फंड की गुणवत्ता देखकर ही करें।
- निवेश अवधि का ध्यान रखें: छोटी अवधि में जरूरत पड़ने वाले पैसे को अधिक जोखिम वाली श्रेणियों में लगाने से बचना चाहिए।

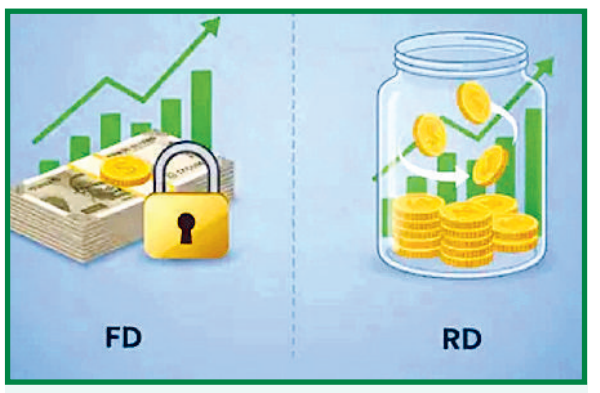

आरडी या एफडी, निवेश के लिए कौन सा विकल्प बेहतर

बचत
बिजनेस डेस्क

बचत को सुरक्षित रखने और उस पर निश्चित रिटर्न हासिल करने के लिए बैंक की सावधि जमा यानी एफडी और आवर्ती जमा यानी आरडी आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय विकल्प हैं। दोनों में बैंक में पैसा जमा किया जाता है और तय अवधि पूरी होने पर मूलधन के साथ ब्याज मिलता है। हालांकि दोनों योजनाओं की कार्यप्रणाली अलग है। इसलिए निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर करने के बजाय अपनी आमदनी, उपलब्ध रकम और भविष्य की जरूरत के हिसाब से करना ज्यादा समझदारी है।

पहले समझें एफडी और आरडी में अंतर

एफडी में निवेशक एकमुश्त रकम बैंक में जमा करता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति के पास पांच लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है और उसे तत्काल इसकी जरूरत नहीं है, तो वह अपनी पसंद की अवधि के लिए एफडी करा सकता है। अवधि पूरी होने पर उसे मूलधन के साथ निर्धारित ब्याज प्राप्त होता है। वहीं आरडी में एक साथ बड़ी रकम जमा करने की जरूरत नहीं होती। इसमें निवेशक हर महीने एक निश्चित रकम जमा करता है। जैसे कोई व्यक्ति हर महीने 5 हजार रुपये आरडी में जमा करता है तो तय अवधि तक वह नियमित रूप से यह रकम जमा करता रहेगा। इस तरह छोटी-छोटी बचत मिलकर भविष्य के लिए बड़ा कोष तैयार कर सकती है।

नियमित आय वालों के लिए आरडी उपयोगी

आरडी उन लोगों के लिए सुविधाजनक हो सकती है जिनकी आमदनी हर महीने नियमित आती है, लेकिन उनके पास निवेश करने के लिए बड़ी एकमुश्त रकम नहीं है। नौकरीपेशा लोग, छोटे कारोबारी या नियमित आय वाले अन्य लोग अपनी मासिक बचत का एक हिस्सा आरडी में जमा कर सकते हैं। इसका एक बड़ा फायदा अनुशासित बचत है। वेतन या आमदनी आने के बाद यदि पैसा खाते में पड़ा रहता है तो रोजमर्रा के खर्च में उसके इस्तेमाल की संभावना रहती है। आरडी में निश्चित रकम जमा करने की आदत बनने से बचत नियमित बनी रहती है। यदि किसी व्यक्ति का लक्ष्य दो-तीन साल बाद कोई बड़ी खरीदारी, बच्चों की फीस या अन्य खर्च के लिए रकम जुटाना है तो आरडी उसके लिए उपयोगी विकल्प हो सकती है।

एकमुश्त रकम के लिए एफडी बेहतर

यदि आपके पास पहले से पर्याप्त रकम मौजूद है और निकट भविष्य में उस पैसे की जरूरत नहीं है तो एफडी पर विचार किया जा सकता है। बोनस, संपत्ति की बिक्री से मिली रकम, पुरानी बचत या किसी अन्य स्रोत से मिली एकमुश्त राशि को एफडी में रखा जा सकता है। एफडी का फायदा यह है कि पूरी रकम एक साथ तय अवधि के लिए जमा हो जाती है और उस पर निर्धारित ब्याज मिलता रहता है। इससे निवेशक को रिटर्न का अनुमान लगाने में भी आसानी होती है।

केवल ब्याज दर देखकर फैसला न करें

आरडी और एफडी में चुनाव करते समय लोग अक्सर ब्याज दर को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। लेकिन सिर्फ ब्याज दर के आधार पर फैसला करना सही तरीका नहीं है। सबसे पहले यह देखें कि आपके पास अभी कितनी रकम उपलब्ध है और हर महीने कितनी बचत कर सकते हैं। मान लीजिए आपके खाते में पांच लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। ऐसे में पूरी रकम को आरडी में लगाने का कोई खास अर्थ नहीं होगा, क्योंकि आरडी में नियमित अंतराल पर किस्त जमा की जाती है। इस स्थिति में एफडी अधिक व्यावहारिक विकल्प हो सकती है। इसके विपरीत यदि आपके पास अभी बड़ी रकम नहीं है, लेकिन हर महीने 5 हजार या 10 हजार रुपये बचा सकते हैं तो आरडी के जरिये धीरे-धीरे रकम तैयार की जा सकती है।

निवेश की अवधि पर भी रखें ध्यान में

एफडी या आरडी चुनते समय निवेश की अवधि का भी ध्यान रखना चाहिए। पैसा कितने समय के लिए अलग रख सकते हैं, यह पहले तय करें। यदि रकम किसी नजदीकी जरूरत के लिए चाहिए तो पूरी राशि को लंबी अवधि के लिए जमा करना उचित नहीं हो सकता। निवेश करने से पहले बैंक की ब्याज दर, समय से पहले जमा तोड़ने के नियम और मिलने वाले ब्याज पर लागू कर व्यवस्था को भी समझ लेना चाहिए। अलग-अलग बैंकों की दरें और शर्तें अलग हो सकती हैं।

एफडी या आरडी, किसके लिए क्या?

एफडी चुन सकते हैं:

- यदि आपके पास एकमुश्त रकम उपलब्ध है।
- यदि कुछ समय तक उस रकम की जरूरत नहीं है।
- यदि आप तय अवधि के लिए रकम सुरक्षित रखना चाहते हैं।
- यदि आप नियमित किस्त जमा करने के बजाय एक बार में निवेश करना चाहते हैं।

आरडी पर विचार कर सकते हैं

- यदि आपके पास बड़ी एकमुश्त रकम नहीं है।
- यदि हर महीने नियमित आय आती है।
- यदि आप अनुशासित तरीके से बचत करना चाहते हैं।
- यदि दो-तीन साल जैसे तय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे रकम जमा करनी है।
- आपात जरूरत के लिए पैसा अलग रखें

जरूरत के हिसाब से करें चयन

एफडी और आरडी में से कौन बेहतर है, इसका कोई एक जवाब नहीं है। एकमुश्त रकम उपलब्ध है और उसे कुछ समय के लिए सुरक्षित रखना है तो एफडी सुविधाजनक हो सकती है। वहीं नियमित आमदनी से हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम बचानी है तो आरडी बेहतर विकल्प हो सकती है। निवेश का फैसला करते समय ब्याज दर के साथ अपनी आय, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, तरलता की जरूरत और समय से पहले पैसा निकालने की शर्तों को जरूर देखें। सही विकल्प वही है जो आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य के अनुरूप हो।

अगस्त में विदेशी फंडों का जलवा 36.42 प्रतिशत तक मिला रिटर्न

- क्या अब ग्लोबल निवेश बढ़ाने का सही समय
- टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे
- ताइवान व अमेरिकी टेक शेयरों ने दिया जोरदार सहारा
- विशेषज्ञ बोले- एक महीने की बाजार में आई तेजी को देखकर अपने निवेश की रणनीति को न बदलें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन ने निवेशकों का ध्यान अंतरराष्ट्रीय बाजारों की ओर खींचा है। महीने के दौरान सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंडों में विदेशी बाजारों में निवेश करने वाले फंडों का दबदबा रहा। करीब 613 इक्विटी फंडों के प्रदर्शन में शीर्ष पर रहने वाले फंड ने अगस्त में 36.42 प्रतिशत का रिटर्न दिया। टॉप-15 में 12 फंड अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़े रहे। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर पोर्टफोलियो में विदेशी निवेश शामिल करने की चर्चा तेज कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक महीने के असाधारण रिटर्न को देखकर निवेशक अपने पोर्टफोलियो में ग्लोबल फंडों की हिस्सेदारी अचानक नहीं बढ़ाएं। अगस्त का प्रदर्शन कुछ खास बाजारों, क्षेत्रों और मुद्रा में आए बदलाव का परिणाम रहा है। अगस्त में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड डीएसपी वर्ल्ड गोल्ड माइनिंग ओसीज इक्विटी ओमनी एफओएफ रहा। इसने महीने में करीब 36.42 प्रतिशत रिटर्न दिया। इसके बाद निप्पोन इंडिया ताइवान इक्विटी फंड रहा, जिसने 21.30 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी ऑम्नी एफओएफ ने भी 20.82 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल स्ट्रैटेजिक मेटल एंड एनर्जी इक्विटी फंड ऑफ़ फंड ने 15.48 प्रतिशत रिटर्न दिया। वहीं मिरे एसेट एनवाईएसई एफएएनजी+ईटीएफ एफओएफ ने 11.48 प्रतिशत का रिटर्न दिया।

अमेरिकी टेक और ताइवान के बाजार ने दिया जोर

अगस्त में अंतरराष्ट्रीय फंडों के बेहतर प्रदर्शन की प्रमुख वजह विदेशी शेयर बाजारों में आई तेजी रही। खासकर अमेरिका के तकनीकी और वृद्धि आधारित शेयरों को मजबूत प्रदर्शन का फायदा मिला। ताइवान का बाजार भी इस दौरान तेजी से बढ़ा। अगस्त में ताइवान का बाजार करीब 11 प्रतिशत चढ़ा। इसी अवधि में एसएंडपी 500 करीब 4 प्रतिशत और नैस्डैक करीब 6.7 प्रतिशत बढ़ा। ताइवान के बाजार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े हार्डवेयर, सेमीकंडक्टर और मेमोरी चिप कंपनियों की तेजी से फायदा मिला। अमेरिकी बाजार में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। इसका सीधा फायदा उन म्यूचुअल फंडों को मिला, जिनके पोर्टफोलियो में इन बाजारों और क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। यानी अगस्त का शानदार प्रदर्शन पूरे अंतरराष्ट्रीय फंड वर्ग का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि कुछ खास बाजारों और थीम का प्रदर्शन इसमें बड़ी भूमिका निभाता है।

रुपये की कमजोरी ने भी बढ़ाया रिटर्न

विदेशी फंडों के रिटर्न में केवल विदेशी शेयर बाजारों की तेजी का योगदान नहीं रहा। मुद्रा विनिमय दर में बदलाव ने भी निवेशकों के रिटर्न को प्रभावित किया। जब भारतीय रुपया विदेशी मुद्रा के मुकाबले कमजोर होता है तो विदेश में किए गए निवेश की रुपये में कीमत बढ़ जाती है। ऐसे में विदेशी बाजार में शेयरों की कीमत में सीमित बढ़ोतरी होने पर भी भारतीय निवेशक को रुपये में अपेक्षाकृत ज्यादा रिटर्न दिखाई दे सकता है।

क्या अब विदेशी फंडों में निवेश बढ़ाना चाहिए?

अगस्त के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन विशेषज्ञ निवेशकों को जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। राजेश मिनोचा के मुताबिक, केवल एक महीने के प्रदर्शन को आधार बनाकर निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय निवेश का सबसे बड़ा फायदा पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना है। भारतीय बाजार में निवेश करने वाले व्यक्ति के पास अमेरिका, ताइवान या दूसरे देशों की कंपनियों में सीधे निवेश किए बिना अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंडों के माध्यम से हिस्सा लेने का विकल्प होता है। इससे किसी एक देश या बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, विदेशी निवेश में मुद्रा जोखिम, वैश्विक बाजारों की अस्थिरता और अलग-अलग देशों की आर्थिक एवं नीतिगत परिस्थितियों का असर भी रहता है। इसलिए इसे पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के एक हिस्से के रूप में देखना ज्यादा उचित है।

पूरी अंतरराष्ट्रीय श्रेणी ने 36 प्रतिशत रिटर्न नहीं दिया

यह अंतर समझना निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। शीर्ष फंड के 36.42 प्रतिशत रिटर्न को देखकर ऐसा लग सकता है कि अंतरराष्ट्रीय फंडों की पूरी श्रेणी ने अगस्त में असाधारण प्रदर्शन किया। लेकिन ऐसा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फंडों का औसत एक महीने का प्रदर्शन करीब 3.6 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि कुछ चुनिंदा फंडों के शानदार प्रदर्शन ने पूरी श्रेणी की तस्वीर को काफी ऊपर खींच दिया। गोल्ड माइनिंग, मेटल्स, ऊर्जा, ताइवान और अमेरिकी तकनीकी शेयरों से जुड़े फंडों को खास परिस्थितियों का फायदा मिला। भविष्य में यदि इन क्षेत्रों की तेजी धीमी होती है तो इनके रिटर्न में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यदि किसी निवेशक के पोर्टफोलियो में पहले से अंतरराष्ट्रीय फंड हैं तो केवल अगस्त के प्रदर्शन को देखकर उन्हें बेचने या बढ़ाने की जरूरत नहीं है। पहले यह देखना चाहिए कि कुल निवेश में विदेशी फंडों की हिस्सेदारी कितनी है और क्या यह उसके वित्तीय लक्ष्य तथा जोखिम क्षमता के अनुरूप है। नए निवेशकों के लिए भी किसी एक महीने के रिटर्न के आधार पर बड़ी रकम लगाना उचित नहीं होगा। यदि पोर्टफोलियो में विदेशी बाजारों को शामिल करना है तो निवेश को चरणबद्ध तरीके से किया जा सकता है। व्यापक स्तर पर विविधीकरण करने वाले फंड और किसी खास देश या क्षेत्र पर केंद्रित फंड के जोखिम में भी अंतर होता है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **एक महीने का रिटर्न अंतिम संकेत नहीं** 36.42 प्रतिशत का रिटर्न असाधारण है, लेकिन इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।
- **देश और थीम देखें :** अमेरिका, ताइवान, गोल्ड माइनिंग, धातु और ऊर्जा से जुड़े फंडों का जोखिम और प्रदर्शन एक जैसा नहीं होता।
- **मुद्रा जोखिम समझें :** रुपये में कमजोरी विदेशी निवेश का रिटर्न बढ़ा सकती है, लेकिन रुपये की मजबूती इसका उलटा असर डाल सकती है।
- **पोर्टफोलियो में संतुलन रखें** अंतरराष्ट्रीय निवेश का उद्देश्य केवल ज्यादा रिटर्न हासिल करना नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो में भौगोलिक विविधता लाना भी है।
- **चरणबद्ध निवेश बेहतर :** विदेशी बाजारों में निवेश बढ़ाना हो तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

सोना फिर भर सकता है उड़ान, 12% तक तेजी का अनुमान

सुझाव
बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में हाल में मुनाफावसूली देखने को मिली है, लेकिन लंबी अवधि के निवेशकों के लिए कीमती धातुओं की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने को लगातार समर्थन मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा गिरावट को लंबी अवधि के तेजी के दौर में सामान्य करेक्शन के तौर पर देखा जा सकता है। उसके आकलन के अनुसार सोने में मौजूदा स्तरों से करीब 12% तक और तेजी की गुंजाइश है। सोना ऐसा निवेश है, जिससे नियमित ब्याज या लाभांश नहीं मिलता। इसलिए जब ब्याज दरें ऊंची होती हैं तो निवेशकों के लिए बैंक जमा और बॉन्ड जैसे ब्याज देने वाले विकल्प अपेक्षाकृत आकर्षक रहते हैं। इसके उलट ब्याज दरों में कमी आने पर सोने को रखने की अवसर लागत घटती है और इसकी मांग बढ़ सकती है। इसी वजह से दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति भी सोने की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कटौती का दौर आगे बढ़ता है तो सोने के लिए सकारात्मक माहौल बन सकता है।

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बनी बड़ा सहारा

सोने की मौजूदा मजबूती के पीछे केवल बाजार का रुझान नहीं है। केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी और विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने की कोशिश भी इसकी मांग को सहारा दे रही है। कई केंद्रीय बैंक अपने रिजर्व में डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के साथ सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इससे सोने की मांग को लंबी अवधि में संरचनात्मक समर्थन मिलता है। यही कारण है कि बीच-बीच में मुनाफावसूली होने के बावजूद सोने का व्यापक तेजी वाला रुझान बना हुआ है।

चांदी का रिटर्न ज्यादा, लेकिन जोखिम भी ज्यादा

निवेशकों के लिए चांदी इस समय आकर्षक दिखाई दे सकती है क्योंकि हाल की अवधि में इसने सोने की तुलना में ज्यादा रिटर्न दिया है। लेकिन इसके साथ जोखिम भी अधिक है। चांदी केवल निवेश की धातु नहीं है, बल्कि इसका इस्तेमाल उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए औद्योगिक मांग, आर्थिक गतिविधियों और बाजार की धारणा में बदलाव का असर इसकी कीमत पर तेजी से पड़ सकता है। चांदी में करीब 68 डॉलर और 74 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर प्रतिरोध देखने को मिल सकता है। इसलिए इसमें तेजी के साथ तेज करेक्शन की संभावना भी बनी रह सकती है।

4,060 डॉलर का स्तर महत्वपूर्ण

एक आकलन के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने को करीब 4,060 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर मजबूत समर्थन मिला है। वहीं चांदी ने पिछले चार से छह सप्ताह में करीब 58 डॉलर के स्तर को बनाए रखा है। तकनीकी तौर पर किसी भी तेजी वाले बाजार में लगातार एकतरफा बढ़त संभव नहीं होती। कीमतों में बीच-बीच में गिरावट और कुछ समय तक सीमित दायरे में कारोबार सामान्य प्रक्रिया है। इसलिए हाल की मुनाफावसूली को देखकर लंबी अवधि की पूरी कहानी बदल गई है, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।

गोल्ड ईटीएफ ने एक साल में दिया 43% से ज्यादा रिटर्न

31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में मजबूत प्रदर्शन किया है। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 43.47%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने 43.53% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 43.24% रिटर्न दिया। तीन साल की अवधि में भी इन योजनाओं का प्रदर्शन मजबूत रहा। एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ ने 32.37%, कोटक गोल्ड ईटीएफ ने ने 32.49% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 32.27% रिटर्न दिया।

सिल्वर ईटीएफ ने किया और बेहतर प्रदर्शन

चांदी से जुड़े निवेश उत्पादों का हालिया प्रदर्शन सोने से भी बेहतर रहा है। 31 जुलाई 2026 तक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ ने एक साल में 95.24% और निप्पोन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 94.55% रिटर्न दिया। तीन साल में इनका रिटर्न क्रमशः 42.09% और 41.71% रहा। लेकिन यहां निवेशकों को रिटर्न के साथ जोखिम को भी देखना चाहिए। चांदी में कीमतों का उतार-चढ़ाव सोने के मुकाबले अधिक होता है। इसलिए केवल पिछले एक साल के शानदार रिटर्न को देखकर इसमें बड़ी रकम लगाना उचित रणनीति नहीं मानी जा सकती।

गोल्ड फंड और सिल्वर फंड में क्या तस्वीर?

गोल्ड फंड ने भी इस अवधि में अच्छा प्रदर्शन किया है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन फंडों ने एक साल में करीब 42% तक और तीन साल में 31% से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं सिल्वर फंड की कई योजनाओं का एक साल का रिटर्न 90% से ज्यादा रहा है। इन आंकड़ों से यह जरूर पता चलता है कि पिछले कुछ समय में कीमती धातुओं ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है, लेकिन निवेश का फैसला केवल बीते प्रदर्शन के आधार पर नहीं होना चाहिए।

क्या अभी सोने में निवेश करना चाहिए?

लंबी अवधि के निवेशक सोने को पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले साधन के रूप में देख सकते हैं। बाजार में जब शेयर या दूसरे जोखिम वाले निवेश दबाव में आते हैं, तब सोना कई बार पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। हालांकि, जिस निवेशक ने सोने में पहले ही बड़ी तेजी के दौरान निवेश किया है, उसे नई खरीदारी करते समय एकमुश्त रकम लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश पर विचार करना चाहिए।

चांदी में सावधानी ज्यादा जरूरी

चांदी में संभावित रिटर्न अधिक हो सकता है, लेकिन जोखिम भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसलिए इसे सोने का सीधा विकल्प मानना उचित नहीं होगा। जोखिम लेने की क्षमता अधिक रखने वाले और उतार-चढ़ाव सहन कर सकने वाले निवेशक ही अपने कुल निवेश में इसकी सीमित हिस्सेदारी पर विचार कर सकते हैं।

निवेशकों के लिए सीधी बात

सोने और चांदी में तेजी की कहानी अभी कायम दिख रही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कीमतें लगातार बढ़ती रहेंगी। ब्याज दरों का रुख, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक परिस्थितियां आगे भी इनकी कीमतों को प्रभावित करेंगी। निवेशकों के लिए सबसे अहम बात यह है कि शानदार पुराने रिटर्न के पीछे भागने के बजाय अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार एसेट अलोकेशन तय करें। सोने को पोर्टफोलियो का पूरा आधार बनाने के बजाय विविधीकरण के साधन के रूप में देखना अधिक संतुलित रणनीति हो सकती है। चांदी में संभावित तेजी आकर्षक है, लेकिन उसके साथ आने वाले तेज उतार-चढ़ाव के लिए भी तैयार रहना होगा।

खबर संक्षेप

लंदन स्क्वाश : क्वार्टर फाइनल में हारी अनाहत

लंदन। भारत की अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की विश्व में पांचवें नंबर की खिलाड़ी शिवसंगारी सुब्रमण्यम से हारकर लंदन स्क्वाश क्लासिक पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता से बाहर हो गई। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत को 4-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत ने विश्व की नंबर 11 खिलाड़ी नेली गिलिस को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज यह भारतीय खिलाड़ी अब 12 सितंबर से शुरू होने वाले कतर क्लासिक टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी का हिस्सा है।

एशिया कप : भारत ने दक्षिण कोरिया को हराया

मोकी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया पर 4-1 की शानदार जीत के साथ की। पिछले दो चरण के चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ संयमित और दबदबे वाला प्रदर्शन किया। भारत की ओर से सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल किए। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक इरादे दिखाए और पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। इसका फायदा उसे आठवें मिनट में मिला, जब सानिका ने गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

ओमेगा यूरोपियन : टॉप टेन में बरकरार शुभंकर

क्रान्स मोंटाना। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने आखिरी छह होल में तीन बोगी की लेकिन इसके बावजूद वह ओमेगा यूरोपियन मास्टर्स के दूसरे दौर के बाद शीर्ष-10 में बने रहने में कामयाब रहे। डीपी वर्ल्ड टूर में दो बार जीत हासिल कर चुके 30 वर्षीय शर्मा ने दूसरे दौर में छह बर्डी लगाई और चार बोगी की। इस तरह से उन्होंने इस दौर में दो अंडर 68 का स्कोर बनाया। शर्मा ने पहले दौर में छह अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया था। इस तरह से अब उनका कुल स्कोर आठ अंडर है और वह संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

यूएस ओपन : कामिला रखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराया

सबालेंका ने 54 मिनट में जीता मुकाबला, चौथे दौर में पहुंचीं

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

यूएस ओपन के महिला एकल में दो बार की मौजूदा चैंपियन एरीना सबालेंका ने चौथे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने कामिला रखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जो 54 मिनट तक चला। उन्होंने दूसरे दौर का अपना मैच केवल 53 मिनट में जीता था। वह सेरेना विलियम्स के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कवायद में हैं। अंतिम 16 में उनका मुकाबला टेलर टाउनसेंड से होगा।

एरीना ने मादक पदार्थ की गंध के कारण रोका मैच

सबालेंका को मैच के दौरान मारिजुआना की गंध महसूस की। उन्होंने चेयर अंपायर से इसकी शिकायत की।उन्होंने बाद में कहा, 'दोस्तों आप जो चाहें कर सकते हैं। आप धूम्रपान करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन कृपया टेनिस कोर्ट के आसपास ऐसा न करें। जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हों तो उस गंध को सहन करना थोड़ा मुश्किल होता है।'

जेसिका ने लेयला को हराया

तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने पहला सेट आसानी से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2021 की उपविजेता लेयला फर्नांडीज को 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। पेगुला का मुकाबला अब रोमानिया की 36 वर्षीय सोराना सिर्स्टिया से होगा, जो इस सत्र के बाद संन्यास लेने पर विचार कर रही हैं।

अल्काराज का विजय अभियान जारी

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई। दाहिनी कलाई की चोट से उबरने के बाद अप्रैल के बाद से अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रहे अल्काराज ने ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में अपनी जीत का सिलसिला 17 मैचों तक बढ़ा लिया है। अल्काराज को वू से शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक शॉट-मेकिंग वाले इस मुकाबले में जबरदस्त फोरहैंड दिखाए। शुरुआती सेट में वू ने अल्काराज की बराबरी की और उन पर दबाव बनाया, जिससे अल्काराज को पहले और दूसरे, दोनों सेट में मिली ब्रेक की बढ़त गंवानी पड़ी। हालांकि, दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी ने अहम मौकों पर अपना खेल बेहतर किया, मैच पर पकड़ बनाई और दो सेट की बढ़त हासिल कर ली।

लिंडा और मार्टा अगले दौर में

लिंडा नोस्कोवा और 11वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक भी अगले दौर में पहुंच गईं लेकिन सातवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को 26वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने बाहर कर दिया। पुरुष एकल में 2021 के चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। चौथे दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का सामना 11वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो से होगा, जिन्होंने 22वीं वरीयता प्राप्त वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से पराजित किया। स्टेफानोस सिटसिपास ने 18वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को हराकर पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया।

महिला एशिया कप : पाकिस्तानी टीम 55 रन ही बना सकी

चरणी और प्रेमा की फिरकी में फंसा पाक, भारत ने सात विकेट से रौंदा

हरिभूमि न्यूज/भाषा ▶▶| दुबई/रोहतक

श्री चरणी और प्रेमा रावत की युवा स्पिन जोड़ी की घातक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह बेबस नजर आई और भारत ने शनिवार को महिला एशिया कप टी-20 के एकतरफा मुकाबले में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी को सात विकेट से रौंद दिया। बतौर कप्तान अपना 150वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं हरमनप्रीत कौर पुरुष और महिला क्रिकेट में इस मुकाम तक पहुंचने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय कप्तान बनीं। उनकी टीम ने पाकिस्तान को महज 55 रन पर समेट दिया जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान का अब तक का सबसे कम स्कोर है। भारत ने 8.4 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

हरमनप्रीत ने नाबाद 18 रन बनाए और विजयी छक्का लगाकर मुकाबला खत्म किया। दीप्ति शर्मा 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि 24 वर्षीय लेग स्पिनर प्रेमा ने चार ओवर में नौ रन देकर तीन विकेट चटकाए। शेफाली वर्मा ने तीन ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया। दीप्ति शर्मा ने 3.1 ओवर में पांच रन देकर दो विकेट झटकते हुए पाकिस्तान की पारी समेटने में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शेफाली (12), स्मृति मंधाना (9) और प्रतिका रावल (4) के विकेट जल्दी गंवा दिए। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने तीनों को पवेलियन भेजा। फिर हरमनप्रीत ने और दीप्ति ने भारत को आसानी से जीत तक पहुंचा दिया।

श्री चरणी और रावत को 3-3 विकेट और दीप्ति शर्मा को 2 विकेट मिले।

भारतीय टीम की लगातार तीसरी जीत

भारत और पाकिस्तान की कप्तानों ने टॉस के दौरान हाथ नहीं मिलाया

शेफाली ने दिखाया फिरकी का जादू

भारत की तरफ से गेंदबाजी में रोहतक की शेफाली वर्मा ने भी अपनी फिरकी का जादू दिखाया और 1 महत्वपूर्ण विकेट चटकाया। बल्लेबाजी के दौरान शेफाली ने पारी की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर आक्रामक शुरुआत की और 6 गेंदों में 12 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 3,000 रन भी पूरे किए और यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले अपने 200वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में पाक ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने शुरुआती चार ओवर में बिना विकेट खोए 27 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। मुनीबा को दो जीवनदान मिलने के बावजूद वह 13 रन ही बना सकीं, जबकि शवाल ने 14 रन का योगदान दिया। इसके बाद पाक की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका। हरमनप्रीत ने पिच से स्पिनरों को मिल रही मदद को भांपते हुए पांचवें ओवर से ही फिरकी का जाल बिछा दिया। उनका यह दांव पूरी तरह सफल रहा।

पैरा तीरंदाजी: भारत की दमदार शुरुआत, युगल में हरविंदर-भावना शीर्ष वरीय

अहमदाबाद। पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर सिंह की अगुआई में भारतीय तीरंदाजों ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में शानदार शुरुआत की जहां पुरुष और महिला रिकर्व ओपन वर्ग में भारत के चार-चार तीरंदाजों ने सीधे प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर ने पुरुष रिकर्व ओपन वर्ग के क्वालीफिकेशन में 720 में से 636 अंक जुटाकर तीसरी वरीयता हासिल की। ईरान के घोलामरेजा रहीमी 647 अंक के साथ शीर्ष पर रहे, जबकि इंडोनेशिया के खोल्दिन ने 641 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के परवीन 633 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। सहजवीर सिंह ने 626 अंक जुटाकर छठा स्थान हासिल किया, जबकि विजय सुंडी 618 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। शीर्ष-10 में चार भारतीयों के रहने का फायदा उन्हें मिला और चारों ने 32 खिलाड़ियों के ड्रॉ में सीधे प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त हरविंदर का सामना चीन के 14वीं वरीयता वाले गान जुन से होगा।

सात्विक-चिराग सत्र के दूसरे खिताब से एक कदम दूर

तीसरी बार चीन मास्टर्स के फाइनल में

भाषा ▶▶| शेनजेन

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शनिवार को शानदार रणनीतिक खेल का प्रदर्शन करते हुए मलेशिया के नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियोंग को तीन गेम में हराकर तीसरी दफा चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही भारतीय जोड़ी इस सत्र के अपने दूसरे खिताब से अब सिर्फ एक जीत दूर है। सात्विक-चिराग की दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी ने दूसरे गेम में लड़खड़ाने के बाद जोरदार वापसी की और 29वीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी को एक घंटे पांच मिनट में 21-15, 18-21, 21-11 से हराया। भारतीय जोड़ी 2023 और 2025 के चरण में उपविजेता रही थी। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी अब खिताबी मुकाबले में चीन के हे जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से भिड़ेगी। चिराग ने कहा, ''हम दोनों के लिए पिछले तीन महीने आसान नहीं रहे। यह सही में बहुत अच्छा लग रहा है। जाहिर तौर पर हम काफी समय तक बाहर रहे इसलिए ब्रेक के बाद अपने दूसरे ही टूर्नामेंट में फाइनल में पहुंचना बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। यह हमारे लिए खास है।'' सात्विक ने कहा, ''अब हम वापस जाकर पहले थकान से उबरेंगे करेंगे। फिर देखेंगे कि सुबह उठने पर हमारा शरीर कैसा महसूस करता है। इसके बाद हमें सिर्फ एक और मैच खेलना है। हम कल अपना शत प्रतिशत देंगे और फिर उसके बाद आगे की सोचेंगे।''

विलियम्स बहनों की वापसी पर फिरा पानी

टाईब्रेकर में हारी सेरेना और वीनस

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स को यूएस ओपन डबल्स में हार का सामना करना पड़ा है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में विलियम्स बहनों को चैन हाओ-चिंग और माया जॉइंट की जोड़ी ने निर्णायक सुपर टाईब्रेक में जीत हासिल की। तीन घंटे तक चले मैच में, चैन और जॉइंट ने 14 बार की ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन को 6-3, 6-7 (8), 7-6 [7] से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई।

मुकाबले में पड़ी सुपर टाईब्रेक की जरूरत

इस परिणाम ने विलियम्स बहनों को टूर्नामेंट में दमदार वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। खचाखच भरे ऐश स्टेडियम में एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला जो बार-बार दोनों टीमों के बीच घूमता रहा और आखिर में नतीजा तय करने के लिए सुपर टाईब्रेक की जरूरत पड़ी। चैन और जॉइंट ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से जीत लिया। लेकिन, विलियम्स बहनों ने दूसरे सेट में नए जोश के साथ जवाब दिया और अपनी अपोनेंट्स को सर्व पर कोई मौका नहीं दिया। सेट टाईब्रेक तक गया, जिसमें कोई भी जोड़ी 12 गेम तक बराबरी नहीं कर पाई। सेरेना और वीनस ने ब्रेकर में 5-3 से बढ़त बना ली, जब सेरेना ने बैकहैंड वॉली विनर बनाया, लेकिन चैन और जॉइंट टचिंग डिस्टेंस के पास ही रहे।

विलियम्स बहनों ने की कई महंगी गलतियां

विलियम्स बहनों ने लगातार तीन गेम जीतकर सेट बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने बाकी सेट में अपनी सर्विस बनाए रखी, जिससे मैच सुपर टाईब्रेक में चला गया। सेरेना और वीनस ने शानदार शुरुआत की, 5-0 की बढ़त बना ली और यादगार वापसी वाली जीत के बहुत करीब पहुंच गईं। लेकिन फिनिश पूरी तरह से चैन और जॉइंट के नाम रहा। विलियम्स बहनों की कई महंगी गलतियों ने उनके विरोधियों को वापसी करने का मौका दिया। नेट में लगातार शॉट लगाने से अंतर कम हुआ, इससे पहले कि वीनस ने 6-3 पर डबल फॉल्ट किया। चैन और जॉइंट ने मौके का फायदा उठाया और लगातार छह पॉइंट बनाए। फिर चैन ने मैच पॉइंट पर वॉली विनर मारकर टूर्नामेंट की सबसे रोमांचक जीतों में से एक पूरी की और विलियम्स बहनों की न्यूयॉर्क डबल्स कॉम्पिटिशन में वापसी खत्म कर दी। चैन के नेट पर वीनस ने मुकाबला जिंदा रखा, इससे पहले कि विलियम्स बहनों ने एक और सेट पॉइंट हासिल किया। फिर जॉइंट ने एक अनरिटर्न्ड सर्व करके स्कोर 6-5 कर दिया, लेकिन अगले मौके पर सेरेना ने डबल फॉल्ट कर दिया। विलियम्स बहनों ने आखिरकार अपना पांचवां सेट पॉइंट तब बदला जब जॉइंट ने फोरहैंड बेसलाइन के पार भेजा, जिससे मुकाबला निर्णायक सेट में चला गया।

एएचएफ जूनियर एशिया कप

भारत की इंडोनेशिया पर बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| मोकी

भारत ने पूल ए के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया पर 14-0 की बड़ी जीत के साथ एएचएफ जूनियर पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव तीनों ने मिलकर 12 गोल किए, जिससे पांच बार की चैंपियन टीम ने टूर्नामेंट पर जल्द अपना दबदबा कायम कर लिया। प्रभदीप ने सर्वाधिक पांच गोल दागकर 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल किया। कप्तान अनमोल ने चार जबकि यादव ने तीन गोल किए। बाकी दो गोल हरपाल और आशु मौर्य ने किए। मैच शुरू होत ही भारत ने आक्रामक रवैया अपनाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे।

आज से दलीप ट्रॉफी फाइनल, लय हासिल करना चाहेंगे सिराज

बड़े स्कोर पर पडिक्कल, तिलक, सूर्यवंशी की नजरें

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

वैभव सूर्यवंशी, देवदत्त पडिक्कल और तिलक वर्मा पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र के बीच रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के फाइनल में लाल गेंद क्रिकेट में अपने हाल के प्रदर्शन को और बेहतर करने की कोशिश करेंगे जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की निगाह लय हासिल करने पर होगी। पडिक्कल को साई सुदर्शन के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में जो मौका मिला, उसका उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में भरपूर फायदा उठाया।

शमी खेलेंगे 100वां मैच

शमी का यहां 100वां प्रथम श्रेणी मैच होगा, जो एक तेज गेंदबाज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह राष्ट्रीय टीम में वापसी की कोशिश में लगे हैं और वह यहां अच्छा प्रदर्शन करके अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे। भारत के लिए उन्होंने अपना आखिरी मैच मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के रूप में खेला था।

वैभव की सभी प्रारुप में खेलने की संभावना

पूर्वी क्षेत्र से खेलने वाले सूर्यवंशी ने मध्य क्षेत्र के खिलाफ सेमीफाइनल में 92 और 40 रन बनाकर यह साबित कर दिया कि वह परिस्थितियों के अनुसार अपना खेल खेलने में माहिर हैं और उन्हें केवल सीमित ओवर के प्रारुपों तक ही सीमित नहीं माना जाना चाहिए। अगर वह फाइनल में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उनकी सभी प्रारुप में खेलने की संभावना बढ़ जाएगी।

सिराज को सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में आना होगा

अनुभवी तेज गेंदबाज सिराज को न्यूजीलैंड के आगामी दौरे से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में आना होगा। वह दक्षिण क्षेत्र की टीम में चोटिल तेज गेंदबाज विदवत कावेरप्पा की जगह ले सकते हैं। सिराज श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में प्रभाव नहीं छोड़ पाए और वह किसी भी समय लय में नहीं दिखे। उनके इस प्रदर्शन को देखते हुए कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सिराज को अपनी लय वापस पाने की जरूरत है। इशान किशन पूर्व क्षेत्र की कप्तानी करेंगे और अगले सप्ताह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने से पहले वह कुछ रन बनाने के लिए उत्सुक होंगे।

मैच का समय : सुबह 9:30 बजे

बोले, अनंतकाल तक चलने वाले संघर्षों में कोई विजेता नहीं होता, संवाद-कूटनीति बढ़ाने पर ही ध्यान देना चाहिए

पोलैंड के विदेश मंत्री संग बैठक में उठा वैश्विक संघर्षों का मुद्दा, जयशंकर ने साफ किया भारत का रुख

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपनी दो देशों की विदेश यात्रा के दूसरे और अंतिम पड़ाव के तहत पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध, खाड़ी में जारी संघर्ष, पश्चिम-एशिया, मध्य-पूर्व की स्थिति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम पर भी विचार-विमर्श किया गया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी से मुलाकात करते हुए

युद्ध बढ़ने से नुकसान ही नुकसान

बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. जयशंकर ने दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए भारत के पक्ष को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि अनंतकाल तक जारी रहने वाले युद्धों को आखिरकार समाप्ति का रास्ता प्रदान करना चाहिए। क्योंकि ऐसे संघर्षों में कोई विजेता नहीं होता है।

बल्कि हर गुजरते दिन के मायने सिर्फ और सिर्फ अधिक मौतें और विनाश के रूप में ही सबसे सामने आएंगी। जिससे पूरी दुनिया के लिए लागत में बढ़ोतरी ही होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से अपनी चिंता व्यक्त की है।

संवाद, कूटनीति को देना पड़ेगा बढ़ावा

उन्होंने यह भी कहा कि उक्त परिदृश्य के हिसाब से हमारे प्रयासों का ध्यान संवाद और कूटनीति को बढ़ावा देने पर केंद्रित होना चाहिए। जिसमें हम सभी में से प्रत्येक को अपनी क्षमता, आकलन के हिसाब से वह सब कुछ करना चाहिए। जो इस संघर्ष को खत्म करने में सबसे प्रभावी हो। इसके अलावा हमें उन प्रयासों का भी समर्थन करना चाहिए। जो इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए किए जा रहे हैं। भारत का यही दृढ़ विश्वास है और इसी दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

2024 में रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचे संबंध

जयशंकर ने बताया कि भारत, पोलैंड के संबंध 2024 में रणनीतिक साझेदारी तक जा पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच बढ़ती निकटता की झलक हमारे राजनीतिक नेतृत्व की नियमित बैठकों के अलावा मौजूदा संस्थागत तंत्रों में भी दिखाई देती है।

हमारी बैठक में मैंने और पोलैंड के विदेश मंत्री ने उस कार्य योजना की भी समीक्षा की है। जिस पर दो साल पहले पीएम मोदी ने अपनी पोलैंड यात्रा के दौरान सहमति प्रदान की थी। इस संबंध में प्रगति जारी है। दोनों देशों के मध्य जल्द ही रक्षा कार्य समूह की बैठक भी होने वाली है।

जनता के बीच संपर्क के मामले में इसी साल अक्टूबर महीने में जाम साहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का दूसरा संस्करण आयोजित किया जाएगा। पोलैंड के अधिकांश लोग जाम साहेब को डोब्री महाराजा के नाम से जानते हैं। इतना ही नहीं यहां के विश्वविद्यालयों में भारत विद्या, संस्कृत के कार्यक्रम अच्छी तरह से चल रहे हैं।

भारत-ईयू एफटीए से पोलैंड को होगा लाभ

उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ है। ईयू के एक प्रमुख सदस्य के रूप में पोलैंड को भी इसका निश्चित रूप से लाभ होगा। मामले को लेकर मेरी विदेश मंत्री सिकोरस्की के साथ चर्चा हुई है। मैंने पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री के साथ जिन वैश्विक, क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की है। उनमें सबसे महत्वपूर्ण यूक्रेन युद्ध है। जो 2026 में अपने पांचवें साल में प्रवेश कर गया है। जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया केवल कई युद्धों से ही जूझ नहीं रही है। बल्कि वह खाद्य, ईंधन और उर्वरकों की उपलब्धता जैसी गंभीर चुनौतियों का भी सामना कर रही है। आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती एक अतिरिक्त चिंता का मामला है। दोनों देश यूएन सहित अन्य बहुपक्षीय मंचों पर साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

राष्ट्रपति नवरोकी से भी हुई मुलाकात

भारत के विदेश मंत्री की पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी से भी मुलाकात हुई। जिसे लेकर एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि हमारी बातचीत में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की सकारात्मक दिशा पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यूक्रेन संघर्ष, मध्य-पूर्व, पश्चिम-एशिया, आईमैक और जी-20 पर विचारों का आदान-प्रदान किया है। जयशंकर ने वारसॉ में जामनगर के डोब्री (नेक) महाराजा दिग्विजय सिंह जी जडेजा के कोल्हापुर स्मारक स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस स्मारक स्थल की खास बात यह है कि इसे महाराजा सिंह ने पोलैंड की 5 हजार महिलाओं और बच्चों को प्रदान किए गए आश्रय की याद में बनाया गया है। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री की भारत-पोलैंड संसदीय समूह के सदस्यों के साथ भी मुलाकात हुई है।

रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम! राष्ट्रपति पुतिन ने दिए आदेश

3 दिन तक कीव पर बमबारी रोकी, शांति वार्ता के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पहुंचा मॉस्को

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शनिवार को बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कीव पर हमले रोकने के लिए 72 घंटे का समय देने का आदेश दिया है। पेस्कोव ने कहा कि पुतिन ने आदेश दिया है कि आज आधी रात से शुरू होकर तीन दिनों तक कीव पर कोई हमला न किया जाए। उन्होंने बताया कि यह फैसला शांति वार्ता के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर की कीव यात्रा की तैयारियों से जुड़ा है।

■ भारत ने दी शांति बरतने की सलाह

यूक्रेन पर रूस के बड़े पैमाने पर हमले को खत्म करने की रुकी हुई कोशिशों को फिर से शुरू करने के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शनिवार को मॉस्को पहुंचे।

यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब दोनों पक्षों ने हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि दूतों की यात्रा के दौरान यूक्रेन हवाई हमले रोक देगा और मॉस्को से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया था। अब मॉस्को ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।

यूक्रेन पर रूस के बड़े पैमाने पर हमले को खत्म करने की रुकी हुई कोशिशों को फिर से शुरू करने के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शनिवार को मॉस्को पहुंचे

जेरेड कुशनर (बांए), किरिल दिमित्रिएव, स्टीव विटकॉफ मॉस्को पहुंचे

आज कीव भी जा सकते हैं अमेरिकी दूत

एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति पुतिन के विशेष रूसी दूत किरिल दिमित्रिएव ने इन दूतों का स्वागत किया। दिमित्रिएव ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के विमान से उतरने के दौरान उनसे मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं और साथ में लिखा कि मॉस्को में शांतिदूतों का स्वागत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद विटकॉफ और कुशनर पिछली बार जनवरी में मॉस्को गए थे, जब उन्होंने क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। वे कभी कीव नहीं गए हैं, लेकिन जेलेंस्की ने कहा था कि उन्हें रविवार को यूक्रेनी राजधानी में उनके आने की उम्मीद है।

रूस ने यूक्रेन पर बरसाए बम, 4 लोगों की मौत

अमेरिकी शांति दूतों के मॉस्को पहुंचने से पहे रूस ने यूक्रेन के दो एयरपोर्ट पर भी हमला किया है। रूस ने रात भर में निप्रो इलाके में आम नागरिकों के ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई, और साथ ही कीव के दो हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। जेलेंस्की ने इसे शांति प्रक्रिया को बाधा पहुंचाने वाला कदम बताया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि शुक्रवार को कीव में रूस के एक ड्रोन ने यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी एसबीयू के हेडक्वार्टर पर हमला किया। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने एसबीयू को उचित और ठोस जवाब देने का निर्देश दिया है, जबकि यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिगा ने इसे हालात को और गंभीर बनाने वाला कदम बताया। 2022 में रूस के हमले की शुरुआत के बाद से पहली बार था यूक्रेन के इस ताकतवर सुरक्षा एजेंसी के मुख्यालय पर हमला हुआ।

ईयू देश की रूस पर हमले की योजना!

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ईयू देश यूक्रेन के समर्थन में मिलकर रूस पर हमले की योजना बना रहे हैं। इससे पहले यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो रूस के हमलों को रोकने के लिए मॉस्को पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नाटो क्षेत्र के लिए संभावित खतरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में मॉस्को का दौरा किया था। ईयू पहले ही रूस के सैन्य-औद्योगिक परिसर से जुड़े करीब 1,600 लोगों और संस्थाओं के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े प्रतिबंधों की तैयारी के संकेत दे चुका है। इसके साथ ही नाटो भी रूसी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए नए दंडात्मक उपायों पर काम कर रहा है।

भारत भी शांति के कर रहा प्रयास

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 3 से 5 सितंबर तक यूक्रेन और पोलैंड की आधिकारिक यात्रा पर थे। बुधवार को उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपतिवोलोदिमिर जेलेंस्की और यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा से मुलाकात की थी। जयशंकर ने कहा था कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता के लिए भी तैयार है। जेलेंस्की ने पीएम मोदी के उस रुख का भी स्वागत किया, लगातार बातचीत और कूटनीति के जरिए युद्ध खत्म करने की बात कहता रहा है। इसके बाद शुक्रवार को जयशंकर पोलैंड की राजधानी वारसॉ पहुंचे थे जहां उन्होंने डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की से बातचीत की थी।

पूर्व राष्ट्रपति के बेटे नमल राजपक्षे अरेस्ट

कोलंबो। श्रीलंका एयरलाइन के लिए एयरबस विमानों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार के मामले में देश के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े बेटे नमल राजपक्षे को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच करने वाले आयोग के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। आयोग ने 5 घंटे तक उनसे पूछताछ की थी। , जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट असंगा एस. बोदेरागामा के समक्ष पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने उन्हें 18 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

7 से 9 सितंबर तक होगी यात्रा, सोमवार को विदेश मंत्री जयशंकर संग होगी बैठक

अगले सप्ताह से भारत की यात्रा पर रहेंगे लक्जमबर्ग के विदेश मंत्री जेवियर बेटेल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लक्जमबर्ग के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल अगले सप्ताह सोमवार से भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसके तहत 7 सितंबर को उनकी अपने भारतीय समकक्ष और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ हैदराबाद हाउस में एक द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के संबंधों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं और साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि अपनी भारत यात्रा के दूसरे दिन यानी मंगलवार को लक्जमबर्ग के विदेश मंत्री बेटेल चेन्नई के लिए रवाना होंगे। जहां वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटीएम) मद्रास के परिसर का दौरा कर आईआईटीएम रिसर्च पार्क का भी जायजा लेंगे। इसके अलावा वह नए एसईएस परिसर का दौरा करने के साथ ही उसका उद्घाटन करेंगे। बुधवार को उनकी यह यात्रा संपन्न हो जाएगी और वह वापस लक्जमबर्ग लौट जाएंगे।

गाजियाबाद पुलिस ने पकड़ा था गैंग, पाक के लिए कर रहे थे जासूसी

जियो-टैगिंग वाली तस्वीरें और वीडियो पाक भेजीं

13 लोगों के खिलाफ एनआईए ने कोर्ट में दाखिल की चार्जशीट

पाकिस्तान को भेज रहे थे संवेदनशील जानकारी

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले 13 लोगों के खिलाफ एनआईए ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। गाजियाबाद के कौशांबी पुलिस ने इस गैंग का खुलासा किया था। जिनके पास से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल के साक्ष्य पाए गए थे। जहां कौशांबी थाने में केस दर्ज हुआ था। बाद में यह केस एनआईए के पास चला गया। एनआईए लखनऊ कोर्ट में जिन आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल की गई है उनमें प्रवीण, राज वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि, रितिक गंगवार, समीर उर्फ शूटर, दुर्गेश निषाद, नौशाद, गगन कुमार, विवेक, शिवराज, मीरा ठाकुर, इरम उर्फ महक शामिल हैं। इस मामले में 5 नाबालिग हैं। अन्य के खिलाफ अभी जांच चल रही है।

गाजियाबाद पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

कई बड़े मंदिरों के फोटो भी भेजने थे

जांच में यह भी सामने आया था कि इस गैंग के द्वारा दिल्ली, गाजियाबाद, राजस्थान के कई बड़े मंदिरों के फोटो भी भेजने थे, यहां कैमरे लगाने की तैयारी थी। लेकिन उससे पहले ही यह पकड़े गए।

अलग अलग राज्यों में कैमरे लगाए थे

जांच में यह भी साबित हुआ है कि आरोपियों ने गैर-कानूनी तरीके से महत्वपूर्ण और प्रतिबंधित व संवेदनशील इलाकों में घुसपैठ की, वहां तक पहुंचे और उन तक पहुंच बनाई, जासूसी कैमरे लगाए, और दुश्मन देश में मौजूद लोगों, संस्थाओं को संवेदनशील जानकारी (जिसमें जियो-टैगिंग वाली तस्वीरें और वीडियो शामिल हैं) भेजी। भारतीय सिम कार्ड हासिल करने और इस्तेमाल करने में मदद की। उनके सटीक जीपीएस कोऑर्डिनेट्स हासिल करने में भी उनकी सक्रिय रूप से मदद की, जिससे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

पुलवामा जा चुके थे आरोपी

जांच में पता चला कि पाकिस्तान में बैठे लोग इन आरोपियों में से कुछ को ट्रेनिंग के लिए पुलवामा भेज चुके थे। अब इन सभी को लद्दाख भेजने की तैयारी थी। जहां इन लोगों को कैमरे लगाने थे। आरोपी दिल्ली की सराय रोहिल्ला से जोधपुर और जैसलमेर तक रेलवे कनेक्टिविटी पर नजर रख रहे थे। आरोपियों के मोबाइल फोन में वाट्सएप चैट के अलावा दिल्ली कैंटोमेंट बोर्ड क्षेत्र के सुरक्षा प्रतिष्ठानों की वीडियो मिले हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109